HRA AN UNIVERSETTE OF India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 33]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 19, 1978 (श्रावण 28, 1900)

No. 33]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 19, 1978 (SRAVANA 28, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रजा जा सके।
'Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III--खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उपच न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा ग्रायोग

नर्ष्ठ दिल्ली-110011, दिनाक 27 जून 1978

सं० ए० 32016/2/78-प्रशा०-II—सिवत संघ लोक सेवा श्रायोग एतद्द्वारा संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में स्थायी ग्रनुसंधान महायक (ग्रनु० एवं सां०) तथा स्थानापन्न श्रनुसंधान श्रन्वेषक श्री रामांसह को, श्रीमती राज कुमारी श्रानन्द, किन्छ ग्रनुसंधान ग्रिधकारी (श्रनु० एवं सां०) को श्रवकाण स्वीकृत किए जाने के कारण उनके स्थान पर 26-6-1978 से 25-9-1978 तक की श्रवधि के लिए, श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, श्रायोग के कार्यालय में किनष्ठ ग्रनुसंधान श्रिधकारी (श्रनु० एवं सा०) के पद पर स्थानापन्न हप से तदर्थ ग्राधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

प्र० ना० मखर्जी, उप मचित्र, **कृते** सचित्र संघ लोक सेवा श्रायोग नई दिल्ली-110011, दिनांक 20 जुलाई 1978

सं० ए० 32014/1/78-प्रणा०-I--संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० म० स्टें० से० का ग्रेड ग) तथा इम ममय स्टेनोग्राफर ग्रेड ग के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री एस० पी० मेहरा को, जिन्हें इस कार्यालय के समसंख्यक आदेश दिनांक 16-5-78 के द्वारा तदर्थ और पूर्णतः श्रस्थायी आधार पर 30-6-78 तक स्थानापन्न वरिष्ठ वैयक्तिक महायक नियुक्त किया गया था, राष्ट्रपति द्वारा 1-7-78 से 31-8-78 तक दो महीने की श्रवधि के लिए, या श्रागामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (केन्द्रीय मचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा का ग्रेड ख) के पद पर पूर्णतः श्रनन्तिम, श्रस्थायी तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य करते रहने की श्रनमित प्रदान की जाती है।

श्री मेहरा यह नोट कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स॰ स्टे॰ से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियक्ति पूर्णत. ग्रस्थायी श्रौर तदर्थ श्राधार पर है श्रौर के० स० स्टे॰ से० के ग्रेड ख में उनके विलयन का या उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं होगा। उनकी नियक्ति कार्मिक सथा प्रणासनिक सुधार विभाग के श्रनुमोदन की शर्तों पर ही होगी।

> प्र० ना० मुखर्जी, श्रवर सचिव संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 जुलाई 1978
सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III (1)—संघ लोक सेवा भ्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एन० के० ढ़िंगरा को राष्ट्रपत्ति द्वारा 1-7-78 से 16-8-78 तक 47 दिन की ग्रवधि के लिए, श्रथवा भ्रागामी घादेशों सक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के भ्रनुभाग भ्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से सदर्थ ग्राधार पर, कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा०-III (2)—संघ लोक सेवा ग्रायोग में केन्द्रीय सिचवालय सेवा संवर्ग के निम्नलिखित स्थायी सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा, प्रत्येक के नाम के सामने दर्शायी गई ग्रवधि के लिए, ग्रथवा ग्रागाभी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, ग्रनुभाग ग्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से, तदर्थ ग्राधार पर, कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

ऋम सं० नाम	ग्रवधि जिसके लिए ग्रनुभाग ग्रधिकारी नियुक्त किया गया
1. श्री के० एल० शर्मा	. 1-8-78 से 31-10-78 की ग्रतिरिक्त भ्रवधि के लिए।
2. श्री एच० एस० भाटिया	. 1-8-78 से 31-10-78 की अतिरिक्त भ्रवधि के लिए।
3. श्री श्राई ० जे० शर्मा	. 1-8-78 सें 31-10-78 की भ्रतिरिक्त भ्रवधि के लिए।
4. श्री बी० श्रार० बसरा	. 18-7-78 से 29-9-78की ग्रतिरिक्त ग्रवधि के लिए।
5. श्री घ्रार० के० जसूजा	16-7-78 से 28-8-78 की ग्रतिरिक्त अवधि के लिये।
6. श्री ग्रार० के० मागो	. 9-7-78 से 31-8-78 की ग्रतिस्कित ग्रवधि के लिए।
7. श्री एस० एन० शर्मा .	8-7-78 से 28 8-78 की श्रतिरिक्त श्रवधि के लिए।
8. श्री जी० मट्राजन •	. (i) 8-7-78 से 12-7-78 की श्रतिरिक्त श्रवधि के लिए (ii) 17-7-78 से 31-8-78 (46 दिन) के लिए।
9. श्री जय नारायण .	. 8-7-78 से 29-7-78 की भ्रतिरिक्त भ्रवधि के लिए

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III (3)—संघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी महायक श्री एस० श्रार० खन्ना को, राष्ट्रपति द्वारा 13-7-78 से 27-8-78 तक 46 दिन की प्रविध के लिए, श्रयवा श्रागमी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से, तदर्थ श्राधार पर, कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

दिनांक 25 जुलाई 1978

सं० ए० 11016/1/76-प्रणा० III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के निम्नलिखित स्थायी ध्रनुभाग अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा उनके सामने निर्दिष्ट ध्रवधि के लिए अथवा ध्रागामी ध्रादेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा ध्रायोग के कार्यालय में डैस्क ध्रिधकारी के कार्य करने वे लिये नियुक्त किया जाता है।

कमसं० नाम	म्रवधि				
1. श्री बी० एस० जगोपोता	. 30-6-78 से 28-2-79 सक।				
2. श्री बी० एस० कपूर	. 1-7-78 से 28-2-79 सक।				
3. श्री जे० पी० गोयल	. 1-7-78 से 28-2-79 तक।				
 श्री मार० एन० खुराना 	. 16-7-78 से 28-2-79 सक				
5. श्री एस० श्रीनिवासन	. * 16-7-78 से 28-2-79 तक।				
6. श्री डी० पी० राय	. 18-7-78 से 28-2-79 'तक।				

2. का० तथा प्र० सु० विभाग के का० ज्ञापन सं० 12/1/74-सी० एस० (I) दिनांक 11-12-75 की शर्तों के ग्रनुसार ऊपरलिखित श्रिधकारी ह० 75 प्रित माह विशेष वेतन लेंगे।

दिनांक 31 जुलाई 1978

सं० ए० 12025 (II)/1/77-प्रणा० III— संघ लोक सेवा प्रायोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवगं के स्थायी सहायक श्री जी० नटराजन को जिन्हें संघ लोक सेवा प्रायोग की प्रधिसूचना सं० ए० 32014/1/78-प्रणा० III दिनांक 21 जुलाई, 1978 द्वारा तदर्थ ग्राधार पर प्रमुभाग प्रधिकारी के पव पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, पेद्वोलियम, केमिकल्स तथा फर्टिनाइजर मंद्रालय (पेट्रोलियम विभाग) में भ्रमुभाग श्रधिकारी के पद पर नामित कर दिये जाने के परिणामस्वरूप 31 जुलाई, 1978 के ग्रपराह्म से संघ लोक सेवा भ्रायोग के

कार्याक्स के मनुभाग भ्रधिकारी के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

> प्र० ना० मुखर्जी, ग्रवर सचिव (प्रशासन प्रभारी) संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 जुलाई 1978

सं० ए० 32013/2/77-प्रशा० I (ii)—ग्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा श्राकाशवाणी महानिदेशालय में सहायक योजना श्रधिकारी तथा संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में स्थानापन्न ग्रवर सचिव, श्री वी० एन० वैद्यनाथन को श्रधतन संशोधित संघ लोक सेवा श्रायोग (कर्मचारी वर्ग) नियमायली, 1958 के त्रिनियम 7 के साथ पठित विनियम 4 के परन्तुक के श्रधीन 17-7-1978 के पूर्वाह्न से 16-10-1978 तक, श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ श्राधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 21 जुलाई 1978

सं० ए० 12025/1/77-प्रशा० II—श्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा श्री प्रदीप मेहता को 7-7-1978 के पूर्वाह्म से श्रागामी ब्रादेशों तक संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में इंजीनियर के श्रस्थायी पद पर नियुक्त किया जाता है।

प्र० ना० मुखर्जी, श्रवर सचिव, **कृते** ग्रध्यक्ष रांघ लोक सेवा श्रायोग

गृह मंत्राजय

(कार्मिक तथा प्रणासनिक सुधार विभाग) केन्द्रीय अन्वषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 26 जुलाई 1978

सं० ए०-19021/10/78-प्रणा०-5—-राष्ट्रपति श्रपने प्रसाद से श्री डी० मुखर्जी, भारतीय पुलिस सेवा (1971-तिमलनाडु) को दिनांक 30-6-78 के पूर्वाह्म से ग्रगले ग्रावेश तक के लिए प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर सहायक पुलिस महानिरीक्षक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19021/11/78-प्रणा०-5---राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री पी० अनन्तसयनम् रेड्डी, भारतीय पुलिस सेवा (1968-आ० प्र०) को दिनांक 12-7-78 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति के आधार पर पुलिस अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

के० के० पुरी, उप-निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1978

सं० के०-17/74-प्रशासन-5—केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति की श्रवधि समाप्त हो जाने पर श्री के० के० बजाज, मुख्य तकनीकी ग्रधिकारी (लेखा एवं श्राय-कर), केन्द्रीय भन्वेषण ब्यूरो की सेवाएं दिनांक 26 जून, 1978 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड को वापस सौंप दी गई हैं।

दिनांक 31 जुलाई 1978

सं० बी० 5/74-प्रशासन-5—प्रत्यावतन हो जाने पर, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, ग्रहमदाबाद में प्रतिनियुक्त गुजरात राज्य पुलिस के ग्रधिकारी श्री बी० के० गिल, पुलिस उप-ग्रधीक्षक, की सेवाएं दिनांक 1-7-78 (पूर्वाह्न) से राज्य सरकार को वापस सौंपी जाली हैं।

 ग्रधिसूचना संख्या बी०-5/74-प्रशासन-5, दिनांक 14-7-78 को, एतदुद्वारा, रद्द किया जाता है।

दिनाक 1 ग्रगस्त 1978

सं० ए०-19036/9/78-प्रशासन-5—निर्देशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, तिमलनाडु राज्य से प्रतिनियुक्त निरीक्षक श्री एस० जे० सरगुनार को दिनांक 14-7-78 के पूर्वाह्न से अगले श्रादेश तक के लिए स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, मद्वास के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं 19036/14/78-प्रणासन-5-निदेशक, केन्द्रीय ग्रन्थे-षण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, श्री एम० पी० सिह, पुलिस निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 14-7-78 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो म अस्थायी रूप से स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में प्रोन्नत करते . हैं।

> महेन्द्र कुमार भ्रग्नवाल, प्रशासन भ्रधिकारी (लेखा)

नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1978

सं० ए०-31013/3/75-प्रशासन-1—राष्ट्रपति ग्रपने प्रसाद से डी० ए० एन० ग्राई० पुलिस से केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्त स्थानापन्न पुलिस ग्राधीक्षक श्री बद्री शर्मा को दिनांक 1-7-78 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में, स्थायी समाहृति हो जाने पर, मूल रूप से पुलिस ग्रधीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-31013/3/75-प्रशासन-1—राष्ट्रपति ग्रपने प्रसाद से केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना के निम्नलिखित स्थानापन्न पुलिस ग्रधीक्षको को दिनांक 1-7-78.

(पूर्वाह्न) से केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, निशेष पुलिस स्थापना में मूल रूप से पुलिस श्रधीक्षक नियुक्त करते हैं —

श्री राघुवेन्द्र नारायण सिन्हा श्री पी० एस० महादेवन श्री रेवेन्द्र नारायण सिन्हा

> जरनैल सिंह प्रशासन श्रधिकारी (स्था०)

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल नर्ध दिल्ली-110024, दिनांक 29 जुलाई 1978

सं० ई०-38013/3/1/78-कार्मिक—कलकत्ता को स्था-नान्तरण होने पर, श्री एन० के० खजुरिया ने 17 जून, 1978 के पूर्वाह्म से के० श्री० सु० व० यूनिट, डी० एस० पी० दुर्गापुर के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ विया।

सं० ई०-16013(1)/1/78-कार्मिक---प्रितिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर, श्री के० एल० दीवान, ग्राई० पी० एस० (हरियाणा-57) ने दिनांक 29 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० मुख्यालय में उप महानिरीक्षक (व्यवस्था तथा वि० व० नि०) के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-16014 (1)/18/73-कार्मिक—श्री वी० वी० सरदाना. भा० पु० से० (मणिपुर त्रिपुरा काङर), सहायक महानिरीक्षक (कार्मिक), के० ग्रौ० सु० व० मुख्यालय नई दिल्ली ने, भ्रपने राज्य काङर को प्रत्यावर्तित होने से पहले श्रयकाश पर जाने पर, 10 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्म से पद का कार्यभार छोड दिया।

> रा० च० गोपाल महानिरक्षक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लखा विभाग भारत के नियंत्रक तथा महालेखापरीक्षक का कार्यांक्य

नई दिल्ली, दिनांक ग्रगस्त, 1978

सं० 1, रा०स्था० 1/12 1-77 दिनांक 2-1-78—भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक ने भा० ले० तथा ले० प० सेवा के वरिष्ठ समय मान के श्रिधकारी श्री विजयकुमार को कृषि ग्रीर सिचाई मंत्रालय, सिचाई विभाग नई दिल्ली में उपस्विच का पद धारण करते हुए मू० नि० 30 (1) के द्वितीय परन्तुक के श्रधीन 20-12-1977 से श्रागे आदेश

मिलने तक भा० ले० तथा ले० प० के किनष्ठ प्राम्मसिनिक ग्रेड (वेतनमान 1500-60-1800-100-2000 रु०) में स्थानापन्न रूप में सहर्ष पदोन्नत किया है।

सं० 861-रा०स्था०-1/121-77 दिनांक 27-2-78—भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक भा० ले० तथा ले० प० सेवा के वरिष्ठ समयमान के श्रिधिकारी श्री पी० के ब्रह्म को रक्षा मंत्रालय (रक्षा विभाग) में उप सचिव का पद धारण करते हुए यू० नि० 30 (1) के द्वितीय परन्तुक के श्रधीन 20 जनवरी, 1978 से श्रागे आदेश मिलने तक भा० ले० तथा ले० प० सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (वेतनमान 1500-60-1800-100-2000 रु०) में स्थानापन्न रूप में सहर्ष पदोन्नत किया है।

सं० 929 रा० स्था० 1/एस०-121/पी० एफ० भाग-II, दिनांक 4-3-78----ग्रक्षिवार्षिकी ग्रायु हो जाने पर श्री जी० सी० गुक्ला दास, भा० ले० तथा ले० प० सेवा 28 फरवरी, 1978 (ग्रपराह्न) को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० 900 रा० स्था० 1/सी०-24/पी० एफ० भाग-JL, दिनांक 4-3-78—-श्रधिवार्षिकी श्रायु हो जाने पर श्री ई० वी० चन्द्रशेखरन, भा० ले० तथा ले० प० सेवा 28 फरवरी 1978 (ग्रपराह्म) को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० 1536 रा० स्था० 1/84-78 दिनांक 13-4-78— भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक ने भा० ले० तथा ले० प० सेवा के निम्नलिखित श्रिधकारियों को उनके नामों के सामने दिए गए पदों को धारण करते हुए मू० नि० 30 (1) के द्वितीय परन्तुक के श्रधीन, ग्रागे ग्रादेश मिलने तक, महालेखाकार स्तर-II ग्रेड (वेतनमान 2250-125/2-2500 रु०) में स्थानापन्न रूप में प्रत्येक के सामने दी गई तारीखों से सहर्ष पदोन्नत किया है।

श्री एस० जी० स्टीफन संयुक्त सचिव, 3-9-77
रक्षा मंत्रालय,
(रक्षा एवं श्रापूर्ति
विभाग),
नई दिल्ली ।

2. श्री के० एस० झिंगन वित्त निदेशक, 22-11-77 उत्तर प्रदेश जल निगम, लखनऊ।

सं० 1981-रा० स्था०-1/म्रार०-72/पी० एफ० भाग-II, दिनांक 9-5-78—स्थी वी० एन० रामराव, भा० ले० तथा ले०प० सेवा 30 मप्रैल, 1978 (श्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हो गए।

सं० 2788-रा० स्था०-1/ग्रार०-14/पी० एफ० भाग-V, दिनांक 29-6-78--श्री एम० रामास्वामी, भा०ले० तथा ले० प० सेवा का 18 नवम्बर, 1977 से उनका इंजीनियर्स इन्डिया लि० में लोक ब्रह्त में स्थायी रूप से विलय हो जाने के परिणाम-स्वरूप उन्हें केन्द्रीय सिविल सेवा (पेशन) नियमावली 1972 के नियम 37 के अनुसार उसी तारीख से सरकारी सेवा से नियृत्त हुआ मान लिया गया है।

सं० 2910-रा० स्था० 1/ग्रार० 20/पी० एफ० दिनांक 4-7-78—श्री जी० रामचन्द्रन, भा०ले० तथा ले० प० 30 जून, 1978 (ग्रपराह्म) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए। एम० एम० बी० ग्रन्नावी

सहायक नियंत्रक महालेखा परीक्षक

(कार्मिक)

कार्यालय महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1978

- 1. श्री जे॰ ग्रार॰ शर्मा (स्थायी लेखा ग्रधिकारी)
- 2. श्री जीवन्दा राम (स्थायी ग्रधिकारी ग्रौर स्थानापन्न लेखाधिकारी) ।

ह० अपठनीय वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रणासन)

कार्यालय महालेखाकार, महाराष्ट्र-1

बम्बई-400020, दिनांक 20 जुलाई 1978

सं० प्रशासन-1/भ्रालेषि ०/31-खण्ड 3/सी० 1 (1)/ 4---महालेखाकार महाराष्ट्र-1 बम्बई, भ्रधीनस्थ लेखा सेवा के निम्नलिखित सदस्यों को उनके नाम के सम्मुख निर्दिष्ट किये गये दिनांक से श्रागामी आदेश तक स्थानापन्न रूप से लेखा श्रधिकारी नियुक्त करते हैं:---

	ऋम नाम	Artin 1	दिनांक
	सं ० ————————————————————————————————————		
Ħ	1. श्री जे० रामम्ति	<u> </u>	4-7-78 (श्रपराह्न)
	2. श्री व्हि० ए० चावजी		23-6-78 (पूर्वाह्म)
	3. श्रीपी०पी०वाणी		19-6-78 (पूर्वाह्म)
	4. श्रीव्हि० के० जोशी		16-6-78 (पूर्वाह्म)
	5. श्री बाय्० वरद राव		16-6-78 (श्रपराह्म)
	6. श्री वाय्० बी० दीक्षित		26-6-78 (पूर्वाह्म)
	7. श्री बी० जी० तायडे		16-6-78 (पूर्वाह्म)
			भ्रार० कृष्णन कुट्टी
	वरि	_. च्ठ उ	पमहालेखाकार (प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय भ्रार्डनेन्स एवं श्रार्डनेन्स उपस्कर फैंक्टरियां कलकत्ता, दिनांक 24 जुलाई 1978

सं० 178/ए०/एम०—वार्धक्य निवृत्ति आ्रायु प्राप्त कर, निम्नलिखित चिकित्सा ग्रिधिकारीगण प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीख से, सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हुए —

- (1) श्री सी० एल० मैद्या, 1-1-1978 स्थायी सहायक चिकित्सा ग्रधिकारी, ग्रार्डनेन्स फैक्टरी, मुरादनगर ।
- (2) डा० एस० डी०, 30-4-1978 स्थायी सहायक चिकित्सा श्रधिकारी, श्रार्डनेन्स फैक्टरी, देहरादून।

पी० एनर्० तिखा क्षिगेडियर निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं **कृते** महानिदेशक, श्रार्डनैन्स फैक्टरियां

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महा नियंत्रक, नई दिल्ली, दिनांक 25 जुलाई 1978

सं० 40011(2)/78/प्रणा०-ए०---(1) वार्धक्य निवर्तन की ग्राय प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा श्रधिकारियों की प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के ग्रपराह्म से पेंशन स्थापना की भ्रन्तरित कर दिया गया/ जाएगा।

ऋम० सं०	नाम, रोस्टर संख्या सहित	ग्रेड	पेंशन स्थापना को ग्रन्तरण की तारीख	संगठन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
सर्व श्री 1. एच० एल (पी०/ 2. के० यज्ञरा (पी०/	45) मन,	. स्थायी लेखा ग्रधिकारी . स्थायी लेखा ग्रधिकारी		रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ। रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक, (निधि) मेरठ।

सर्वेश्री				(3)	(4)	(5)
		 _				
3. जी० डी० गोयल,	•	•	•	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	30-4-1978	रक्षा लेखा नियंत्रक
(पी०/207)						(श्रन्य रैंक) उत्तर, मेरठ
4. स्रो०पी०गुप्ता,	-	•	•	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	30-4-1978	रक्षा लेखा नियंत्रक
(পা॰/223)	,			~ ~ ~ ~		(भ्रन्थ रैंक) उत्तर, मेरठ
5. वी० ऋष्ण मूर्ति,	•	•	•	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-3-1978	रक्षा लेखा नियंत्रक
(पी॰/295)				^ <u> </u>		(श्रन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास
6. वी० राधाकृष्णन, (क्ष-1250)	•	•	•	स्थायी लेखा श्रधिकारी	30-4-1978	रक्षा लेखा नियंत्रक
(पी०/358)				स्थायी लेखा ग्राधिकारी	21 2 1070	दक्षिणी कमान, पूना
7. ग्रार० एल० कालरा (पी०/361)	•	•	•	स्याया लखा आधकारा	31-3-1978	रक्षा लेखा नियंत्रक
` ' '					2.2.4070	(फैक्ट्रीज) कलकत्ता। उध्या जिल्ला
8. एच० के० शर्मा, (गो०/5)	-	•	•	स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी	6-2-1978	रक्षा लेखा नियंतक
(মা॰/5)						पश्चिमी कमान, मेरठ
9. रामजी लाल भारद्वाज,	1	•	٠	स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	28-2-1978	रक्षा लेखा नियंत्रक (फ्रेंक्स्टीच) सम्बद्धाः
(ম্মা৹/133)				· → <u>^</u>		(फॅक्ट्रीजं), कलकत्ता।
0. श्राडमा राम चटर्जी, (स्पेर्-/ 172)	-	•	•	स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	30-4-1978	रक्षा लेखा नियंत्रक
(ग्रो०/173)				2 0 		(फॅक्ट्रीज), कलकत्ता
1. एस० वेंकट रामन,	•	•	•	स्थानापन्न लेखा भ्रधिकारी	31-3-1978	रक्षा लेखा नियंद्रक
(म्रो०/209)						(भ्रन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास
2. वाई० एन० चोपड़ा,	•	•	•	स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी		रक्षा लेखा नियंत्रक
(ग्रो०/272)						उत्तरी कमान, जम्मू-छावनी
3. ग्रादि नाथ चटर्जी,	•	•	•	स्थानापन्न लेखा मधिकारी	28-2-1978	रक्षा लेखा नियंत्र
(भ्रो०/277)						(फ्रैंक्ट्रीज), कलकत्ता
4. बी० एम० गवाईकर,	٠			स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	31-5-1978	रक्षा लेखा नियंक्ष
(म्रो०/283)						दक्षिणी कमान, पूना
 ग्रार० एल० सिन्नारकर 	į,			स्थानापन्न लेखा प्रधिकारी	31-5-1978	रक्षा लेखा नियंत्र
(भ्रो०/320)						(भ्रफसर), पूना ।

क्रम नाम रोस्टर संख्या सहित सं०	ग्रेड	निधन होने की तारीख	विभाग की नफरी से निकाले गये	संगठन	
सर्वे श्री			——————————————————————————————————————		
 यू० एस० ग्रानन्द, . (पी०/294) 	. स्थायी लेखा प्रधिकारी	20-2-1978	21-2-1978 (पूर्वाह्न)	रक्षा लेखा (फैंक्ट्रीज), कर	नियंत्रकः, कक्ताः ।
 एस० के० राय चौबरी, . (पी०/355) 	. स्थामी लेखा श्रधिकारी	24-2-1978	25-2-1978 (पूर्वाह्न)	रक्षा लेखा (वायु सेना), दे	नियंत्रक, इरादून ।
3. ए॰ सी॰ दत्ता . (पी॰/359)	. स्यायी लेखा म्रधिकारी	21-1-1978	22-1-1978 (पूर्वाह्न)	रक्षा लेखा पश्चिमी कमान,	नियंत्रक <i>,</i> मेरठ ।
4. जी० सी० अग्रवाल, (ग्रो०/67)	. स्थानापन्न लेखा प्रधिकारी	3-4-1978	4~4-1978 (पूर्वाह्न)	रक्षा लेखा पटना।	नियंत्रक,
5. एस० के० घोष, (पी०/192/1977)	. स्थायी लेखा ग्रधिकारी	25-12-1977	26-12-1977 (पूर्वा ह्न)	रक्षा लेखा (फैक्ट्रीज), कल	नियंत्रक, क्ता ।
6. जी• एल० चोपड़ा, (पी०/645/1977)	. स्थायी लेखा प्रधिकारी,	21-10-1977	22-10-1977 (पूर्वाह्न)	रक्षा लेखा पश्चिमी कमान,	नियंत्नक <i>,</i> मेरठ ।

3. श्री एच० एल० ग्ररोड़ा, स्थायी लेखा ग्रधिकारी (पी०/45) जो दिनांक 30-3-1978 (अपराह्म) को एफ० ग्रार०-56(ट) के प्रावधानों के ग्रन्तर्गत स्वेच्छा से सेवानिवृत्त हो गये, दिनांक 31 मार्च, 1978 से 26-9-1978 (ग्रपराह्म) (दोनों दिनों सिह्म) तक 180 दिन की प्रावधिक छट्टी मंजूर की गई है।

4. सेवा के लिए श्रनुपयुक्त घोषित किये जाने पर श्री एच० के० णर्मा, स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी (श्रो०/15) को दिनांक 6-2-1978 (श्रपराह्न) से सेवा निवृत्त कर दिया गया श्रीर पेंशन स्थापना को श्रन्तरित कर दिया*गया।

> ग्रार० वेंकट रत्नम, रक्षा लेखा उप महा नियंत्रक (कार्मिक)

उद्योग मंत्रालय (भ्रौक्षेगिक विकास विभाग) वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 27 जुलाई 1978

सं० ई० एस० टी० 1-2 (551)—वस्त्र श्रायुक्त कार्यालय बम्बई के सहायक निदेशक दिवतीय श्रेणी (पी ग्रीर डी) श्री महिपत सखाराम के सेवानिवृत्ति की ग्रायु प्राप्त कर लेने पर 30 जून 1978 के श्रपराह्म मे सेवानिवृत्त हो गये। जो चं० हाँसदाक, उपनिदेशक

> पूर्ति विभाग पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन श्रनुभाग-8)

नई दिल्ली, दिनांक 25 जुलाई 1978 सं० ए०-17011(120)/77-प्र०-6---राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा ग्रायोग की सिफारिशों परश्री बालुसानी सुधीर को दिनांक

31-1-78 से म्रागामी भ्रादेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा (ग्रुप ए) की धातुकर्म भाखा के ग्रेड-III में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री सुधीर ने दिनांक 31-1-78 के पूर्याह्न से निरीक्षण निदेशक (धातु) बर्नेपुर के श्रधीन उप निदेशक निरीक्षण (धातु), दुर्गापुर के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) का कार्यभार सम्भाल लिया ।

(प्रशासन अनुभाग-1) दिनांक 27 जुलाई 1978

सं० प्र०-1 /1(810)—-राष्ट्रपति पूर्ति तथा निपटान महा-निदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-III) श्री पी० एन० सोनी को दिनांक 20 मई, 1978 के पूर्वाह्म से श्रीर ग्रागामी ग्रावेशों के जारी होने तक इस महानिदेशालय, नई दिल्ली में तवर्थ ग्राधार पर उपनिदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए के ग्रेड II) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सूर्य प्रकाश, उपनिदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात श्रीर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 28 जुलाई 1978

सं० ए०-19012 (89)/77-स्था०--राष्ट्रपति, श्री एस० सी० नेमानी, सहायक ग्रनुसंधान ग्रधिकारी (ग्रयस्क प्रसाधन) को 11 जुलाई, 1978 के ग्रपराह्न से स्थानापन्न रूप में भारतीय खान ब्यूरो में सहायक ग्रयस्क प्रसाधन ग्रधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान की जाती है।

दिनांक 29 जुलाई 1978

सं० ए०-19012 (102)/77-स्था०—राष्ट्रपति, श्री एस० एम० शेंडें, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (श्रयस्क प्रसाधन) को 15 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में भारतीय खान ब्यूरो में सहायक ग्रयस्क प्रसाधन श्रधकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान की जाती है।

एस० बालगोपाल, कार्यालय ग्रध्यक्ष भारतीय खान व्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 24 जलाई 1978

सं० सी०-5395/707--(1) इस कार्यालय की भ्रधिसूचना संख्या सी० 5837/707 विनांक 5-7-1978 में श्रधिसूचित श्री एम० एम० जैन (क्रमांक 42) की पदोन्नति की तारीख को संशोधित किया जाता है। कृपया इसे 23 श्रप्रैल, 1978 (पूर्वाह्न) के बजाय 23 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न) पहें। (2) निम्निलिखित ग्रिधिकारियों को भाग्तीय सर्वेक्षण विभाग में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के बेसनमान में ग्रिधिकारी सर्वेक्षण (ग्रप 'बी') के पद पर तदर्थ ग्राधार पर पूर्णतया ग्रनित्सम रूप से प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है :—

क्रम सं०	नाम तथा पदन्।म	यूनिट/कार्यालय	नियुक्ति की तारीख
(1	(2)	(3)	(4)
1.	श्री के० एन० मथन्ना, सर्वेक्षण सहायक, सलेक्शन ग्रेड	. सं० 36 पार्टी (स० प्र० सं०) हैदराबाद	1 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
2.	्यी प्रेम चन्द शर्मा, ड्राक्टसमैन डिविजन 1, सलेक्शन ग्रे	. सं० 6 म्रा० का० (पूर्वीसर सिकल) देहरादून ड	28 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न)
3.	श्री के० ग्रनंथनारायण, सर्वेक्षक, सलेक्शन ग्रेड	. सं० 16 पार्टी (म० प्र० सं०) हैदराबाद	1 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
4.	श्री जे० के० देब, . ड्रापटसमैन िविजन 1, सलेक्शन ग्रे	. सं० 6 म्रा० का० (पूर्वोत्तर सर्किल) देहरादून ोड	28 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न)
5.	श्री के० एन० जी० के० पिल्ले, सर्वेक्षक सलेक्शन ग्रेड	. सं० 16 पार्टी (प्रा० मा० उ०) हैंदराबाद	1 मार्च, 1978 '(पूर्वाह्न)
6.	श्री एम० के० चेंगपा, सर्वेक्षक, सलेक्शन ग्रेंड	. सं० 47 पार्टी (स० प्र० सं०) हैंदराबाव	23 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
7.	श्री एस० एस० प्रधान, सर्वेक्षक सलेक्शन ग्रेड	. सं० 12 पार्टी (पूर्वोत्तर सर्किल) शिलांग	30 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
8.	श्री बी० एस० राजपूत, . सर्वेक्षक, सलेक्शन ग्रेड	. सं० 22 (फोटो) पार्टी (पूर्वोत्तर सर्किल) देहरादून	10 मार्चे, 1978 (पूर्वास्नु
9.	श्री के० के० शर्मा, सर्वेक्षक, सलेक्शन ग्रेड	. सं० 22 (फोटो) पार्टी (पूर्वोत्तर सर्किल) देहरादून	19 मई, 1970 (पूर्वाह्न)
10.	श्री के० एम० हूडा, सर्वेक्षक, सलेक्शन ग्रेड	. सं० 22 (फोटो) पार्टी (पूर्वोत्तर सकिल) देहरादून	28 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न)
11.	श्री श्रार० एल० गंगवाल, . सर्वेक्षक, सलेवगन ग्रेड	. मंऽ 81 पार्टी (पूर्वोत्तर सकिल) शिलांग	3 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
1 2.	श्री मत् क सिंह, सर्वेकक, सलेक्शन ग्रेड	. सं॰ 9 पार्टी (पूर्वोत्तर सर्किल) शिलांग	30 मार्च, 1978 (पूर्वान)
1 3.	श्री टी० एन० शर्मा, सर्वेक्षक, सलेक्शन ग्रेड	. सं० 47 पार्टी (स० प्र० सं०) हैदराबाद	1 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
14.	श्री पी० जी० पी० पश्चिकर . सर्वेक्षक, सलेक्णन ग्रेड	. सं० 53 पार्टी (प्रा० मा० उ०) हैदराबाद	1 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
1 5.	श्री एल० एस० शर्मा, सर्वेक्षक सलेक्शन ग्रेड	. र्स० 80 (फोटो) पार्टी (पूर्वोत्तर मिकल) शिलांग	30 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
	श्री एन० एम० पटेल . सर्वेक्षक, सलेक्शन ग्रेड	. सं० 36 पार्टी (स० प्र० सं०) हैदरावाद	1 मार्च 1978 (पूर्वाह्न)
	श्री एस० के० डी० चौधरी, . सर्वेक्षण, सहायक सलेक्शन ग्रेड	सं० 29 पार्टी (पूर्वोत्तर सकिल) शिलांग	25 फरवरो, 197 <i>६</i> (पूर्वाह्न
18.	श्री जगदीश कुमार, सर्वेक्षक, सलेक्शन ग्रेड	. सं० 59 पार्टी (द० म० स०) हैदराबाद	२० मार्च, 1978 (पूर्वाह्म)

(1)	(2)		(3)	(4)
19.	श्री ए० जी० जोशी, सर्वेक्षक, सलेक्शन ग्रेड		. सं० 50 पार्टी (प्रा० मा० उ०) हैदराबाद	1 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
20. \$	श्री टी० म्रार० कोठियाल, सर्वेक्षण सहायक, सलेक्शन		. सं० ६ म्रा० का० (पूर्वोत्तर सर्किल) देरादून	30 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
21. 8	श्री जी० एम० राय, सर्वेक्षण सहायक, सलेक्शन	ग्रेड	. सं० 80 (फोटो) पार्टी (पूर्वोत्तर सर्किल) शिलांग	3 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
22 5	श्री बी० के० माहनी, सर्वेक्षण, सलेक्शन ग्रेड	•	. सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान हैवराबाद	15 मई, 1978 (पूर्वाह्न)
				के० एल० खोसला मेजर-जनरल भारत के महासर्वेक्षक (नियुक्ति प्राधिकारी)

श्राकाशवाणी महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1978

सं० 4 (28)/75-एस०-1—भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयन हो जाने पर, श्री के०राममूर्ति, स्थानापन्न कार्यक्रम निष्पादक, विदेश प्रसारण सेवा प्रभाग, श्राकाशवाणी, नई दिल्ली ने विनांक 11-7-78 (श्रपराह्न) से कार्यभार छोड़ दिया है श्रीर यह माना जाएगा कि इसी तारोख से इन्होंने श्राकाशवाणी में कार्यक्रम निष्पादक के पव से इस्तीका दे दिया है।

> ए० के० बोस, प्रशासन उपनिदेशक कुले महानिदेशक

सिविल निर्माण स्कंध

नई दिल्ली-110001, दिनांक 16 जून 1978

सं० ए०-35018/2/78-सी० डब्ल्यू०-1—महानिदेशक, झाकाशवाणी, नई विल्ली, श्री एस० रामचन्द्रन, कनिष्ठ इंजीनियर (विद्युत) केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को, सिविल निर्माण स्कंध, झाकाशवाणी, बम्बई में, सहायक इंजीनियर (विद्युत) के पद पर रू० 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, दिनांक 26 श्रप्रैल, 1978 पूर्वाह्न से, प्रतिनियुक्ति पर, प्रथमत: एक वर्ष के लिए, नियुक्त करते हैं।

2. श्री रामचन्द्रन का घेतन श्रीर भक्ते वित्त मंत्रालय के का० का० सं० $10/24/$e^{\text{L}II}/60$, दिनांक4 म\$,1961, यथा संगोधित, नियमों के श्रनुसार विनियमित होगे ।

विनांक 19 जून 1978

सं० ए०-35017/1/75-सी० डब्ल्यू०- — महानिवेशक, ग्राकाशवाणी, नई दिल्ली, श्री सी० एन० भगत, मुख्य प्रारूपकार, थल सेना मुख्यालय, नई दिल्ली को, सिविल निर्माण स्कंध, ग्राकाश-2—20601/78 वाणी, नई दिल्ली में, सहायक बास्तुबिद के पद पर, रु० 650-30-740-35-810- द० रो०-880-40-1000-द० रो० 40-1200 के वेतनमान में, दिनांक 9 जून, 1978 पूर्वाह्म से, प्रतिनियुक्ति पर, प्रथमत: एक वर्ष के लिए, नियुक्त करते हैं।

2. श्री भगत का वेतन श्रौर भत्ते वित्त मंत्रालय के का० ज्ञा० सं० 10/24/ई० III/60 दिनांक 4 मई, 1961, यथा संगोधित, नियमों के श्रनुसार विनियमित होंगे।

बचन सिह, -ग्रपर मुख्य इंजीनियर (सिविल) के इंजीनियरी अधिकारी **हते** महानिवेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, विनांक 26 जुलाई, 1978

सं० ए०-12026/7/77 (एन० टी० म्राई०) प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री पी० पलानी स्वामी को 11 जुलाई, 1978 पूर्वाह्न से भ्रागामी भ्रादेशों तक राष्ट्रीय क्षय रोग संस्थान, बंगलौर में कनिष्ठ जीवाणु विज्ञानी के पद पर सदर्थ भ्राधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० -12026/15/77-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री विवेक चन्द्र शर्मा को 22 जून, 1978 पूर्वाह्न से ग्रागामी धादेशों तक सफदरजंग श्रस्पताल, नई दिल्ली में हिन्दी अधिकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-12026/15/77/प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री डी० कृष्ण पणिकर को 11 जुलाई, 1978 पूर्वाह्न से ग्रागामी श्रादेशों तक श्रीखल भारतीय भौतिक विकित्सा एवं पुनर्वास संस्थान, बम्बई में हिन्दी श्रीधकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

शामलाल कुठियाला, उप निवेशक प्रशासन (सं० वप०)

भारतीय डाक-तार विभाग

कार्यालय, महाप्रबन्धक, मद्रास टेलीफोन मद्रास-600001, दिनांक 26 जुलाई, 1978

सं० ए० एस०टी०/ए०म्रो०-5/VIII——महाप्रबन्धक, मद्रास टेलीफोन जिला, निम्नलिखित कनिष्ठ लेखा ग्रधिकारियों को उनके नाम के श्रागे उल्लिखित श्रवधि के लिए, स्थानीय प्रबन्धक के रूप में, लेखा ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

ऋ० नाम	तारीख
सं०	में तक
 श्री एस० ग्रार० दोरैस्वामी 	13-12-77 30-3-78 (ग्रपराह्न) (पूर्वाह्न)
 श्री भार० सीतारामन 	2-5-78 1-7-78 (अपराह्म) (अपरा ह्म)

सं० ए०एस०टी०/ए०ई०-5/IV—निम्नलिखित कनिष्ठ इंजी-नियर, जो स्थानीय प्रबन्ध के रूप में मद्रास टेलीफोन जिले में, स्थाना-पन्न सहायक इंजीनियर के पद पर काम कर रहे थे, श्रपने नाम के श्रागे उल्लिखित तारीख से श्रपने पूर्व पद पर परावर्तित किये जाते हैं।

ऋ० नाम	पूर्व पद पर परावर्तन
सं०	की तारीख
1. श्री के० जी० सुन्वरेसन	1-2-78 श्रपराह्न
2. श्री भ्रार० संपत	20-2-78 भ्रपराह्य
 श्री बी० एस० रामस्वामी 	10-3-78 अपराह्म
4, श्री बी० एस० नागराजन	2 1- 1- 7 8 भ्रपराह्म

सं० ए० एस० टी०/डी० ई०-5—महाप्रबन्धक, मद्रास टेली-फोनस जिला, निम्निलिखित सहायक इंजीनियरों को उनके नाम के भ्रागे उल्लिखित भ्रविध के लिए, स्थानीय प्रबन्ध के रूप में, स्थाना-पक्ष मंडल इंजीनियर नियुक्त करते हैं।

ऋ० नाम	पद्मोन्नति की तारीख		
सं०	•		
सर्वे श्री			
1. झार० वैद्यनादन	8-2-7 ३ प ०		
2. पी० मार्तर जेसुदास	1-5-78 স ০		
 टी० एन० जनार्दनन 	20-5-78 স্ব০		
4. एस० सुन्वरम	23-5-78 駅 。		
5. के० श्रीनिवासन	5- ६- 78 प ०		
	ह० ग्रपठनीय		
	सहायक महाप्रबन्धक (प्रशासन)		

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय ग्रामीण विकास विभाग

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1978

सं०ए०-19025/96/78प्र-तृ०--संघ लोक सेवा म्रायोग की संस्तुतियों के म्राधार पर श्री एम० वी० एस० नारायना (मूर्यी को इस निवेशालय में गन्टूर में दिनांक 12 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्म) से अगले आदेशों तक स्थानापन्न सहायक विपणन श्रधिकारी (वर्ग-I) नियुक्त किया गया है।

> बी० एल० मनीहार, प्रशासन निदेशक कृते कृषि विपणन ससाहकार

परमाणु ऊजी विभाग

क्रय स्रौर भण्डार निवेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 29 जुलाई 1978

सं० ऋ० भ० नि०/ 2/1 (1)/77/प्रशासन/19861—इस निदेशालय की समसंख्यक ग्रिधिसूचना दिनाक 10 मई, 1978 के तारतम्य में, निदेशक ऋय ग्रौर भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, इस निदेशालय के मुख्य भंडारी श्री वजीर चन्द को स्थानापन्न सहायक भंडार ग्रिधिकारी के पद पर, इसी निदेशालय में ग्रिथिम समय 30 सितम्बर, 1978 ग्रथवा ग्रियम ग्रादेश जो भी पहले हो तक, तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

> बी० जी० कुलकर्णी, सहायक कार्मिक श्रधिकारी

बम्बई-400001, दिनाँक 29 जुलाई, 1978

सं० ऋ० भ० नि०/40/1/77-प्रशासन/ — निदेशक, ऋय और भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, निम्नेलिखित ग्रस्थाई सहायक लेखा ऋधिकारी पद पर रु० 650-30-740-35-880 द० रो०-40-960 के वेतन ऋम में, इसी निदेशालय में 15 जुलाई, 1978 पूर्वाह्म से श्रगले आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

- श्री ए० मैस्करैन्स
- श्री पी० बी० मौहम्मद

के० पी० जोसफ, प्रशासन श्रधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 27 जुलाई 1978

सं० प० खा० प्र०-1/8/78-प्रशासन—परमाणु, ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा डा० पी० नरसिम्हा मूर्ती को उसी प्रभाग में 17 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्न से लेकर स्रागामी स्रादेश होने तक स्थानापन्न रूप से सहायक सर्जन नियुक्त करते हैं। एस० रगंनाथन,

वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा श्रधिकारी

भ्रान्सरिक्ष विभाग सिविल इंजीनियरी प्रभाग अंगलौर-560025, दिनांक 1978

सं० 10/3/(39)/78-सि० इं० प्र० (एच०)—- अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य स्रभियन्ता लोक् निर्माण विभाग, लिभिलनाडु के सहायक इंजीनियर श्री के ० षडमुगम को अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग मे प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न रूप में इंजीनियर एस०बी० के पद पर दिनांक 7 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्न से श्रागामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 जुलाई, 1978

सं० 10/5/ (33)/77-सि० इं० प्र० (एच०)—- ग्रन्तिरक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य ग्रिभयन्ता श्री एम० एल० पी० थ्यागाराजन, पर्यवेक्षक को इसी प्रभाग में इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थानापन्त रूप में दिनांक 1 जुलाई, 1976 से श्रागामी ग्रादेश तक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 जुलाई 1978

सं० 10/2 (8)/78-सि० इं० प्र० (एच०)—-श्रन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य ग्रिभियन्ता लोक निर्माण विभाग, तिमलनाडु के सहायक इंजीनियर श्री पी० एस० सुन्वर राज को ग्रन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग, श्रीहरि-कोटा को प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्त रूप में इंजीनियर एस० बी० के पद पर विनांक 7 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्न से श्रागामी ग्रावेश तक नियुक्त करते हैं ।

> पी० स्नाई० यू० नम्बियार, प्रशासन श्रधिकारी-II कृते मुख्य ग्रभियन्ता

भारतीय श्रन्तरिक्ष ग्रनुसंधान संगठन

श्चन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

भ्रहमदाबाद-380053, दिनाक 21 जुलाई 1978

स० ग्रं० उ० के०/स्था०/टेस्क/42/78—श्रन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के निदेशक ने श्री श्रशोक श्रपसिंगीकर को इंजीनियर एस० बी० के पद पर ग्रस्थायी रूप में श्रन्तरिक्ष विभाग, भारतीय श्रन्तरिक्ष ग्रनुसंधान संगठन के श्रन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र में 13 फरवरी, 1978 पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेश तक नियुक्त किया है।

दिनाक 24 जुलाई 1978

सं० ग्रं० उ० के० /स्था०/टेस्क/ 46—श्रन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के निदेशक ने श्री निकेतनकुमार विनोदचन्द्र शाह को इंजीनियर एस० बी० के पद पर ग्रस्थायी रूप में ग्रन्तरिक्ष विभाग, भारतीय ग्रन्तरिक्ष ग्रनुसंधान संगठन के श्रन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र में 10 अप्रैल, 1978 पूर्वाह्न से 31 ग्रगस्त, 1979 तक की ग्रवधि के लिए नियुक्त किया है।

> एस॰ जी० नायर, प्रधान, कार्मिक श्रौर सामान्य प्रशासन

पर्यटन भ्रौर नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 26 जुलाई 1978

स० ए०-32014/3/78-ई०-1—वेधशालाम्त्रों के महानिदेशक नीचे-लिखे ध्यायसायिक सहायकों को उनके नामों के सामने वी गई तारीखों से मागामी मावेश तक सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते है:—

ऋ० सं o	नाम		कार्यालय जिस में तैनास किए गए नी
(1)	(2)	(3)	(4)
1. श्रीबी	० सी० सेन	5-6-78	निदेशक, प्रादेशिक केन्द्र, कलफत्ता के श्रन्तर्गत मौसम केन्द्र, गोहाटी,
2 श्रीए	• के ० हंसद्या	31-5-78	निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कल- कत्ता के श्रन्तर्गत मौसम कार्यालय, मोहनबाड़ी

दिनांक 27 जुलाई, 1978.

सं० ई० (1)04214—निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास भारत मौसम विज्ञान विभाग, के श्रन्तर्गत मौसम केन्द्र, त्निवेन्द्रम में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी, श्री एम० सी० चाको, निवर्तन) की श्रायु पर पहुंचने पर 30 जून, 1978 के श्रपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० ई० (1)04262—निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता, भारत मौसम विज्ञान विभाग के श्रन्तर्गत मौसम केन्द्र, गोहाटी में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी श्री बी० बी० राय 31 मई, 1978 के श्रपराह्म में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० ए०-33014/2/78-ई० 1—-िषनांक 3 जून, 1978 की समसंख्यक ग्रंधिसूचना में कम सख्या 3 के सामने कालम 3 में लिखी तारीख 18-4-1978 को 19-4-1978 समझा जाए।

विनांक 1 भ्रगस्त, 1978

सं० ६० (1) 06413---वेधणालाश्रों के महानिदेशक, बेध-शालाश्रों के उप-महानिदेशक (जलवायु विज्ञान), पुणे के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री ए० के० सेन को भारत मौसम सेवा, ग्रुप-बी० (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रप-बी०) में सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर स्थानापन्न रूप में 3 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्न से श्रागामी ग्रावेश तक नियुक्त करते हैं।

श्री सेन को वेधशालाग्रों के उपमहानिदेशक (पूर्वनुमान) पुणे के कार्यालय में तैनात किया जाता है।

> गृष्टमुखराम गुप्ता, मौसम विज्ञानी कृते वेधशालास्त्रों के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1978

सं० ए-31016/2/78-ई० एस०---महानिदेशक नागर विमानन ने श्री के० पी० चक्रवर्ती को दिनांक 20-7-78 से नागर विमानन विभाग में प्रशासनिक श्रिधकारी के ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सुरजीतलाल खंडपुर, सहायक निदेशक प्रणासन

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहतिलय

सं० 4/78—केन्द्रीय उत्पादन गुल्क के निम्नलिखित निरीक्षकों का ग्रगले श्रादेश होने तक, स्थानापन्न रूप से श्रधीक्षक (ग्रुप बी) के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में नियुक्त किया गया है। उनके कार्य ग्रहण के स्थान श्रौर कार्यभार संभालने की तारीख निम्न प्रकार है।

ग्रधिकारी का नाम	नियुक्त स्थान कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
<u> </u>	
(1) वी०पी०नमचिवायम	मदुरै मुख्यालय 12-5-78
(2) एम० एन० श्रीनिवासन	सीमा शुल्क डिविजन
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	मदुरै 12-5-78
(3) के० गोपाल कृष्णन	मदुरै मुख्यालय 16-6-78
(4) एस० मोहमद निजार	तिरु च्चि रापल्लि हवाई भ्रह्जा 16-5-78
(5) सैयद यूसुफ हुसैन	डालमीयापुरम एम० भो० भार ० तिरुच्चिरापल्लि 10-7-78
(6) एम० भ्रार० भ्रलगिरि-	
स्वामी	शिवकाशी एम० * श्रो० ग्रार०-I 5-6-78
(7) एस० विन्शन्ट	सीमा शुल्क प्री- वेण्टिव ग्रुप तूसुकुडी 17-6-78
(৪) पी०ए०मोणि	तूत्तुकुडी 17-6-78 तिरुत्तुरै पूण्डी (शि॰ पी॰)नागै॰ डिन॰ 10-7-78
(9) ए० जी० जोसप	शिवकाशी एम०

सं० 5/78—केन्द्रीय उत्पाद-शुरुक समाहर्तालय, मद्रास के कार्यालय प्रधीक्षक श्री बी० नटराजन को प्रगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से प्रशासनिक ग्रधिकारी (ग्रुप बी) के पद पर इ० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-

भ्रो० भ्रार**ः**-II

10-7-78

द॰ रो॰-40-1200 के वेतन मान पर नागपटनम सिन्धा मुल्क डिविजन में तारीख 27-4-78 से नियुक्त किया गया है।

> एम० एस० सुन्नमण्यम, समाहर्ता

केन्द्रीय जल श्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 24 जुलाई 1978

सं० ए-19012/268/76-प्रशा० पांच — प्रिधसूचना सं० ए-19012/629/76-प्रशा० पांच, दिनांक 31 दिसम्बर, 1977 के अनुक्रम में श्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग श्री एस०ग्रार०शर्मा की केन्द्रीय जल श्रायोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक (प्रकाशन) के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०=35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णत्या श्रस्थायी श्राधार पर दिनांक 11-6-1978 से 20-8-1978 तक की श्रगली अवधि के लिए श्रथवा सहायक निदेशक (प्रकाशन) के पद को नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाते हैं।

जे० के० साहा, ग्रवर सचिव केन्द्रीय जल श्रायोग

निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

सं० 33/1/77-ई सी-9 (भाग-4)—िनर्माण महानिदेशक, के० लो० नि० वि० संघ लोक सेवा आयोग द्वारा कुमारी बी० डी० चौधरी की केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये (तथा सामान्य भत्ते) के वेतनमान में 650/- रुपये प्रतिमास वेतन पर सामान्य भत्ते पर 29-4-1978 (पूर्वाह्म) से सहायक वास्तुक के अस्थायी पद पर (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप बी) नियुक्त करते हैं।

(2) कुमारी चौधरी 29-4-78 (पूर्वाह्म) से दो वर्ष की भ्रवधि के लिए परिवीक्षा पर रखे जाते हैं।

> कृष्ण कान्त, प्रशासन उपनिदेशक

रेल मंक्षालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 28 जुलाई 1978

सं० 78/प्रार० ई०/161/1—रेलवे लाइनों ग्रीर परिसरों का उपयोग करने वाले सभी व्यक्तियों के सामान्य सूचनार्थ एतद्वारा प्रधिसूचित किया जाता है कि निम्निलखित खंडों में जिन चरणों पर निर्माण कार्य हो रहा है, 15-6-1978 को या उसके बाद से णिरोपरि कर्षण तारों में 2.2 के बी एसी बिजली प्रवाहित कर दी जायेगी:—

विराला से विजयवाडा:-

संरचना सं० कि० मी० 341/31/32 से 429/37-38

*

तंक

श्रीर

विजयवाडा यार्ड के कि० मी० 583/23-24 से 581/1

उक्त तारीख को और उसके बाद णिरोपरि कर्षण तारों को हर समय बिजली युक्त समझा जाना चाहिए और किसी भी अनिध-कृत व्यक्ति को उनके निकट नहीं स्नाना चाहिए और न ही उनके निकट कोई कार्य करना चाहिए।

> पी॰ एन॰ मोहिले, सचिव, रेलवे बोर्ड

चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना

चितरंजन, दिनांक 29 जुलाई 1978

सं० जी० एम० ए०/जी० एस०/8(एक।उन्ट्स)---श्री बी० एम० दास, स्थानापन्न प्रवर लेखा ग्रिधिकारी (वित्त-व्यय), चित्त-रंजन रेल इंजन कारखाना को इस प्रशासन के लेखा विभाग के संवर्ग में सहायक लेखा ग्रिधिकारी के पद पर व्वितीय श्रेणी की सेवा में तारीख 26-4-78(पूर्वाह्म) से स्थायी किया जाता है।

के० रमन, महाप्रबन्धक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनीलॉबोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पती ग्रधिनियम 1956 ग्रौर सुप्रीम चिट फंड एण्ड ट्रेड प्राईवेट लिमिटेड (समापन में) के विषय में

नई विल्ली, दिनांक 25 जुलाई 1978

सं० लिक्व०/3378/13412—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनसरण में एतव्हारा सूचना दी जाती है कि सुप्रीम चिट फंड एण्ड ट्रेड प्राईवेट लिमिटेड (समापन में) का नाम ग्राज रिजस्टर से काट विया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

पी० एस० माथुर, सहायक रजिस्ट्रार ग्राफ कम्पनीज दिल्ली एवं हरियाणा कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रीर राजा एण्ड एबेनेजर प्राईवेट लिमिटेड के विषय में मदास, दिनांक 25 जुलाई 1978

सं० 5761/560(3)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनसरण में एतदहारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर राजा एण्ड एबेनेजर प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिश्त न किया गया तो रस्जिटर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

के० पञ्चापकेशन, कम्पितयों के सहायक रिजस्ट्रार मद्रास

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर इन्डियन कोमर्स एंड इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में कलकत्ता, दिनांक 29 जुलाई 1978

सं० 8814/560(5)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एसद्द्वारा सूचना दी जाती है कि इन्डियन को मर्स एन्ड इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 ग्रौर चटर्जी एण्ड चक्रबर्ती पेपर लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 29 जुलाई 1978

सं० 9588/560(5)—कम्पनी श्रिधिनयम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि चटर्जी एण्ड चक्रबर्ती पेपर लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 श्रौर पी० एन० एम० कनस्ट्रक्शन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 29 जुलाई 1978

सं० 22022/560(5)—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्बारा सूचना दी जाती है कि पी० एन० एम० कनस्ट्रक्शन प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटिस हो गई है।

> एस० सी० नाथ, कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगास

प्ररूप घाई∙ टी० एन० एस०-

आयकर ग्रिप्तिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के ग्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1

शिलांग,दिनांक 17 जून, 78

निर्देश सं० ए० 187/ शि०/78-79/ 2006-08 :— श्रतः मुझे एगबर्ट सिंग आयक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ के प्रधीम सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्रत बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० पता सं० 129 होलंडिंग सं० 88 है तथा जो कुईन्टोन रोड शिलांग में स्थित हैं, (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय शिलांग में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18/11/77

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के वृत्त्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया गया है ।——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

गतः ग्रवः अस्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— (1) श्रीमती बन्दना राय चौधुरी स्वारिगए रनिधिर राय चौधुरी, का पत्नी, कुईन्टोन रोड, शिलांग । फिलहाल का पता केरश्राफ शिभेन्दु भत्ताचारजी नई कालोनी, हाई स्कूल का उल्टा, शिलोंग ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री मदन गोपाल पोड्डार , स्वारिगए एन० सी० पोड्डार का पुत्र, पोलिस बजार क्विलोंग । (ग्रन्तरिती)
- (3) श्री प्रफुल्ला पुरकचास्थ, कुईन्टान रोड शिलांग, (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की शवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शवधि, जो भी शवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों भीर पर्दो का, जो उक्त प्रधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में विया गया है।

अमुसूखी

जमीन के परिमाप 2795 वर्गफुट 4 मकान सिह्त जो कुईन्टोन रोज णिलांग में घालया में स्थित है।

> एगबर्ट सिंग स**क्षम धाद्यका**री स**हायक भायक^र आयुक्त (निरीक्षण**) भर्जन रेंज शिलोंग

तारीखाः 17-6-78

प्ररूप झाई • टी • एन • एस •——— आयकर झिंबिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के झिंबीन सूचना

भारत सरकार कार्यात्रय, सङ्घायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

> म्रर्जन रेज धारवाड़ का कार्यालय धारवाड़, दिनांक 16 जून, 1978

निर्देश ससं० 216/78-79/ए० सी० क्यू०:—यतः, मुझे डि०सी० राजगोपालन

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269खं के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 173/6, 173/10 श्रीर 174/1 है, जो गुरीम बाडां, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सालिसिट श्रंडर डाकुमेंट नं० 1508/77-78 तारीख 29-11-1977 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) है के श्रधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रिष्तिकल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मधिक है और भन्तरक (मन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रिष्ठित्रयम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविज्ञा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

द्धतः सब, उस्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के जनुसूरण में, में, उस्त ब्रांबिनियम को घारा 269-थ की उपधारा (1) के ब्रांबिन निम्मिसिस व्यक्तियों, ब्रांबिस्ट (1) डा॰ लूडस देस संतोस श्रलवरिस श्रौर श्रौरत मेरिया अन्नाकल्रा सियामिलिया करोलिना डि॰ सनताना गोडिनै श्रलवरेस, निवासी मरगेवा।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्री जगन्नात वत्ताराम नखेनखर
 - 2 श्री पेडरो परान्सीसको नरोन्हा
 - श्री गुरवास दरमा बोरकर निवासी मरगंवा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिसरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रयं होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति है, जो गूरीम वाडो / 8 मकान स्रौर एक चरच स्रौर नारियल का खेता। माप का भाग 19,500 सं०मी० सखे नं० 173/6, 173/10 स्रौर 174/1।

> डी० सी० राजगोपालन सक्षम प्राधिकारी,

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण).

म्रर्जन रेंज धारवाङ्

तारीख : 16-6-1978

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज

अमृतसर, दिनांक 30 मई, 1978

निदेश नं० जीएसपी/16/78-79 :---यसः, मुझे एस० के० गोयल

ग्रायकर भ्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिविनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भ्रिवीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/• रु० से भ्रिषिक है

स्रौर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो जी० टी० रोड एवं. तारागढ़ रोड में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुरदासपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है घीर प्रन्तरिक (अन्तरकों) घीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के शिष ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय भाग-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स भिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सन, उक्त भविनियम, की घारा 269-व के प्रमुसरव म, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्मजिखित व्यक्तियों, अर्थात् ा— (1) श्री वेद व्यास एवं लालचन्द पुत्नश्री हेमराज िवासी धीनानगर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री देवराज पुत्र श्री युविष्टर एवं श्रीमती कान्ता कुमारी पत्नी श्री राज कुमार, जालन्धर

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर श्रंकित है श्रोर यदि कोई किरायेदार हो (बह व्यक्ति, जिसके ग्रंधिभोग में सम्पत्ति हो)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में घिच रखता हो (यह व्यक्ति, जिनके बारे में ध्रधोहस्काक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में घर्जन के लिए कार्येवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की घनिष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचमा की तामील से 30 दिन की धनिष्ठ, जो भी घनिष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा घष्ठोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्षिण्यः इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिवियम, के शब्दाय 20-क्ष में परिकाषित है, वही अर्थ होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि माप 2 के० 10 एम० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 4629 नवम्बर, 1977 में रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी, गुरदासपुर में लिखा है।

> एस० के० गोयल सक्षम प्राधिकारी, सहायक <mark>ग्राय</mark>कर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, ग्रमुससर

तारीख: 30-5-1978

प्रकप भाई • टी • एन • एस •----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269 घ (1) के **ग्रधीन सूचना** भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक धायकर मायुक्त (निरीक्षण**)

श्रज्न रेंज

अमृतसर, दिनांक 29 जून, 1978

निदेश नं० बीं०टी०एल/24/78-79: — यतः, मुझे एस० के० गोयल, ग्राई० ग्रार० एस० आयकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से ग्राधिक है,

श्रीर जिसकी सं० नं० म०बी० XXI-149 है, तथा जो मोहल्ला सेखरियान बटाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बाणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय,बटाला में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1977 को

ताराख नवस्वर, 1977 का
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल
के लिये प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृष्यमान
प्रतिफल से ऐसे बृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से भविक है
और भन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर मन्तरिति (भन्तरितियों) के बीय
ऐसे प्रन्तरण के निये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त भन्तरण बिखित में वास्तयिक इप से कथित नहीं किया
गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की वावत उक्त ग्रधि-नियम के मधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त मधिनियम, या घन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती कमला रानी, विधवा डाक्टर गुज्जरमल सेखरी, मोहल्ला, सेखरियान, बटाला

(अन्तरक)

(2) श्री बल्देव कृष्ण ग्रोम प्रकाण, एवं लक्ष्मी नारायण पुत्रगण श्री सीरी कृष्ण, निवासी बटाला

(म्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर ग्रंकित है ग्रौर यदि कोई किरायेदार हो । (वह व्यक्ति जिसके, ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में झधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्नोहस्ताक्षरी के पास जिक्कित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों मौर पदों का, जो उक्त मधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्णे होगा,जो उस मध्याय में दिया नया है।

अमुसूची

म० नं० बी० -21-149, मोहल्ला सेखरियान, बटाला, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 4298 नगम्बर, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, बटाला में लिखा है।

> एस० के० गोयल सक्षम प्राधिकारी,

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख : 29-6-1978

मोहर :

3-206GI/78

प्रक्प माई∙ टी• एन• एस•—

शानकर श्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269¶(1) के श्रष्टीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रामुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज,

श्रमृतसर, दिनांक 11 जुलाई, 1978

निदेश नं ०ए०एस०म्प्रार/25/78-79 :---यतः, मुझे एस० के० गोयल

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 30 है, तथा जो मजीठा रोड, गोपालनगर, श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय शहर श्रमृतरसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत अधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से चक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है-—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधितियम के भधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या प्रन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या घन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना माहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत : ग्रब, उक्त मिश्रिनियम की धारा 269 ग के भ्रमुसरण में, मैं, उक्त पश्चिनियम की घारा 269 म की उपवारा (1) के प्रधीन, निम्निविचित व्यक्तियों भ्रमत्:--- (1) श्रीमती दुर्गा देवी विधवा सुलक्खन सिंह ऋँगॄतसर 76-सी०, लोरंस रोड

(ग्रन्सरक)

(2) सर्वश्री गुलसन कुमार, परवीप मारक, इन्दरजीत पुत्रगण श्री प्यारा लाल, निवासी बाजार गोरी गंज श्रमुक्षसर ।

(श्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर कमांक 2 पर श्रंकित है श्रीर यदि कोई किरायेवार हो । (वह श्र्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई मी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षितियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भयं होगा, जो उस भध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

38 मजीठा रोड, गोपालनगर ध्रमृतसर जैसा कि कि रजि-स्ट्रीकृत विलेख संख्या 2501 नवम्बर, 1977 में रजिस्ट्रीकर्त्ता ध्रिधकारी, शहर ध्रमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख : 11-7-1978

प्रकप धाई•टी•एन•एस•---

मामकर व्यविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यासय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 11 जुलाई 1978

निदेश नं० ए० एस० आर/26/78-79 :—यतः मुझे, ए० के० गोयल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ४० से प्रधिक है

ग्नौर जिसकी सं० मकान नं० 2414, 2424/12 34/5111 कालीपड़पर नं० 36/511 है, तथा जो कल्याण सिंह मार्ग अमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, णहर ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रष्ठिक है भीर प्रस्तरक (ग्रन्तरकों) भीर प्रस्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त धिनियम, के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधां के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घ्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिखिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रम, उक्त ग्राधिनियम की घारा 269-प के ग्रमुसरण में, मैं, उक्त ग्राधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के ग्रधीन निभ्नालिखत व्यक्तियों, ग्रमीत्:—

- (1) श्री पालाराम पुत्र श्री रामभज, श्रमृतसंर, श्रन्दर हाकी गेट। (श्रन्तरक)
- (2) सर्वश्री दलजीत सिंह, हरजीत सिंह, गुरजीत सिंह, पुत्रगण श्री प्रीतम सिंह, निवासी 154 कटरा मोतीराम, श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर श्रंकित है श्रौर यदि कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्यब्बीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिवियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूचो

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 2557 नवम्बर, 1977 में रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी शहर श्रमृतसर् में लिखा है।

> एस० के० गोयल स**क्षम प्राधिकारी,** सहायक **ग्राय**कर **ग्रायुक्त (निरीक्षण),** ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीखा : 11-7-1978

प्ररूप माई० टी० एत० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज

भावकर भवन, प्लाट नं० 31 शिव'जी नगर पूना-5 पूना-5, दिनांक 19 जून, 1978

निवेश सं० सी ए 5 |वाई | फेब्रु० 78 | 360 — यतः, मुझे, श्रीमती पी० सलवानी, प्राप्तकर प्रकितियम 1961 (1961 का 43) (जिसे क्या

स्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० फायनल प्लाट नं० 470, पांचगणी ता० थाई है, तथा जो पांचगणी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कि कार्यालय, वाई में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10-2-78 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है भौर प्रन्तरिक (अस्तरिको) भौर प्रन्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिश्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत 'उक्त मित्रियम' के ममीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धारा श्रम, उनत प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उकत प्रधिनियम, की धारा 269 म की अपक्षारा (1) के प्रधीन निम्निणियत व्यक्तियों, अर्थातृ:---

- (1) श्री वारा रशीद खंबाटा, 4, बंड गार्डन रोड, पूर्नी-1। (भ्रन्तरक)
- (2) 1. श्री मेहेरजाद के० ग्रखत्यार खावरी
 - 2. श्रीमती ताराबाई गंगाराम कांबले
 - 3. श्री सतीश नानालाल धारिया
 - श्री ग्रब्दुल्ला श्राब्वासशाई अनीवाला पांचगणी, ता० बाई ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब ब
 िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पक्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम' के श्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्य होगा, जो उस शब्याय में विया गया है।

अनुसूची

खुली जगह भौर उसके ऊपर की इमारत, फायनल प्लाट नं० ऋ० 470, टी० पी० स्कीम नं० III जो पांचगणी ता० बाई में स्थित है)।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 360 दि नांक 10-2-78 को सब रजिस्ट्रार वाई के दफ्तर में लिखा है।)

श्रीमती पी० ललवानी सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायक्षर ग्रा**युक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 19-6-78

प्ररूप ग्राई॰ टी • एन॰ एस • ----

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के <mark>ग्रमीन स्</mark>पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्क)

श्रर्जन रेंज, भावकर भवन, प्लाट नं० 31, शिवाजी नगर पूना-5 पूना-5, दिनांक 19 जून 1978

निदेश सं० सीए5/वाई०/फेबु० 78/361—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललघानी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारच है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्म 25,000/- सक् से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फायनल प्लाट कें 473, पांचगणी, तां वाई है तथा जो पांचगणी में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद ग्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, वाई में, रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 10-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल

कृष्यमान प्रात्मिल सं, एस वृष्यमान प्रात्मिल का पन्द्रह प्रतिशत सं प्रधिक है पीर प्रस्तरक (प्रान्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है: --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या अन्य ग्राहित्यों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिश्तिन्यम, 1923 (1922 का 11) या उक्त ग्रिशिन्यम, या धन-कर ग्रिशिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

धतः अब, उस्त भिधिनियम की धारा 269 में धनुसरण में, मैं, उस्त अधिनियम की धारा 269 में की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—

- (1) श्री दारा रशीद खंबाटा, 4, बंड गार्डन, पूना-1। (ग्रन्तरक)
- (2) 1. श्री भ्रमीन म्रार० मेहेरणाही
 - 2. श्री गंगाराम पांडुरंग कांबले
 - 3. श्रीमती श्राणालता नानालाल धारिया
 - 4. श्री भ्रमीन भ्रब्दुल्ला ऊनीवाला, पांचगणी, ता० वाई । (भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सन्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-- 🕸

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 दिन की प्रविध, जो शी
 धवि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में ते किसी स्थक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत में प्रकाबन की तारीख ते 45 विश्व के मीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हितवदः किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोइस्ताकारी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पचितकरण २--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त बिश्वनियम', के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही बर्च होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह भीर उसके ऊपर की इमारत फायनल प्लाट नं 473, टी०पी० स्कीम नं -III, पांचगणी, ता० वाई। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 361 दिनांक 10-2-78 को सब रजिस्ट्रार बाई के दफ्तरमें लिखा है।)

> श्रीमती पी० ललवाणी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 19-6-78

प्ररूप प्रार्क टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोचीन-16, दिनांक 22-6-78

निदेश सं० एल० सी० 193/78-79—यतः मुझे, पी० श्रो० जोर्ज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें को पश्चात् 'उन्त मिमियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से मधिक है

श्रीर जिसकी सं श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो एरणाकुलम विलेज में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 21-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर यह कि मन्तरक (अन्तरको) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिश्चित्यम के ग्राग्नीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

चतः सब, उन्त समिनियम की धारा 269-म के प्रतृसरण में, मैं, 'उन्त समिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रयातः :---

- (1) धार० नारायण श्रय्यर
- (भ्रन्तरक)

- (2) चेल्लम्माल
- (1) मात्यु एन० तोमस (2) तोमस जोन (3) तोमस जार्ज (4) तोमस मुलू (5) जार्ज म्नलकजेंडर (म्नन्तरिती)
- एसोसिएटिङ एनिपनीयरिंग कोरपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड (बहुव्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- कोच्चिन कार्पोरेशन (बह व्यक्ति जिसके बारे अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यहसूचना जारीकरकेपूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>भर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी अपक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी भ्रान्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमे प्रयुक्त शम्दों भीर पदों का, जो झायकर ग्रधिनियम के भध्याय 20-क में परिचाधित है, वहीं धर्ष होगा जो उस भध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

Land and buildings CC. Nos. XXXVIII/971, 972 and 1003 of Ernakulam village vide Schedule to document No. 2991/1977.

पी० ग्नो० जोर्ज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण, ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 22-6-1978

प्रकप आई० टी० एन० एस०----

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 22 जून 1978

निदेश सं० एल० सी०-200/78-79---यतः मुझे, पी० ग्रो० जोर्ज

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो पिन्नयनकरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चालपुरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 9-11-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यवापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमाम प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रहप्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भौर प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की वावत उच्चत ग्रीवित्यम के ग्रीवित कर देते के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; भौर/या
- (ख) एसी किसी प्राम या किसी धन या घन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269थ की उपघारा (1) के प्रधीन, निम्निशिधित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- पनकर कोमा (2) ए० एन० झहम्मद कोमा (3) (ए० एन० मम्मू कोमा (4) ए० एन० मोमिदीन कोमा (श्रन्तरक)
- 2. श्री बी॰ परी

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रवंत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में द्वितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पाकीकरण: --इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिवित्यम के ब्रह्माय 20-क में परिभावित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भ्रष्याय में दिया गया है।

अनस्ची

4.59 acres of coconut garden in sy. Nos. 65/3, 62/1, 60/4, 56/1A, 2 in Panniankara Omsom desom in Calicut.

पी० झो० जोर्ज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 22-6-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

सायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहावक भायकर भायका (निरीक्रण)

म्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, विनांक 11 जुलाई 1978

निदेश सं० एल० सी० 209/78-79--यतः **मुझे, पी० घ्रो०** जोर्ज

स्नायकर श्रिष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'स्वत श्रिष्टिनियम' कहा गया है), की श्रारा 269-ख के श्रिष्टीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं श्रमुस्ची के श्रमुसार है, जो कसबा विलेज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुस्ची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, कोषिकोड में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 14-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिवों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य के उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है।——

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के धन्नीन कर देने के अक्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविज्ञा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या घन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्षे प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में तुषिधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त अधिनियम की बारा 269-न के भनुसरक में, में, उक्त ग्रिधिनियम की बारा 269-च की क्यबारा (1) के ग्रजीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षीत्:--- 1. श्रीमती कुन्जुलक्ष्मी श्रम्मा

(अन्त्र्रेक)

 श्रीमती पूबत इक्राई, बी० कुन्जाबदुल्ला कुडिपुराता कन्डी श्रबदुरहिमान, के० के० कादर

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्थि :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शिक्तियम, के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, वहीं शर्य होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

3/4th right over 12 cents of land and 2 bldgs. in R. Sy. No. 19.3.64/1 as per schedule to Document No. 613/77 of SRO Koshikod.

पी० म्रो० जोर्ज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 11-7-1978

मोहरः

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

म्रायकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

<mark>श्रर्जन रें</mark>ज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 12 जुलाई 1978

निदेश सं० एल० सी० 205/78-79—यतः मुझे, पी० ग्रो० जोर्ज

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं श्रमुस्ची के श्रमुसार है, जो तलमुन्टा विलेज में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रमुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय उपाल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 15-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथारूवोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :---4-206GI/78 1. श्री कृष्णन नेमप्तिरी

(भ्रन्तरक)

2. श्रब्दुलकादर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की नामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2.24 acres of land with buildings in Sy. No. 265/4 in Thalamunda Amsom vide document No. 2938/77 dated 15-11-1977.

पी० स्रो० जोर्ज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

ता**रीख**ः 12-7-1978

मोहरः

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस०--

भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 जुलाई 1978

निदेश सं० 40-वी०/ग्रर्जन—ग्रत मुझे, ग्रमर सिंह बिसेन आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— कि से मधिक है

श्रौर जिसकी से प्लाट न 3 है तथा जो नवल किशोर रोड, लखनऊ में स्थित है (श्रौर इससे उपावद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यान्य, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15-11-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है, भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पेड़ह प्रतिशत से भक्तिक है भौर भ्रस्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितयों) के बीच ऐसे भ्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अवित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी घाय की वाबत, उक्त धिरियम, के धावीन कर देने के घन्तरफ के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (आ) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठनियम, या धन-कर भ्रिष्ठनियम, या धन-कर भ्रिष्ठनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की द्यारा 269-ज की जपधारा (1) ग्रजीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रजीत् :--- 1. श्री भ्राजाद भ्रहमद खाँ

(भ्रन्तरक)

2. (1) श्री राज बहादुर मेहता (2) विजयकृष्ण मेहता (3) ग्रशोक मेहता (4) श्रीमती चिन्ना मेहता (5) श्रीमती राधा मेहता (6) श्रीमती नीरा मेहता ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओंप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्तिद्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रव्छी करण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उन्त ग्रिशियम के ग्रद्याय 20-क में परिभाषित है वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रह्याय में दिया गया है।

ग्रमुची

एक किला प्लाट नं० 3 जिसका क्षेत्रफल 8715 वर्ग-फीट है। जो कि नवल किशोर रोड, लखनऊ में स्थित है।

> श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 13-7-78

श्राक्षप भाई० टी० एन० एस०———— आयकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष(1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 13 जून 1978

निदेश सं० 111-270/ग्रर्जन/78-79/234—ग्रतः, मुझे,
मुरारी नन्द तीवारी
भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य
25,000/- ६० से भ्रधिक है

प्रौर जिसकी सं० टाउन प्लान-प्लाट सं० 1244 एवं 1231 मु० वार्ड नं० VIII हैं, तथा जो देवघर, जिला संथाल प्रगना (बिहार) में स्थित है (ग्रौर इस उपलब्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार ग्राफ ऐसोरेन्स, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908

(1908 का 16) के श्रधीन विनांक 17-11-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक अप से कवित नहीं किया गया है:--

- (क) घन्तरण से हुई लिसी धाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रविनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ण की उपघारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित स्थिक्तियों, अर्थात्:— श्रीमती कीसनी देवी सुरेका, जे० 172, एन० मुखर्जी रोड़, सालकीयां, हावड़ा ।

(भ्रन्तरक)

 ठाकुर दास सुरेका चैरेटी ट्रस्ट फण्ड, 172, जे० एन० मुखर्जी रोड़, सालकीयां, हाबड़ा,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखासे 45 दिन की प्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में
 हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रह्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रह्याय में दिया गया है।

भनुसूची

जमीन का रक्षवा— (1) 17 कटठा 4 धुर जमीन में दो पक्का मकान एवं कुछ और ढांचा बना हुआ जो शहरी प्लान प्लौट सं० 1244, हो० न० 148 एवं (2) 1 विघा 1 कट्ठा 14 धुर जमीन में इटका कच्चा ढांचा तैयार जो सहरी प्लान सं० 1231, जो उपरोक्त दोनों जायदाद वार्ड नं० VIII देवघर नगर निगम में स्थित हैं। जिसका पूर्ण विवरण दस्तावेज सं० I-5211 में पूर्ण विणित है।

मुरारी नन्द तीवारी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजंन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक: 13 जून 1978

प्रारूप माई० टी० एन० एस०-

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 श्रप्रैल 1978

निर्देश सं० श्राय० ए० सी०/ग्रर्जन/66/78-79—-यत:, मुझे, ह० च० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिशिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है

स्नौर जिसकी सं० मकान नं० 62, वार्ड नं० 65, स० नं० 23 है तथा जो कामठी रोड़, नागपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्नौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 2-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एम्द्रह प्रतिशत से मधिक है भौर भन्तरिक (भन्तरिक) भौर (भन्तरिती) (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उनत भन्तरण लिखत में वास्तिक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त भिन्नियम के भग्नीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भग्य भारितयों को, (जन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत भिधिनियम, मा धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः श्रव, उन्त श्रिष्ठितियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त श्रीष्ठितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अश्रीन निम्नलिखित अ्यन्तियों, प्रशीत् :~~ श्री एल० सी० डी० ग्रार० एनाईल जोशी 247,
 सेंट ग्रन्टानी रोड़, चेंबूर, बाम्बे-71।

(ग्रन्सरक)

2. फाँदर श्रसंको डीसोजा, चेयरमैन पीलॉर निकेतन सोसायटी, भारत टाकीज के पास, कामठी रोड़, नागपुर।

(ब्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त संपत्ति के श्रजंन के संबंध में कोई भी श्राक्षीप :→-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के शब्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं शर्य होगा जो उस अब्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मकान नं० 62, वार्ड नं० 65, सर्कल नं० 23, पूरा एरिया 1203 स्केश्रर मीटर, कामठी रोड़, नागपुर ।

> ह० च० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक: 20 श्रप्रैल, 1978

मोहरः

प्ररूप भाई । टी । एन । एस । ---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 22 म्रप्रैल 1978

निर्देश सं० म्राय० ए० सी०/म्रर्जन/67/78-79—यतः मुझे ह० च० श्रीवास्तव आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी संव प्लाट नव 14, वार्ड नंव 13, म्युव प्लाट नंव 643-ए/232 है तथा जो धरमपेठ ले-श्राउट, नागपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 16-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाकार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिष्ठितयम के ग्रिष्ठीम कर देंने के ग्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी फिसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मक्, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के मनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों सर्थात् :— (1) पी० ग्रार० विजयालक्ष्मी,14, उत्तर ग्रम्बाझरी मार्ग,नागपुर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० व्ही० स्वामीनाथन, विजय निवास, रामदासपेठ, नागपुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के भ्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रिधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किय जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसम प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के शब्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 14, बार्ड नं० 13, म्युनिसिपल प्लाट नं० 643-ए/ 232 धरमपेठ ले-ग्राउट, उत्तर ग्रम्बाझरी मार्ग, नागपुर ।

> ह० च० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, नागपुर

विनाकः : 22 ग्रप्रैल, 1978

भोहर:

प्रकप माई० टी० एन० एस०--

ग्रायकर घषिनियम्, 1961 (1961का 43) की धारा 269व (1) के घषीन सूचना भारत तरकार

कार्यालय, सङ्घायक प्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, नागपुर नागपुर, दिनांक 19 जून 1978

निर्वेश सं० श्राय० ए० सी०/ग्रर्जन/71/78-79—यतः मुझे, ह० च० श्रीवास्तव

नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट न० 285 का श्राधा भाग, वार्ड नं० 23 तथा जो सलनामी नगर, नागपुर में स्थित हैं) श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 16) के श्रधीन दिनांक 17-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्टिनियम, 1'922 (1922 का 11) या उक्त भिष्टिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः धंव उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-य के धनुन्तरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों मर्थात्:— (1) सौ० णकुन्तला रानी स्रोमप्रकाश गुप्ता वार्ड नं० 23, नागपुर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री खुशालचन्द मगलचंद रांका, श्री प्रकाशचन्द मगलचंद रांका, गांधीबाग, नागपुर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रूपक्टीकरचः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिन्नियम के श्रद्भ्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं भर्ष होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 285 का भ्राधा भाग दो मंजली मकान, वार्ड नं० 23, सतनामी नगर, नागपुर ।

> हु० च० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्रजन रेंज, नागपुर

दिनांक: 19 जून, 1978

प्रकप भाई • टी • एन • एस • -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 भ (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजीन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 19 जून 1978

निर्देश सं० ग्राय० ए० सी०/ग्रर्जन/72/78-79— यतः मुझे, ह० च० श्रीनास्तव ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु॰ से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 285 का श्राधा भाग, वार्ड नं० 23 है तथा जो सतनामी नगर, नागपुर में स्थित हैं) श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम,1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1977

को पूर्चोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है धौर घन्तरक (घन्तरकों) धौर अन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण निखित में बास्तविक कप से किखत नहीं किया गया है :---

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त धिंतियम के धिंतिन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घम्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निस्तिविधित व्यक्तियों, अर्थौत्:---

- (1) सौ॰ शकुन्तला रानी भ्रोमप्रकाश गुप्ता (भ्रन्तरक)
- (2) 1. सी० निलम देवी गलाबचन्द रांका, 2. श्री कस्तूरचन्द मंगलचन्द रांका, गांधीक्षाग, नागपुर । (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी खासे से 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्म होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अमुसूची

मकान नं० 285 का स्राधा भाग, दो मंजली मकान, वार्ड नं० 23, सतनामी नगर, नागपुर।

> ह० च० श्रीवास्तव सक्षम ग्रिष्ठकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, नागपुर

विनांक : 19 जून, 1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एम०----

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के भाधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 मई, 1978

निदेश सं० 14/नव०/77—यतः, मुझे, ए० टी० गोविन्दन प्रायकर अधिनियम, 1961(1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह थिएवास करने का कारण है कि स्पावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र• में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं नत्तम रोड, दिन्डुक्कल है, जो में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नागलनायक्कमपट्टी (पत्न सं ० 1306/77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 6 नवम्बर 77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निविव उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाग की गागत, उक्त प्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किनी श्राय या किसी घन या भन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर श्रणिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विषया जाना चाहिए था, छिपाने में भृविधा के लिए;

मतः प्रव, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त यधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) मदुरा कोटस लिमिटेड

(श्रन्तरक)

(2) मीनाच्ची एस्टेट

(भ्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वब्हीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विन्दुक्कल, नत्तम रो। टी एस॰ सं॰ 71, 72, 73/1, 77/2, 1877 थ्रीर 1878/2 में 8.19 एकड़ा की भूमि (मकान के साथ)।

ए० टी० गोविन्दन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-^I, मद्रास

दिनांक: 20 मई, 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

ग्रायकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2699 (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 जून 1978

निदेश सं० 25/नवम्बर/77—यत, मुझे, ए० टी० गोविन्दन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से प्रधिक है श्रौर जिस की सं० 34, 35, 36, रट्टन वाजार, मद्रास I है, जो

में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार० I, मद्रास नार्थ 'डाकुमेण्ट 3236/77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16 के ग्रधीन दिनांक 15-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक हम से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ण भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भाषः धन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपधास (1) के सम्रीत निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातुः—

- (1) श्री एस० एम० ए० सैयद मोहम्मद बुहारि (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सिनि हम्जा बीवि श्री इस्मायिल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचनाजारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सर्वध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसम प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के घट्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं धर्य होगा, जो उस ध्रध्याय में विया भया है।

अनुसूची

मद्रास-1, रट्टन बाजार, डोर सं० 34, 35 ग्रीर 36 म भूमि ग्रीर मकान

> ए० टी० गोविन्दन सक्षम प्राधिकारी सह्यक भ्रायकर <mark>प्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेज-I मद्रास

दिनांक 14 जून 1978 मोहर प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रामकर यायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 मई 1978

निदेश सं० 1373ए/म्रर्जन /मु० नगर/77-78/560---म्रतः मुझे पी० भार्गव,

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

स्रौर जिस की सं० अनुसुची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मु० नगर मे, रजिस्ट्रीब करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 3-11-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीय कर देने के अध्यरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में मुविधा के लिए; भौर/बा
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट तहीं किया गया था; या किया जाना वाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम को धारा 269-ग के श्रनु-सरण में मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-श की उपवास (1) केश्रधीन निक्नलिखित श्रमितवीं, शर्यांत्:— (1) श्री स्रोम प्रकाश दत्तक पुत्न मीरीमल वैश नि^क 24-ए नई मंडी मुजफ्फर नगर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जगबीर सिंह, महेन्द्र सिंह राज कुमार एवं राजवीर सिंह पुत्रगण, रणधीर सिंह कालूराम पुत्र खजान सिंह, हरवीर सिंह एवं रामकुमार पुत्रगण कालूराम नि० ग० ग्राम हरसौली पोस्ट खास परगना वघरा त० एवं जिला मुजफ्फरनगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना प्रारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मर्जन के जिएकार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि पा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति म हिताबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरण:--इसमें प्रयुक्त मध्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिष्ठ-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रांथें होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति श्रहाता 1859 वर्गगज स्थित साउट भोपा रोड तहसील एवं जिला मुजपफरनगर 66,000) के विक्रय मूल्य में बेची गई।

> स्रार० पी० भार्गव सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, कानपुर

दिनांक 4 मई 1978 मोहर:

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (J) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 मई 1978

निदेश नं० 1561ए/म्रर्जन/देदून/7778/1045---यतः, मुझे ग्रार० पी० भागेव,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रधीन राक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है श्रौर जिस की सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 14-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसं दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व भें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या भ्रनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, भवः, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के भनु-सरण में मैं, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री तिलक राज कपूर मो० लाला राजपत राय दुर्गियाना श्रावादी अमृतसर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राकेश चन्द में हरा 18-वी रेस कोर्स रोड ग्रमृतसर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त प्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति भूमि एव विल्डिंग कनाट कैंसिल होटल मसूरी 1,51,000) के विकय मूल्य में वेची गई।

> ग्रार० पी० भार्गव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 30 मई 1978 मोहर:

प्रकप भाई। टी। एन। एस।

ब्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जून 1978

निदेश स० 1433ए/म्रर्जन/मु० नगर/7778/1105— म्रतः मुझे म्रार० पी० भार्गव

श्रायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत श्रिष्ठितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये मे अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मुजफ्फनगर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 7-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल सा पन्द्रह प्रतिशत से श्रीयक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप म कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्नरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अप्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :-- (1) श्री श्रोम प्रकाश दलक पुत्र मीरीमल, 24-बी, रूई मंडी मुजफ्फरनगर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती गायत्री देवी पत्नी श्री ग्यानी राम, नई मंडी, मुजफ्फरनगर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीश्व से
 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्जीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सन्यत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रक्षितियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा जो उस प्रष्ट्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

भूमि 5350 वर्ग गज स्थित ग्राम कुकरा, जिला मुजफ्फरनगर 80,000 रु॰ के विकथ मूल्य बेची गई।

ग्रार० पी० भार्गव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीखा: 3 जून 1978

प्ररूप माई• टी• एन• एस•---

मायकर मिनिवम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (1) के मिनि सूचना

मारत सरकार

भार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 6 जून 1978

निदेश नं० 1463ए/ग्रर्जन/मु० नगर/77-78/1567— ग्रतः मुझे, श्रार० पी० भागेंव,

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु० से ग्राधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 14-11-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और मन्तरिक (मन्तरकों) मौर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बोच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से हिण्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अबने में सुविधा के लिए; और/या
- (बा) ऐसी किसी भाय या किसी धन या घन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधित्यम, या धनकर श्रिधित्यम, 1957 (1957 का 27) क अधोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, िष्ठपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त मधिनियम का धारा 269-ग के समुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः-- (1) श्री सहेन्द्र पाल सिंह पुत्र प्रकाश, नि० ग्राम दितयाना, पोस्ट खास, जिला मुजफ्फरनगर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरला देवी पत्नी सुरेन्द्रपाल सिंह, श्रीमती सुरेश बाला पत्नी कृष्णपाल सिंह, नि० ग्राम दितयाना, पोस्ट खास, जिला मुजफ्फरनगर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की धविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि
 बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पादिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षित्यम के भव्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही भर्ष होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

चमुसू ची

कृषि भूमि, 6 बीघा एवं 7 विस्वा स्थित ग्राम दितयाना, जिला मुजपफरनगर 47625 रु० के विकय मूल्य में बेची गई। ग्रार० पी० भागव

> सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख 6 जून 1978 मोहर: प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन, कानपुर

कानपुर, दिनाक 1 जुलाई 1978

निदेश स० भ्रर्जन/1541-ए/मु० नगर/77-78/2007---श्रत. मुझे ग्रार० पी० भार्गव म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' ऋहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हे कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है ग्रौर जिसकी स० ग्रनुसूची के ग्रनुसार है तथा जो ग्रनुसूची के श्रनुसार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं'), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के मुजफ्फरनगर मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-11-77 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत धिषक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर धन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त मन्तरण लिखित में

> (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रश्वीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या

वास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया ै :---

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्त्रियों को, जिम्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-य के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम, को घारा 269-य को उपधारा (1) ग्रिधीन, निम्निसित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- श्रीमती सत्या भागव स्त्री डा० सूरज भान निर्मिशी
 271, सिविल लाइन नार्वर्न जि० मुजफ्फर नगर।
 (ग्रन्तरक)
- 2 श्री रवीन्द्र कुमार, ग्रानिल कुमार, प्रवीन कुमार, बिपिन कुमार व श्रतुल कुमार (ना० बा०) सरक्षिका श्रीमती सरला देवी मा पुवान कैलाश चन्द निवासी बाघरा, वर्तमान 36, घर कालेराम, जिल: मुजफ्फरनगर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारा करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की भावधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदों का, ओ उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

अमुसूची

श्रवल सम्पत्ति भूमि व भवन 695.80 व० ग० स्थित कालापार खास जी० टी० रोड के पास जिला मुजफ्फर नगर 69,140 रु० में बेची गई।

> ग्रार० पी० भार्गव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, कानपुर

तारीख . 1-7-78 मोहर: प्रकार प्राई० टी० एन० ए४० -----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालम, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 जुलाई 1978

निदेश सं० 1653-ए/प्रजनि/मेरट/77-78/2102----श्रतः मुझे एस० एन० गुप्ता,

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का क्रारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उनित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में अगैर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफन का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (मन्तरकां) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उपत भिष्ठित्यम के भाषीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कमो करा या उपसे जिने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या प्रन्य ग्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा या सा किया माना चाहिए था, छिपाने में भुविक्षा के लिए;

जतः जब, उन्त भिविनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, में, उन्त अधिनियम की बारा 269-व की उपदारा (1) के अबीन. निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्

- 1. श्री सरदार निरलाप सिंह पुत्र सरदार गुलाव सिंह निवासी ए०-6 जवाहर कवार्टर्स मेरठ शहर। (ग्रन्तरक)
- श्री डाक्टर मतवीर मिंह ढिल्लन एण्ड मंस पुत मीर मिंह निवासी छिपी टैक्स मेरठ (श्रन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारो कर</mark>के पूर्वोक्त सम्माति के भर्जेत के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ता अरी क पास लिखिन में किए जा तकीं।

स्पटिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रक्षि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही सर्थ अगर नो उस पश्यात में दिया गया है।

भ्रमुसुबो

श्रचल सम्पत्ति प्लाट 701 वर्गगज स्थित सिविल लाइन्स मेरठ, 770000/- के विकय मूल्य में बेचा गया।

> एल० एन० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) (भ्रर्जन रेंज), कानपुर

तारीख: 21-7-78

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एत॰—— गायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ग्रारा 269व (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कलकला

कलकत्ता-16, दिनांक 29 मई 1978

निदेश सं० एस० एल०-447/टि०ग्रार०-186/सि०-171/ कल०-I/77-78---श्रतः मुझे, पि० पि० सिंह, आमकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के भ्रज्ञीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० 3-ए० है तथा जो रीयन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, 5, Govt. Place, North Calcutta में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 26-11-77 की पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये मन्तरित की गई है भीर मुझे बद्ध विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रक्षिफल के पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्त श्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी याय की बाबत उक्त श्रिकः नियम, के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिबे था, छिपाने में सुविधा के लिए:

श्रतः श्रवः, उक्त श्रधितियम की घारा 269-ग के बनुसरण में में, उक्त श्रधितियम की घारा 269 म की उपधारा (1) के ध्रधीन निम्मधिषित व्यक्तियों, प्रचित् :--

- 1. श्री हीरा लाल राय चौधरी डि 59/1 बी॰ महिँगुह-गन्ज सीवपुरा भारानसी (श्रन्तरक)
- श्रीमती बसन्ती, महिन्दर 93, बिमला स्ट्रीट, कलकत्ता (श्रन्तरिती)
- 3. (1) डीन ब्रादर्स
 - (2) महम्मद श्रली (वह व्यक्ति, जिसके श्रधि-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वक्टोकरण:--इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

ग्रन्सूची

रजिस्ट्रोकर्ता, रजिस्ट्रार ग्राफ एसुरेन्स कलकता का कार्यालय में 1977 साल का डीड I-5345 ग्रनुसार 3 ए० रिपन स्ट्रीट, कलकत्ता में ग्रवस्थिति लगभग 9 कट्टा 11 छटाक जमीन पर एक तल्ला मकान का ग्रभिवक्त हिस्सा रजिस्ट्री हुन्ना।

> पी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I 54, रफी ग्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 29-5-78

ाप प्र**क्षण कार्य के** शिव एनवः एस ०---

बायकर प्रश्निमियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) घर्णन रेंज, एमकुमिग्नन

कलकसा, विनांक 29 मई 1978

निदेश सं० एस. एल० 448/हि० ग्रार०-187(सि०-172/कल०-I/77-78 ग्रतः मुझे, पी० पी० सिंह अग्रेयकर ग्राविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'इसके प्राविक्त प्रविनियम, कहा ग्रेमा है), की घारा 269-ख 'के अवीन' संसम प्रीविकारी को 'यह विश्वास करने का कारण है 'कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृख्य 25,000/- द० से मिक है

ंग्रीर जिसकी संख्या 3ए० है तथा जो रीयन स्ट्रीट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, 5,गवर्नमेट ग्रेस नार्थ कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 26-11-77

कोः पूर्वोक्त सम्मिति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान असिक्त के किये, प्रस्तित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अस्वापूर्वोक्त सम्मित्त का उपित बाजार मृत्य, उसके बृश्यमान प्रतिकल का पग्द्रह प्रतिक्त से प्रधिक है भीर प्रग्तरक (प्रग्तरकों) और प्रग्तरित (प्रग्तरित्ति) के बीच ऐसे प्रग्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रग्तरण लिखित में वाक्त विक कप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण में हुई किसी भाय की बावत उक्त भ्रष्ठि-नियम नके भ्रष्ठीन कर-देने के भ्रमन्तरक के वायित्य भें कभी करने था उससे वंचने भें भ्रष्ठिया के लिये स्थीर∳या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अध्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922का 11), या उक्त भिष्ठिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थं भारतिनिकारा प्रकट नहीं किया गया था, या शिक्या-कार्ग-वाहिए बा, छिपाने में सुविधा के निए;

गतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ंध की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत्:— 6—206⊙1/78

- 1. श्री हीरा लाल राय चौधरी डि० 59/1 बि० महा-मुरगन्ज, सीवपुरा भारानसी (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मुलनी महिन्दर, 93, सि॰ (ग्रन्सरिती)
- 3. (1) मैंसर्स डीन ब्रादर्स
 - (2) महम्भद श्रली (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।

को यह*ें* सूचनाँ जारी करके पूर्वींक्त[ं]सम्पत्ति के बर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की भावधिया तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामीम से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी भन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किएंजा सकेंगे।

े स्पेक्टीशंरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षित्यम के श्रष्टयाय 20-क में परिमाणित है, वहीं भर्ष होंगा, जो उस भड़्याय में दिया े गया है।

अनुसूची

्रजिस्ट्रीकर्ता, रजिस्ट्रार श्राफ इन्थ्योरेंस कलकत्ता का कार्यालय में डीड नं० 1-5346 श्रनुसार उस रीयन स्ट्रीट, कलकत्ता में ग्रवस्थित लगभग 9 कट्टा 11 छटाक जमीन पर एक तल्ला मकान का श्रभिवक्त हिस्सा रजिस्ट्री हुग्ना।

> पी० पी० सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, 54, रफीग्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

सारीख: 29-5-78

प्ररूप माई० टी॰ एन० एस०--

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज 4, कलकसा

कलकता, दिनांक 27 जुलाई 1978

निवेश सं० एस०-19/ग्रर्जन रेंज-IV/कलकत्ता/78-79— अतः मुझे, पी० पी० सिह भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहां गया है), की चारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मून्य, 25,000/- ६० से ग्रिधिक है

स्रीर जिसकी संख्या है तथा जो होर्ल्डिंग सं० 98, बार्ड-V सिलिगुडि में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकरी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रोर प्रन्तरक (प्रम्तरकों) प्रोर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तब पाया गवा प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक कुछ से कथित नहीं किया गवा है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बायत उका खिल-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी क्षम या धम्य धास्तियों को, जिम्हें भारतीय धायकर धिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिवनियम या धन-कर धिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धम्परिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिये।

ग्रतः ग्रब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की घारा 269-थ की जपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जात्।—— 1. श्री पियारीलाल प्रागरवाल, एण्ड कम्पनी (जन्तरक)

2. श्री बिजलाल श्रगरवाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उस्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी व से 4.5 दिन की भवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20क में यथा-परिभाषित हैं, बही शर्ष होगा, जो उस शब्दाय में विया गया है।

अनुसूची

1000 स्वयवेयर कि॰ जमीन, साथ दो मंजीला मकान का ग्राविभाजित 1/3 ग्रांश होल्डो सं॰ 98, वार्ड-V, सिलिगुडि म्युनिपलिटी, दार्जिलिंग, जैसे कि दलील सं॰ 6417 दि॰ 19-11-1977 में भीर पूर्ण रुप से वर्णित हैं।

पी० पी० सिह्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर न्नायुक्त (निरीक्षण)
न्नर्जन रेज-IV कलकत्ता
54, रफीग्रहमद किदवई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख: 27-6-1978

प्रकृप आई० टी० एत० एस०-----

भायकर बर्बिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, IV, कलकत्ता

कलकत्ता तारीख 7 जुलाई 1978

निदेश सं० ए०सी०-20/एक्वा०/ग्रार०-IV/कल०/78-79---ग्रतः मुक्तें, पि० पि० सिंह

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 175/डब्ल्यू० है तथा जो मानिकतला मेन रोड, कल०-54 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सियालदह में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 19-11-1977 को । पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरित (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण विखित में वास्तिक कप से क्यित गड़ी किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिंचिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिंचियम, या धनकर घाँच-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः मन, उन्त मिमिनयम की बारा 269ग के मनुसरण में। में, उन्त मिमिनयम की धारा 269व की उपधारा (1) के मधीन; निम्ननिवित व्यक्तियों ग्रवात्:--

- (1) मल्ली नाथ राय (2) सोमनाथ राय (3)
 शैलजा राय (4) सिप्रा गुष्त (5) निन्दता राय
 श्रौर (6) एनाक्षी राय (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सत्यदास लाहिड़ी, श्रभियनाथ लाहिड़ी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किये जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त भक्षि-नियम के भ्रष्टयाय 20क में परि भाषित है, वही प्रयं होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अ**म् सूच**ी

करीब 11 कट्टा 8 छटाक 30 स्क्वेयर फुट जमीन साथ उस पर बनाया मकान जो 175/डब्ल्यू०, मानिकतला मेन रोड, थाना: फुलबागान, कलकत्ता-54 पर श्रवस्थित है।

> पि० पि० सिंह सक्षम प्राधिकारी (सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज IV 54, रफीम्रहमद किदबई रोड, कलकत्ता-16

तारीख}: 7-7-1978

प्ररूप बाईं० टी० एन • एस० ——— वायकंर प्रधिनियम, 1981' (1961' का 43) की घारा 269 घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकता, तारीख 10-7-1978

निदेश सं० 809/एकुरे-III/78-79/कल०—-म्रतः मुझे, किशोर सेन,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पम्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- र॰ से मधिक है भीर जिसकी सं० गफ्लैट 'ए०' दोतल्ला है तथा जो 2 मन्डे-मिला गार्डेस, कल० में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्व भ्रनुसूची मे भ्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-11-77 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृक्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत बर्धिक है और बन्तरक (बन्तरकों) बोर बन्तरिती (बन्तरि-तियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से इस्चित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी त्राय या किसी घन या मन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

ग्रतः भ्रम, उन्त ग्रिविनियमं की बारा 289-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त ग्रीविनियम भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन निश्निलियत स्पक्तियों अर्थात् : —

- मे० सेलोनी ग्रोनारिशप फ्लैट्स स्कीम्स (प्राठन)
 लिमि० ग्राफिस: 6 हैरिगटन स्ट्रीट, कलकर्ती॰
 (ग्रन्तरक)
- 2. मधुलेखा सेन 13 एकडालिया प्लेस, कलकता (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाबीप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख 'से 45 दिन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पेर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, ओ 'भी 'धवधि' बनदे में 'स समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों 'मे से 'क किसी व्यक्ति' द्वारा;'
- (बा) 'इस' सूचनां 'कें 'राजंपत्रं में प्रेकाशानं' की "तारीख हैं। 45 दिन' के भीतर 'उँका 'स्वावर' संपत्ति' में हिलबर्दें। ' किसी प्रन्यं व्यक्ति द्वीरा प्रघोहेंक्तोंकेरी के पास लिखितं' ' में किएं 'वा संकेंगे'।

हवच्दीकरेण :--इसमें 'प्रयुक्त शब्दों ' मोरे ' पंथी' का," ओ उक्त 'अधिनयमें ' के भ्रष्टमीय' 20-क में े परिमाधित'है, वहीं मध्ये हिंगों जो ' उस' ' मध्येष में विभी गया हैं।

बनुसूची

जो 2 मन्डेमिला गाडेन्स, कलकत्ता पर "जयजयन्ती" नामका मकान में समूचा फ्लेट 'ए' तिनतल्ला पर प्रवस्थित।

> किणीर सेन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायंकर ग्रायंक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III 54, रफी महमद किंदबई रोड, कलकत्ता-10

तारीख : 10-7-1978

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-Ⅲ, कलकत्ता

कलकत्ता, तारीख 10-7-78

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-उ० से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैट 'सी', तिनतल्ला पर है, तथा जो इमन्डेमिला गार्डेन्स, कल० में स्थित है (श्रीर इससे उपाधद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में स्थित, रजिस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में स्थित, रजिस्ट्रीकरण श्रधिकायम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30-11-1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत ग्रधिक है भौर भन्तरक (श्रन्तरकों) भौर मन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त घडि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे उचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य खास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर सिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधनियम, या धनकर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, ष्ठिपाने में सुविधा के लिए;

बतः प्रव, उनत प्रधिनियम की धारा 269-ग के धमु-सरण में, में, उनत प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नसिखन व्यक्तियों, प्रथात:-

- 1. में ० सेलोनी श्रोनरिशय फ्लैटस स्कीम्स (प्रा०) लि० ग्राफिस: 6 हैरिंटन स्ट्रीट, कलकत्ता-16 (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमित मधुलेखा सेन 13, एकडालिया प्लेस, कलकत्ता (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्थन केलिए कार्यवाहियां करला हुं।

उन्तं सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्भावर सम्पत्ति में हिसबद्ध निसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये आ सर्केंगे।

स्वच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पड़ों का, जो उक्त घछि-नियम के घड़्याय 20क में परिभाषित है, बही धर्ष होगा जो उस घड़्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समूचा फ्लैट 'सी'-तिनतल्ला पर जो 2 मन्डेमिला गार्डेन्स कलकसा पर जयजयन्ती" नामका मकान में अवस्थित।

> किशोर सेन सक्षम प्राधिकारी (सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III 54, रफी अहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 10-7-1978

प्ररूप ग्राई∙ टी० एन० एस० --

भायकर ग्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकता, तारीख 20-7-78

निर्देश सं० ए० सी०-21/म्रर्जन रेंज-IV/कल०/78-79—-भ्रतः मुझ, पी० पी० सिंह,

घायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके नश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से पिधक है

श्रौर जिसकी संख्या 2 है तथा जो बेलुड रोड, जिला: हावड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिबित में बास्तविक कप से कवित नहीं किया नया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या घन्य घास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व धन्सरिती ढारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामें में सुविधा के सिए।

अतः अव, उक्त मधिनियम, की भारा 289-ग के मनु-नरण में, में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-व की उपवारा (1) के प्रधीन, निम्नविधित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री गौरी शंकर मोहता

(ग्रन्तद्क)

- मैसर्स चिरंजीलाल गौरी शंकर एण्ड कम्पनी (भ्रन्तरिती)
- ब्रीज किशोर सहाय तथा हिर किशोर सहाय (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त घिन नियम के श्रष्टपाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसूची

वर्तमान 2 बेलुड रोड (पूर्वतन 3), थाना- बालि, जिला हावडा जमीन 2 बीघा 3 कट्ठा 9 छटाक साथ मकान स्ट्राकचर, इरेक्सन गुवाम थ्रादि जैसे के दलील सं० 5079 ता० 5-11-1977 में थ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है।

पी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV कलकत्ता 54, रफी ग्रहमद किदवई, रोड कलकत्ता-16

तारीख: 20-7-1978

प्रकप मार्थं टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269=थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता कलकत्ता, तारीख 2-8-78

निदेश एस० एल०-455/दि० श्रार०-208/सि०-191/कल० 1-/77-78---भ्रतः मुझे, भ्राई० वी० एस० सुनेजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), इसके पश्चात् की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है. कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 13 है तथा जो बंकिम चटर्जी स्ट्रीट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेंट प्लेस नार्थ में, रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 23-12-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है मौर अन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक हुए से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसो आय की बाबत उक्त अधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी भन या पन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।--

- सिसिर चन्द डे एण्ड झदर्स, 40 एफ०, भूपेन्द्र बो एबिन्यु कलकत्ता । (श्रन्तरक)
- 2: (1) श्री सुधांशु शेखर डे
 - (2) सुभाष चन्द्र डे 31/1/बी, महात्मा गांधी रोड, कलकत्ता।

(भ्रन्तरिती)

3. (1) मैंसर्स कलकत्ता पुस्तकालय (2) मैंसर्स डे बुक स्टोर्स (3) जे० एन० चक्रवर्ती । (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत संपत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की. तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब क किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भयं होगा, जो उस शब्दाय में विया गया है।

अनुसूर्चा

13 बंकिम चटर्जी स्ट्रीट, कलकत्ता में स्रवस्थित, तीन सल्ला मकान का 1/6 हिस्सा जो 6 कट्टा 9 छटाक 37 वर्ग फीट जमीन पर स्रवस्थित श्रौर जो 1977 साथ का I-5904 डीड नं० श्रनुसार रजिस्ट्रार श्राफ एश्रयुरेंस में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

ग्राई० वी० एस० सुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, 54, रफी ग्रहमद किदवई रोड, कलकता-16

तारीख: 2-8-78

प्रकप ुभाई • टी • एन • पुस •-

आयकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-I, कलकत्ता कलकत्ता, तारीख 2-8-1978

निर्देश एस० एल०-445/टि० आर०-209/सि० 191/ कल०-1/77-78—श्रतः मुझे, श्राई वी० एस० सुनेजा, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है,

श्रीर जिसकी सं० 13 है तथा जो बंकिम चटर्जी स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं),रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेन्ट प्लेस नार्थ कल० में, रजिट्रीस्करण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 23-12-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृथ्यमान
प्रतिफल हे ऐसे बृथ्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक उप से कवित नहीं किया गया
है !---

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने अवने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रग्य प्रास्तियों को जिम्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या प्रन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व प्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जामा जाहिए था, छिपाने में भुविधा के सिए;

मतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपचारा (1) के प्रधीन, निम्नजिबित व्यक्तियों, प्रभात्:---

- 1. श्रीमती तरुवाला डे 69, रबीन्द्र नाथ टैगोर रोड, दक्सीनश्वर (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री सुधांणु शेखर डे (2) श्री सुभाष चन्द्र डे, 31/1/बी॰, महात्मा गांधी रोड (श्रन्तरिती)
- 3. (1) मै० कलकत्ता पुस्तकालय (2) मै० डे बुक स्टोर्स (3) जे० एन० चक्रवर्ती (वह घ्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)

को <mark>मह</mark> सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी म्राक्षेप: -

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घषिष्ठ, जो भी घषिष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- ﴿﴿वि)ः इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास अकिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्निकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

13 बंकिम चटर्जी स्ट्रीट, कलकत्ता में ग्रवस्थित 6 कट्टा 9 छटाक 37 वर्ग फिट जमीन पर तीन तल्ला मकान का 1/6 हिस्सा जो I-5903 श्राफ 1977 श्रनुसार रजिस्ट्रार भाफ एस्युरेंस में रजिस्ट्रीकरण हुश्रा।

श्राई० वी० एस० सुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I 54, रफी श्रहमद किदवई रोड, कलफत्ता-16

तारीख़: 2-8-78

प्ररूप आई• टी० एन० एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण)

थ्रर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, तारीख 16 जुन 1978

निदेश सं०पी०श्रार०नं० 589 ए० सी० क्यू०-23-1004/6-1/77-78—श्रतः मुझे, एस० सी० पारीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० टीका न० ए०-19/2, सर्वे न० 27/2, है तथा जो फलेल्पुरा मेन रोड, बडौदा मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, बडौदा मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 9-11-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है झोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है झीर झन्तरक (झन्तरकों) झीर झन्तरिती (झन्तरितियों) के बीच ऐसे झन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रम्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में सुविधा के लिए;

सतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्बिशिखत व्यक्तियों अर्थात्:—— 7—206G1/78

- 1. मनूभाई डाएया भाई पटेल, तथा ग्रन्य, तुन्दव, ता सावली, डिस्ट्रिक्ट बडौदा (श्रन्तरक)
- 2. दी विनय केवलाणी ट्रस्ट, फतेहपुरा मेन रोड, बडौदा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के धर्जन के लिये कार्मेवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा स्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदों का, जो उन्त भन्नि-नियम के भन्न्याय 20-क में यद्या परिभावित है, वहीं भर्य होगा जो उस भन्न्याय में दिया गया है।

भनुसूची

एक तीन मंजिला मकान जो 1607 वर्ग फुट जमीन पर स्थित है तथा जिसका टीक्का नं० ए०-19/2, सर्वे नं० 27/2 है तथा जो फतेहपुरा मेन रोड, बडौदा में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन 9-11-77 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 299 में दिया गया है।

एस० सी० पारीख मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 16-6-78

प्ररूप माई० टी• एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, तारीख 16-6-78

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 590-ए० सी०-क्यू०-23 1030/198/77-78--श्रतः मुझे, एस० सी० परीख श्रायक्तर श्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- द० से श्रिधक है श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 44, वार्ड नं० 13 है तथा जो ग्रथवा, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 3-11-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यभान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए धन्नरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रविक्त है पौर पन्तरक (पन्तरकों) ग्रीर पन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया ग्रातिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कप्तर के लिए तथा ग्रा

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम' के प्रधीन कर रेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए. ग्रौर/ या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः ग्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के प्रनुकरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-म की उग्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथित्—

- (1) शांतिलाल रंगीलदास खांडवाला खांडवालाभ्नीशेरी वाडी फूलिया, सूरत। (श्रन्तरक)
- (2) श्री चन्द्रवदन ईंग्वरलाल पारेख तथा श्रन्य, ''ईश्वर स्मृति'', दाना पीठ, सूरत । (श्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उम्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्यव्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो 'उक्त छक्षि-नियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्थ होगा, जो उस ग्रहमाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खमी जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 877 वर्ग गज है तथा जिसका ग्रथना नोंध न० 44, वार्ड न० 13, है तथा जो ग्रथना , सूरत में स्थित है तथा जिसका पूरण बरणन 3-11-77 वाले बिकी दस्तावेज न० 2921 में दिया गया है।

एम० मी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, श्रष्टमवाबाद

सारीख: 16-6-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यानय, सहायक प्रापकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 13 जुलाई 1978

निर्देश स० वी० 39/अर्जन—यतः मुझ, श्रमर सिंह बिसेन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- र∙ से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 578 मो० साहूकार I का भाग है तथा जो मो० साहूकार बरेली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 30-11-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुष्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके बूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशक्ष से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया ह :---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उकत श्रक्ति-नियम के भन्नीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-गंके मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के भधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रधीत् :--- श्री साह जगदीश कुमार भ्रम्रवाल

(ग्रन्तरक)

2. श्री विष्णुकुमार

(ग्रन्तरिती)

- 3. विक्रोता (37-जी पाम के अनुसार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. किशन लाल बाजणीय व ग्रन्य (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वशिकरण: -- श्रसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

मकान न० 578 स्थिति मो० साह्नकारा बरेली का भाग/ क्षेत्रफल ग्राराजी 660 वर्ग गज तथा उक्त सम्पक्ति का वह सब विवरण जो फार्म 37-जी० न० 5195 तथा सेलर्डाङ में वर्णित है जो कि सब-रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय में 30-11-77 को दर्ज है।

> श्रमर सिंह' बिसेन सक्षम श्रधिकारी सहायक धायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 13-7-1978

प्रकप भाई। टी। एन। एस।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, विनांक 7 जुलाई 1978

निर्देश सं० म्नाई० ए० सी० एक्वी/मिथल 78-79/1067— यतः मुक्षे, रा० कु० बाली,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25000/- रुपए से भिधक है

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिष्ठितयम के भ्रष्ठीन कर देने के भन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रनय प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रश्तरिती द्वारा प्रजट नहीं किया गया था या किया जाना **शाहिये था, छि**पाने में सुविधा के लिए;

अतः शन उक्त अधिनियम की धारा 269-म के प्रमुणरण में, मैं, उक्त भिवित्यम की धारा 269-घ की अपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथात :— श्री विजय कुमार पुत्र श्री पंडुरंग बावीसकर द्वारा पावर ग्राफ ऐटर्नी श्री पंडुरंग बावीसकर निवासी 28/1, नार्थ राज मोहला, इन्दौर (ग्रन्तरक)
 श्री पारसमल पुत्र श्री कन्हैयालाल मेहता, निवासी 20/3, नार्थ राज मोहल्ला, इन्दौर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उम्ल सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की धविष्ठ, जो भी धविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबश किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त घछ-नियम के भध्याय 20-क में यदापरिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है

श्रनुसूची

म्युनिसिपल मकान नं० 13 का भाग, नार्थ राज मोहल्ला, इन्दौर ।

> रा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी स**हायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण**) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारी**ख** : 7-7-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत मरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 7 जुलाई 1978

निर्देश स० ग्राई० ए० सी० एक्बी०/भोपाल 78-79/ 1068—यतः, मुझे, रा० कु० बाली,

प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पम्थास् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विम्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से ग्रिधिक है,

श्रौर जिसकी स० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन,तारीख 5-11-77 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक (भन्तरकों) ग्रौर और भन्तरक मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नही किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के भग्नीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/मा
- (ख) ऐसी किसी माय वा किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय मायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रव, उन्त प्रधिनियम, को धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के धंधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रधात:-- श्रीमती सुमित बाई पित्न श्री गोविन्द राव देणमुख
 निवासी 2, कबृतर खाना, इन्दौर। (ग्रन्तरक)

2. श्रीमती राज कुमारी पत्नी श्री मंगल कुमार जी निवासी 46, लोधी पुरा न० 1, इन्दौर । (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>ग्रर्जन</mark> के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पक्षों का, जो उक्त मधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्युनिसिपल मकान न० 20 का भाग, कबूतर खाना, इन्दौर ।

> रा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-7-1978

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०-

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 भ (1) के घषीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल कार्यालय भोपाल, दिनांक 7 जुलाई 1978

निर्देश स० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 78-79/ 1069 यक्तः, मुझे, रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सम्पत्ति है, तथा जो श्योपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर सूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्योपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1909 का 16) के श्रधीन, तारीख 17-11-1977

को पूर्वोक्तसम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान के प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मं वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरग से हुई किसो आप की वाक्त, उका अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर मिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षिपामे में सुविधा के लिए;

अत: ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के घनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपवारा (1) के ग्रधीन, निम्निजिथित व्यक्तियों, प्रथमित :-- 1. श्री भगवान वास पुत्र श्री जगन्नाथ ग्रग्नवाल द्वारा पावर ग्राफ एटर्नी श्री रमेश चन्द्र पुत्र श्री भगवान दास ग्रग्नवाल निवासी संयोगिता गंज, इन्दौर

(भ्रन्तरक)

2. (1) श्री चौथराम (2) श्री पुरुशोत्तम सास (3) श्री बाल किंगन सभी पुत्र श्री लक्ष्मी चन्द्रसर्राफ सभी निवासी श्योपुर कलां जिला म्रैना

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वो≉न सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अथिष्ट या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की झयिष्ट, जो भी झयिष्ट बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के घट्याय 20क में परिभा-षित हैं, वही घर्ष होगा जो उस घट्याय में दिया गया है।

अमुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रत्नफल 7.14 बीघा साथ डाइवर्ट्रैड लेण्ड एरिया 1.19 बीघा साथ मकान व कुआं स्थित कस्बा श्योपुर जिला मुरैना । मोहर:

> रा० कु० बाली सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीखा : 7-7-1978

प्रकप ग्राई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल कार्यालय

भोपाल, दिनांक 3 श्रगस्त 1978

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/ 1801—स्यतः, गुझे, रा० कु० वाली,

न्नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-12-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है भौर मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखन में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—.

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आयं की बाबन, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/धा
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या प्रस्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रश्नित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनयम, या धन-कर ग्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्थरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः भव, उन्त प्रिव्धितियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, मैं, उक्त प्रिव्धितियम की बारा 269-घ की उपसारा (1) के भवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाता~~

- 1. श्री ग्रिश्वित कुमार पुत्र श्री रिसक लाल (2) मुकेश कुमार पुत्र श्री रिमक लाल निवासी 44, बड़ा सर्रीफ इन्दौर (श्रन्तरक)
- श्रीमती उषादेवी पत्नी श्री कैलाश चन्द्र जैन निवासी जूना पीठा मैन रोड, इन्दौर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाजेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त श्रक्षित्यम के घटयाय 20 कमें परिभाषित है, वही खर्ष होगा जो उस श्रद्याय में विया गया है।

ग्र**नुसूची**

प्लाट नं० 19, मीरा पथ, इन्दौर ।

रा० कु० बाली सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-8-1978

प्ररूप माई• टी॰ एन॰ एस●⊸-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 ग्रगस्त 1978

निर्देश स० भ्राई० ए० सी० एक्बी०/भोपाल 78-79 1082——यतः मुझे, रा० कु० बाली,

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूत्य 25,000/- ६० से अधिक है

सी अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो इन्दीर में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, इन्दीर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 14-12-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिध है शीर मन्तरित (धन्त-तिका है शीर मन्तरित (धन्त-रितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में क्थित नहीं किया वया है:—

- (क) धन्सरण से हुई किसी धाय की बावत उक्त प्रश्नित्यम के घंधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, खिनाने में सुविधा के लिए;

अतः मन, उक्त भविनियम की वारा 269-न के भनुसरण में, में, उक्त भविनियम की भारा 269-म की उपवारा (1) के अधीन निम्निम्मिक व्यक्तियों, भवितः—

- श्री राम लाल पुत्त श्री गंगा राम भाटिया नियासी 9/7, नार्थ राज मोहल्ला, इन्दौर (अन्तरक) है।
 - 2. श्रीमती रम्भा बाई पत्नि श्री वरदी चन्द्र जैन निवासी ग्राम छायन तह० बढ़नावर जिला—धार (भ्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीक्षर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

प्रमुस्ची

प्लाट नं० 8/4, गली नं० 8, महेण नगर, इन्दौर ।

रा० कु० बाली सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-8-1978

प्ररूप आई०टी०एन०एस०----

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 3 ग्रगस्त 1978

निवेश सं० ग्राई० ए० एक्वी/भोपाल/78-79/1083— यतः, मुझे, रा०कृ०बाली,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/— रुपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो इन्होर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्होर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 20-12-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्र प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर अन्तरिक (अन्तरिक्त) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निध्यत में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर दैने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मिधिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की घारा 269ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की घारा 269ण की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकृति :—
8—206GI/78

 श्रीमती श्रकीला बैगम पिन श्री मोहम्मद ग्रय्युबखां निवासी 110/1 जूना रिसाला, इन्दौर

(श्रन्तरक)

2. श्री होतलदास पुत्र श्री हरसूमल झमनानी 55, बड़वाली भांकी, इन्दौर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविधि, जो भी
 भ्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब क किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो आयकर प्रिधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही ध्रषंहोगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का दुकड़ा म्यूनिसिपल नं० 55, बड़वाली चौकी इन्दौर ।

> रा० कुं० बाली, सक्षम प्राधिकारी, म**हायक ग्रायक**र स्नायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीखा : 3-8-1978

प्रकप धाई० टी० एन० एस०--

भायकर भिक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 श्रगस्त 1978

निदेश सं० श्राई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 78-79/ 1078--यतः, मुझे, रा०कु० बाली, प्रायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की झारा 269-ख के मधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-र∙ से भिधक है और जिसकी सं० स्ट्रबचर है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबन श्रनुसूची मे भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 27-12-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्मलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उकत अधि-नियम, के भधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीतः—

- 1. मैसर्स राज लाइम श्राक्साइड फैक्ट्री ११ हिन्डस्ट्रीयल स्टेट, इन्दौर (ग्रन्तरक)
- 2. मैसर्स सुनीता लेबोरेट्रीज लि० 89 व 90, इंडस्ट्रीयल स्टेट, इन्दौर (श्रन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई मी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दीं भीर पदों का, जो उनत अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 91 पर बने स्ट्रक्चर्स, इंडस्ट्रीयल स्टेट, इन्दौर ।

रा० कु० बाली, सक्षम **प्राधिकारी,** सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-8-1978

्रिक्य बाई • टी • एत • एस • — — प्रक्षकर ब्रिकिनयम, 1961 (1961 का 43) की ब्राह्मरा 269-व(1) के ब्रिकीन सूचना भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपास

भोपाल, दिनांक 3 श्रगस्त 1978

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी० एक्बी०/भोपाल 78-79/1085—-यतः, मुझे, रा० कु० बाली, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- द० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं मकान है, तथा जो ग्रलीराजपुर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रलीराजपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 1-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूहम से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्म, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रमिक है और यह प्रन्तरक (धन्तरकों) और घन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तिकक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिक्षितयम के भिर्मा कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव उनत अधिनियम भी धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उनत अधिनियम, की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिकों, अर्थात:—

- श्री किशन लाल पुत्र श्री हीरा लाल जी महेण्यरी ग्राम दुिधया तालुका लिमखेड़ा जिला पंचमहाल (गुजरात) (ग्रन्तरक)
- 2. श्री राधे याम व प्रहलाद वासदोन छ पुत्र श्री मिश्री लाल बेड़िया निवासी—प्रलीराजपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंका सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारी खसे 45 दिन की भवधिया तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त घछितियम के घष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं घथं होगा, जो उस घष्ट्याय में दिया गया है।

वन् सूची

मकान नं० 16 वार्ड नं० 10, महात्मा गांधी मार्ग, श्रली-राजपुर (म०प्र०)।

> रा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-8-1978

प्ररूप बाई०टी• एन• एस•----

धायकर धिविवस, 1961 (1961का 43) की बारा 269व (1) के ब्रिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 ग्रगस्त 1978

निर्देश सं० ध्राई० ए० सी० एक्वी०/भीपाल 78-79/ 1976—यतः, मुझे, रा० कु० बाली,

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से ग्रिधिक है

भौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो उज्जैन में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-12-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शतिकल के लिए, अम्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पम्बह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय को बाबत, उपत श्रिवनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के वाबिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
 - (क) ऐसी किसी भाग या किसी घन या भाग्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भागकर धांधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधनियम या धन-कर भाधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए,

जतः सब, उनत अधिनियम की धारा 269-म के प्रनुसरण में, में, उनत प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के जबीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री गेंदा लाल पुत्र लाल श्री नारायण जी कॉर्टी वाले जाति श्राह्मण निवासी स्टेशन रोड, उजीन (श्रन्तरक)
- 1. (1) मैंसर्स दुर्गा प्रसाद मोहन लाल स्टेशन रोड, उज्जैन (3) श्री दुर्गा प्रसाद (3) श्री राम नारायण दोनों पुन्न श्री मुरलीधर व (4) श्री मोहन लाल पुन्न श्री रामनारायण जी निवासी स्टेशन रोड, उज्जैन। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के सिये कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी वासे 45 विन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिस्यः--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिव्यतियम के भव्याय 20-क में परिभावित है, वहीं भ्रम्य होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

भनुसूची

मकान म्युनिसिपल नं० 1:166 नया नं० 33, सुभाष मार्ग, स्टेशन रोड, उज्जैन ।

रा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख : [3-8-1978

शायकर पश्चिमियम, 1961 (1961 का 43) की द्यारा 269 म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार कार्यासय, सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज. भोपाल कार्यालय भोपाल, दिनांक 3 श्रगस्त 1978

निर्देश सं० ब्राई० ए० सी० एक्बी०/भी ाल 78-79/1987—यतः, मुझे, रा० कु० बाली, ब्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं प्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाब इ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1-12-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाः प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वात से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ध) ऐसो किसी घाय था किसी घन या घन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय भाय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अप्तः अव, उक्त धिवियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधितियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- श्री कन्हैया लाल जैसा राम, जावरा कम्पाउन्ड, इन्दौर (मन्तरक)
- 2. (1) श्रीमती इन्द्रवती पत्नि श्री जीवन प्रकाश (2) श्रीमति जालना देवी पत्नि श्री श्रोम प्रकाश निवासी रवीन्द्र नाथ टैगोर मार्ग, इन्दौर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के सर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जम के सम्बग्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन की धविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिवियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसूची

प्लाट नं० 424, न्यू मंडी, इन्दौर ।

रा० कु० बाली सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज, भोपाल

तारीख: 3-8-1978

प्रकप माई • टी ॰ एन ॰ एस • ----

कासकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की बारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 3 श्रगस्त 1978

निदश सं० श्राई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/ 1088---यतः, मुझे, रा० कु० बाली,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कर कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- एपए से ग्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो सेवंनिया भोपाल में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल मे रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 7-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाक्तविक कम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रस्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायित्व में कमी कैरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रम्तरिसी द्वारा प्रकड नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुत्तरण में में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नकिखित व्यक्तियों, वर्षातः—

- 1. श्री कन्हैया लाल पुत्र श्री प्रभु दयाल निवासी ग्रींम सेवंनिया गौड भवभदे के पास तह० हुजूर जिला भोपाल (श्रन्तरक)
- 2. श्री दिलीप पी० गौकुल दास पुत्र श्री प्रताप सिंह गौकुल दास निवासी 12, फेंच ब्रिज, चौपाती, बाम्बे 400007 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति क भ्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जकत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जा भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए आ सर्केंगे।

स्पन्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त कन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के भध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा, जो उस भन्न्याम में दिया नया है।

अभृम्ची

भूमि 10.07 एकड़ खसरा नं० 60 व 61/1, ग्राम सेवंनिया गौड तह० हुजूर जिला भोपाल।

रा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी, स**ह**ाय**क भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल**

तारीख : 3-8-1978

प्रकप धाई • टी • एन • एस • -

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 ध्रगस्त 1978

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० एक्यी०/भोपाल-78/79/ 1089—यत:, मुझे, रा० कु० बाली,

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इ॰ से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो भोपाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 14-12-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से मधिक है, भीर भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाश्नविक का से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की वाबत, उक्त मिन्न-नियम, के धानी कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या श्रम्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिवियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या या फिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः सन उन्त प्रश्निनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269 व की उपघारा (1) के अधीन निम्निजिस व्यक्तियों, अधीन :---

 श्रीमती दमयन्ति भटनागर पत्नि स्व० डा० भगवान स्वरूप भटनागर सिविल लाइन्स रायपुर

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सुभन्ना ग्राग्निहोत्री पत्नि श्री राम किशोर ग्राग्निहोत्नी ग्रवकाश प्राप्त ग्रिधकारी स्टेट बैंक ग्राफ इंडिया सिवनी, मालवा होशंगाबाद (ग्रन्तिरती)

को यह मुखना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति कं श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पब्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भ्रिप्तियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रष्टें होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

प्लाट नं० ई० 3/67, के पीतल प्रोजेक्ट भोपाल सर्किल नं० 40/1-5-74 जोन 9, डिबीजन भोपाल ।

रा० कु० बाली, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-8-1978

प्रकृष बाई • टी • एन • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-म (1) के भंधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर हायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 31 जुलाई 1978

निर्देश सं० के० एन० एल०/54/77-78—यतः मुझे, रवीन्त्र कुमार पठानिया, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक,

आयकर ग्रिशिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीधिनियम' कहा नया है), की वारा 269-ख के ग्रिशीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 25,000/- इव से ग्रिशक है

गीर जिसकी सं० प्लाट जिसका रक्या 1298 वर्गगंज है, तथा जो रेलवे रोड, करनाल में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकाश के लिए अन्तरित की वर्ष है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया शिक्का, निम्मविकात अदेश्य से अन्त अन्तरण लिखत में वास्तिक क्य के कवित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त श्रवि-नियम के श्रवीच कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (क) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घन्य ब्रास्तियों को जिन्हें, भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया चा; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः यन, उन्त धिविषयम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में; उन्त धिविषयम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नमिश्वित व्यक्तियों, प्रचौद्:—

- 1. (i) श्री रामेश्वर दास पुत्न श्री गेंडा राम
 - (ii) सर्वश्री नन्द किशोर, राकेश कुमार, रंजन पूजान श्रीमती शकुन्तला देवी,
 - (iii) श्रीमती स्नेह लता तथा रेखा, सपुत्नी श्री रामेश्वर दास निवासी करनाल

(ग्रन्तरक)

 श्री माम चन्द गुप्ता पुत्र श्री जय भगवान मार्फत गुप्ता फोटो स्टूडियो सराफा बाजार, करनाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूत्रता जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्संबंधी अपनितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्जीक्त अपिकतयों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्टियम के श्रध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं भर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1298 वर्गगज है, श्रौर जोकि रेलवे रोड, करनाल में स्थित है ।

(सम्पत्ति जैसेकि रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री ऋमांक नं० 4698 तिथि 15-11-1977 पर दर्ज है)।

> रवीन्द्र कुमार पठानिया सक्षम प्राधिकारी स**हाय**क श्रायकर ग्रायुक्त (निरी**क्षण)** श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 31-7-1978

प्रकप पाई० टी॰ एस॰ एस॰----

मायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 31 जुलाई 1978

निर्वेश सं० के० एन० एल०/55/77-78—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, रोहतक,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'. कहा गया है), की धारा 269-ष के भन्नीन सक्षप प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- श्पए से भन्निक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1347 वर्ग गज है, तथा जो रेलवे रोड, करनाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्टिकारी के कार्यालय, करनाल में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्टिन्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्टीन, तारीख नवम्बर 1977 को पूर्वोंक्ल सम्पत्ति के जित्त बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्टिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन निम्नत्विवत उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) श्रस्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त घर्षि-नियम के श्रधीन कर देने के घरतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखितं व्यक्तियों, अर्थातः---7—206G1/78

- 1. (1) श्री रामेश्वर दास पुत्र श्री गेंडा राम
 - (2) सर्वश्री नन्द किशोर, राकेश कुमार, रंजन पुत्रान श्रीमती शकुन्तला देवी
 - (3) श्रीमती सनेह लता तथा रेखा, सुपुत्री श्री रामेश्वरम दास निवासी करनाल

(ग्रन्सरक)

 श्रीमती विद्या वती, पत्नी श्री भगवान दास निवासी ए०-479, सदर बाजार करनाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की वारीच से
 45 दिन की घवधि या वस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी
 घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस किसी सन्य व्यक्ति द्वारा सम्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रसि-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिधायित है, वही ग्रथ होया जो उस ग्रद्याय में दिया गया है।

ब्रमुसूची

व्लाट जिसका क्षेत्रफल 1347 वर्गगज और जोकि रेलवे रोड, करनाल में स्थित है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 4699 तिथि 15-11-1977 पर दर्ज है)।

> ्रवीन्द्र कुमार पठानिया सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, रोहतक

तारीख: 31-7-1978

प्ररूप धाई० टो॰ एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भ्रधीन सूमना

भारत सरकार

कस्योलय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्मर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 27 जुलाई 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० প্লা০ শ্বৰ্জन/426—यतः, मुझे, एम-० पी० विश्वरुठ,

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उनत श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० ... है, तथा जो लंगर के बालाजी, जयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिक्स्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जयपुर मे रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के तारीख 24-11-1977

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखा में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभो करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी फिसी आय या किसी धन या ध्रन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय ध्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में. सुविधा के सिष्;

अतः भन, उक्त ग्रधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त ग्रधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के सक्षीन निम्निक्षित व्यक्तियों, जर्थात्:---

- 1. मैसर्स राधावल्लभ पुत बाबूलाल टीबड़ेवाला स्वयं एवं मुख्तारश्राम श्री सत्यनारायण झाबरमल एवं दूसरे साझेटार राजस्थान वीविंग मिल्स, 24 कालबा वेवी रोड, जयपुर (श्रन्तारक)
- 2. श्री राम सरण श्रग्नवाल पुत्न श्री जगदीश नारायण श्रग्नवाल द्वारा संरक्षक श्री जगदीश नारायण, सिंधी कैम्प, स्टेशन रोड, जयपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे!

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

287.73 वर्गमीटर, टीन शैंड पोरशन, लंगर के बालाजी का रास्ता, गणगोरी बाजार में स्थित बंड़े गेट वाली सम्पति में से, जो उप पं जियक, जयपुर द्वारा कम सख्या 2208 दिनांक 24-11-77 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० पी० विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जयपुर

तारीख : 27 जुलाई 1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस•--

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के भवीत सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनाकः 27 जुलाई 1978 निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा०/ग्रर्जन/427—यतः, मुझे, एम० पी० विशिष्ठ,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ष्पये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं०है, तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 24-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) मन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रधितियम, के श्रधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम या भ्रम-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रन, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :---

- मैसर्स राधाबल्लभ पुझ बाबूलाल टीबड़ेवाला स्वयं एवं मुख्तारम्राम श्री सत्यनारायण, झाबरमल एवं दूसरे पार्टनर्स, राजस्थान वीविंग मिल्स, 201 कालबा देवी रोड़, वम्बई-2 (म्रन्तरक)
 - श्री गिरराज प्रसाद पुत्र द्वारकादास प्लाट नं० डी-49 ज्योतिमार्ग, बापूनगर, जयपुर (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर ज़क्त स्थावर सम्मिल
 में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरूलाअरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो उक्त अधि-नियम के श्रद्धाय 20-क में परिभावित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

गणेगौरी बाजार चौ॰ पुरानी बस्ती रास्ता लंगर के बालाजी में बड़े दरवाजे वाली बिल्डिंग उत्तरामुखी के पूर्व की तरफ रास्ते सरकारी में एक जमीन का टुकड़ा जो उप पंजीयक,जयपुर द्वारा कम संख्या 2207 दिनाक 24-11-77 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० पी० विशिष्ठ सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर **भायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 27-7-1978

प्राक्ष पाई• टी• एन॰ एस•---

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269 म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर कार्यालय जयपुर, दिनांक 27 जुलाई 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा०/ग्रर्जन/428---यत:, मुझे, एम० पी० विशष्ठ,

धायकर घिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिषिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के घिष्ठीम सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से प्रधिक है,

भौर जिसकी सं ें हैं, तथा जो जयपुर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रिजस्ट्रीकरण भांधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 31-12-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रक्रिक है और अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में दुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धार या किसी धन या धरथ धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः व्यव उक्त धिधनियम की धारा 269-ग के व्यमु-सरज में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों प्रधति:—

- 1. मैसर्स राधाबल्लभ पुत्र बाबूलाल टीबड़ेवालें स्वयं एवं मुख्तारम्राम श्री सत्यनारायण श्रवरमल एवं प्रन्य साझेदार राजस्थान वीविंग मिल्स, 201 कालबा देवी रोड़, बम्बई-2 (श्रन्तरक)
- 2. श्री मैसर्स लक्ष्मीनारायण राधेण्याम काबरा द्वारा इसके पार्टनर लक्ष्मीनारायण, राधेण्याम, श्रीराम एवं जानन्त, छोटी चोपड़, जयपुर (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के सर्अन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तानीज से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हित-बद्ध किसी झन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त ग्राधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा जो, उस ग्रध्याय में विया गया है।

घनुसूची

बड़े दरवाजे वाली बिल्डिंग, लंगर के बालाजी का रास्ता, जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा कम संख्या 2538 दिनांक 31-12-77 को पंजीबद्ध विकथ पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० पी० वशिष्ठ सक्षम म्रधिकारी स**हायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)** म्रजन रोंज, जयपुर

तारीख : 27-7-1978

31

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 27 जुलाई 1978

निर्देश स० राज०/सहा० भ्रा०/म्रर्जन/429——यतः, मुझे, एम० पी० वाशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 128 है, तथा जो श्रीबोगिक क्षेत्र जयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पूर्ण जयपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 3-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुईं किसी भ्राय की धावत उक्क अधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/था
- (ख) ऐसी किसी भाय था किसी धन या भ्रन्य मारितयों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्राहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मब, उक्तं प्रधिनियम, की धारा 269-ग के मनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपीतः— 1. मैसर्स साह इजीनियरिंग प्राईवेट लिमिटेड, झोटवाड़ा, श्रौचोगिक क्षेत्र, झोटवाड़ा जयपुर (ग्रन्सरक) 2. मैसर्स इनकान (इंडिया, लिमिटेड, 128, इंडस्ट्रीयल एरिया, झोटवाड़ा, जयपुर (ग्रन्तरित)

को यहसूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के <mark>ग्रर्जन के</mark> लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी क्यिक्तयों पर सूचना की तामी स से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन की तारी करें से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोह्स्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत श्रिधिनयम, के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं बही सर्च होगा जो उस सब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 128 पर स्थित, झोटवाड़ा घ्रौद्योगिक क्षेत्र में जो उप पंजियक जयपुर द्वारा कम संख्या 2273 दिनांक 3-12-77 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० पी० वाशिष्ठ सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षक) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 27 जुलाई, 1978

प्रकप आई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्योलय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 जून 1978

निर्देश स० भ्र० इ० 2/2525-3/नवम्बर-77---यतः मुझे, जी० ए० जेम्स,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करमें का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० मलांड सीटी सं० नं० 641 का भाग दिका नं० 79 जलता नं 646/1 से 641/11 है, तथा जो मलांड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 1-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के शीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष भन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ं खतः, ग्रव, उक्त अधिनियमं की धारा 269गं के ग्रनुसरणं में, जें, उक्त मधिनियम, की धारा 269घं की उपधारा (1) के बचीम, मिन्निकिखित व्यक्तियों अर्थात्:—-

- श्रीमती श्रन्नपूर्णाबाई हिमतलाल मेहता (श्रन्तरक)
- 2. मैसर्स टॉप बिल्ट को० ग्राप० ग्राउ० सो० लिमिटेड (ग्रन्तरिती)
- 3. (1) श्री रेवाशंकर डी॰ मेहता, (2) श्रीमती शारदा श्रार॰ देसाई, (3) श्री हेमराज एच॰ करानी, (4) श्रीमती वासुमतिबेन एच॰ पटेल, (5) श्री कल्यानजी पोनशी शाह, (6) श्री भवरलाल एस॰ बफना,
- (7) श्री नवीनचन्द्र के० गाह, (8) श्री जयसिंह सी० वेद,
 (9) श्री भाल चन्द्र ए० त्रिवेदी, (10) श्री कांतिलाल

ग्रार० घेडिया, (11) श्री भारत डी० पारिख, ^च(12) श्री ग्रजितसिंह एम० रामैया, (13) श्री हरिलाल टी० वदेरा, (14) श्री भोगीलाल ए० शाह, (15) श्रीमती भानुमति ग्रार० सूचक।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
4. (1) श्री रेवाणकर डी० मेहता, (2) श्रीमती शरदाबेन रामनलाल देसाई, (3) श्री हंसराज हेमराज करानी, (4) श्रीमती वासुमती हरिष्वन्द्र पटेल, (5) श्री कल्यानजी पुन्शी शाह, (6) श्री नवीनचन्द्र केणवलाल शाह, (7) श्री भनवरलाल शेषमल बफना, (8) श्री जयसिंह चरनदास वेद, (9) श्री भालचन्द्र ग्रमुखलाल विवेदी, (10) श्री कांतिलाल रामजी, (11) श्री भरत द्वारकादास पारिख, (12) श्री मधुसूदन एच० मेहता, (13) श्री देवेन्द्र एच० मेहता, (14) श्री भागीलाल ग्रंबालाल शाह (15) श्रीमती भानुमति ग्रार० सूचक

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी जानता कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त तम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविश्वया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45. दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, मघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस श्रध्याय में विया वया है।

श्रनुसूची

जमीन का वह समाम टुकड़ा या भाग जो "मारवाड़ी" व "नवधर" नाम से जानी जाने वाली जमीन का हिस्सा है भीर मलाड, पोर्ट टुकड़ी, बान्द्रा, तालुका सलसेट्ट में, रिजस्ट्री उप-जिला बांद्रा, बम्बई उप नगर जिले के ग्रन्तर्गत मौजूद है, माप से 870 वर्ग गज लगभग 727 वर्गमीटर के बराबर है, मलाड सिटी सर्वे नं० 641 व टिका नं० 79 ग्रीर चलता नम्बर 641/1 से 641/11 का ग्रंग है, इस पर खड़ी "ग्रानंद निवास" नामक इमारत सहित, वृहतमुंबई नगर निगम के ग्रसंसर ग्रीर कलक्टर द्वारा पी० वार्ड न० 5493-5499/73/2-3, कस्तूरबा क्रांस लेन, व जी० ग्रार० डब्ल्यू० नं० पी-5497 के तहत निर्धारत (ग्रसंस) है—उत्तर में एक निकास, दक्षिण में मलाड सिटी सर्वे नं० 642 व 643, पिष्चम में सिटी सर्वे नं० 641 (भाग) ग्रीर पूर्व में एक सड़क ।

जी० ए० जेम्स सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 30-6-1978

से घधिक है

प्ररूप ग्राई० टी • एन० एस०----

प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 जुलाई 1978

निर्देश सं० सी० म्रार० नं० 62/14387/78-79/ए० सी० क्यू०/बी०——यतः, मुझे, जे० एस० राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-६०

स्रीर जिसकी सं० खाली घर की जगह है, तथा जो राजमहल विलास एकस्टनशन श्राठ मेन रोड सं० 48/41 बेंगलूर (iv-45) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बेंगलूर दस्तावेज सं० 2389/77-78 में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 21-11-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत स्रधिक है मोर मन्तरक (मन्तरकों) मौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किया गया है:--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उन्न भिध-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या भण्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर घिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविद्या के लिए;

शत: शव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरक में, में, उक्त ग्रियिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— 1. श्री के० एस० सीरीधारन, पुत्न श्री के० एन० षेषादरी श्रदनगार, सं० 27, हेच बी० समाना रोड, बासावनगुडी बेंगलूर (ग्रन्तरक)

 श्रीमती सरला रानी पत्नी मिस्टर बी० दास, सं० 11, बस्सप्पा रोड, शांति नगर, बेंगलूर-27 (श्रन्तरिती)

को गह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के पंबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूबना के राजपत्न में प्रकाशन की सारी **का से**45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की भविध जो भी श्रवधि बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
 से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) {इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के मध्याय 20-क में परि-भाषित हैं. वही मधें होगा, जो उस प्रध्याप में दिया गवा है।

अमुभुषी

(दस्तावेज सं० 2389/77-78 तारीख 21-11-77) खाली घर की जगह जिसका सं० 48/41, राजीमहल विलास एक्सटन्थान, 8 मेन रोड, बेंगलूर ।

बौनडारीस:---

पूरब—साइट सं० 41, पश्चिम—रोड, उत्तर—साइट सं० 47 श्रोर दक्षण—रोड ।

> जे० एस० राव, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बगलूर

तारीख : 12-7-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर भायुक्त (िरीजण)

ग्नर्जन रेंज, बंगलूर कार्यालय बंगलूर, दिनांक 12 जुलाई 1978

निर्देश सं० सी० ग्रार० सं० 62/14299/78-79/ ए० सी० क्यू०/बी०—यतः, मुझे, जे० एस० राव, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से मधिक है श्रीर जिसकी सं खाली जगह (साइट) 192 है, तथा जो मैसूर सब एरिया भ्राफीसरस शेजिंग कालोनी 6 मेन रोड तीसरा कास मि बिनीमंगला लौट बगलूर-38 दस्तावेज सं० 2292/77-78 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, (1908 का 16) के भ्राधीन, तारीख 12-12-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ग्रोर मन्तरक (भन्तरकों)भौर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदृश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय को बाइन, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्सरक के दासिस्य में कमी करने या उसने वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घाय प्रध्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या घनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था, छिपाने में सुनिक्षा के लिए

भतः मन, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में; उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नविखित व्यक्तियों अर्थात्।—

- कमान्डर एन० घ्रार० राव पुत्र श्री एच० तार्रायणा राव, 314, सम्पीरो रोड मलशवारम, बेगलूर-3 (ग्रन्सरक)
- 2. श्री विजय सी० कपूर, पुत्र लेट श्री हरनामदास कापूर 17/ए०, ग्रलसूर रोड, बेंगलूर-8

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>प्रजॅन</mark> के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अज़ँश के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ध्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुस्

(दस्तावेज सं० 2292/77-78 तारीख 12-12-1977) खाली कारनर की जगह जिसका स० 192 बिनीमंगला लेग्रीट, मैसूर सब एरिया ग्राफीसरस कालोनी, 6 मेन रोड, तीसरा कास, बंगलूर-38। बान्डारीस—:

पूर्व--तीसरा कास रोड, पश्चिम--साइट सं० 193, उत्तर--साइट सं० 180 श्रीर दक्षण---6 मेन रोड ।

> जे० एस० राव सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 12-7-1978

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०------

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यीलय, महायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 1 ग्रगस्त 1978

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० म्रार०/III/ 195/नवम्बर/77-78/1894--यतः, मुझे, जे० एस० गिल, षायकर घिषिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० सी०-42 है, तथा जो कैलाश ग्रर्पाटमेन्ट, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 3-11-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है मीर मन्तरक (मन्तरकों) मीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखिन मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबन, उक्त ध्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के घन्तरक के वायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए घीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्थ श्राहितयों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए,

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिवितयम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधितयम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिबीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रशितः—

10—206 GI/78

 श्री वेद प्रकाण, सुपुत्र एल० बिणन चन्द, निवासी ऐक्स-25(×25), हाउस खास, ऐनकलैंब, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

2. श्री सतीम्बर दयाल गलगोतिया, सुपुत्र श्री विरेशवर दयाल गलगोतिया, निवासी ए०-15 ए०, हाउस खास ऐनकलैंब, नई दिल्ली-1

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उकत संपत्ति के श्रजंन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एन निवासी फ्लैंट जिसका नं० 42 है (इसकी चौथी मंजिल पर जोकि मन्टी स्टोरी है), ब्लाक न० 'सी' है, कैलाश श्रपटिमेन्ट, लेडी श्रीराम कालेज के सामने, लाला लाजपत राय रोड, नई दिल्ली-48 में हैं।

> जे० एस० गिल सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीजण), ग्रर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 1-8-1978

मोहर:

प्ररूप भाई • टी • एन • एस •--

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) .श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 31 जुलाई 1978

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यु०/1/एस० श्रार०/III/ 200/नवम्बर-1 (18)/77-78/1894—यतः, मुझे, जे० एस० गिल,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्रिष्ठकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से भिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सी०-4/91 है, तथा जो दया नन्द कालोनी, लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 511-1977 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख से कम के खूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरितं की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर मन्तरक (मन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक हुए से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रग्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या भन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्च भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियागया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री ग्रमृतलाल कोछड़, सुपुत्र श्री दौलत राम, निवासी एल०-26, कालकाजी, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. श्री पवन कुमार जैन, सुपुत्न श्री रत्तन लाल जैन, निवासी सी-4/91, दया नन्द कालोनी, लाजपत नगर, नई दिल्ली-1 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन की घविष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी
 घविष्ठ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास निकात में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रमुक्त सन्दों घीर पदों का, जो उक्त श्रिवितयम के ग्रष्ट्याय 20क में यथा-परिभावित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस धन्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान नं० सी-4/91 जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गण है, दया नन्द कालौनी, लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं। जे० एस० गिल सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायंकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 31-7-1978

मोहर :

प्रक्ष प्राई० टी० एत० एस०---

सायकर घितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के घश्चीन सूकता

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली-1 4/14 क, श्रासफअली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली-1, दिनांक 31 जुलाई 1978

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० ग्रार०-III/ 210/नवम्बर-1 (19)/77-78/1894—यतः, मुझे, जे० एस० गिल,

पायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/प्रीर जिसकी सं० ई-11/38 है, तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है, (प्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 5-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी स्राय की बाबत, उक्त अधि-निसम के प्रधीन कर देने के सन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसा किसी माय या किसी घन या अन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धनकर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः प्रव उक्त मिन्नियम की धारा 269-ग के मनुसरण में; मैं उक्त मिन्नियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन निम्निसित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:— शी असन्त लाल हरीग्रासरा, सुपुत्र स्वर्गीय श्री हरबक्स राय, नियासी नं० 24, सैन्ट्रल विस्ता होस्टल, डा० राजीन्द्र प्रसाद रोड, नई दिल्ली-1

(श्रन्तरक)

2. श्री रिव कुमार सेतिया, सुपुत्र श्री मुरारी लाल सेतिया, निवासी जे-4, जंगपुरा ऐक्सटैन्शन, नई दिल्ली-1

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों हो,
- (खः) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जा उबत ग्रिधित्यम के भध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जिसका नं० ई-II/38 (पूर्वी भाग) है, ग्रीर क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है, लाजपत नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :~—

पूर्व : आध्यदाद नं० ई-11/37,

पश्चिम / जायदाद नं० ई-11/38 ('पश्चिमी हिस्सा)

उत्तर : सर्विस लेन; दक्षिण : मेन रोड ।

> जे० एस० गिल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राकयकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, दिल्ली, नई ॄदिल्ली-1

तारीख : 31-7-1978

मोहर:

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज III दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 5 ग्रगस्त, 1978

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है,

ग्रीर जिसकी सं 1800/1 से 1800/4 सथा 1802/1, 2, 1808, 1803/2 तथा 1809/2 छतरपुर गांव , डी॰ एल॰ एफ॰ है, तथा जो फार्मिंग एरिया, तहसील महरौली, नई दिल्ली-30 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणिष्त है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 23-11-1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है मीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है भीर अन्तरक
(अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरग लिजित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

- (क) सन्तरण से हुई किसी स्नाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के ग्रधीन कर वेने के शन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी बन या ग्रस्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या बन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत, ग्रब, उक्त प्रधिनियम को भारा 269 ग के भनुसरण में में, उक्त अग्रिनियम की भारा 269-भ की जपभारा (1). के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रार्थात् — (1) श्री करण सिंह, सुपुत्र श्रीमती कमलजीत कौर् इकने जनरल श्रदारनी श्रोमती कमलजीत कौर के द्वारा निवासी ए० -603, कर्जन रोड़, ग्रपटिमैन्ट, नई विल्ली।

(धन्तरक)

(2) देव प्रताप सिंह, सुपुत्र श्री ब्राई० पी० सिंह, निवासी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंत के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घन्निया या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की धन्नि, जो भी घन्निय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिचाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अ**न्**सृघी

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 19 बीगा तथा 16 बिसवा है स्रौर खसरा न० 1800/1 (मिन) क्षेत्रफल 1 बीगा तथा 1 बिसवा; 1800/2 (1-2), 1800/3 (1-2), 1800/4 (मिन) (1-2), 1802/1 (मिन) (1-11), 1802/2 (मिन) (1-18), 1808 (4-16) 1803/2 (3), तथा 1809/2 (3-8), छतरपुर गांव, डी. एल० एफ०, फामिंग एरिया, महरौली, नई दिल्ली में है।

डी० पी. गोयल सक्षम प्राधिकारी, सह्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज ^{III} दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 5-8-78

मोहर:

SUPREME COURT OF INDIA

(ADMN. BRANCH I)

New Delhi, the 27th July 1978

No. F.6/78-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri S. P. Jain, P.A. to Registrar as Officiating Private Secretary to the Hon'ble Judge, Supreme Court of India, with effect from the forenoon of 25 July, 1978 to 9 September, 1978 (bdi) until further orders vice Shri K. K. Mehan Private Secreatry to Hon'ble Judge granted leave.

MAHESH PRASAD, Dy. Registrar (Admn. J)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 24th June 1978

No. A. 32016/2/78-Admn. II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri Ram Singh ,a permanent Research Assistant (R&S) and officiating as Research Investigator in the office of Union Public Service Commission, to officiate on an ad hoc basis as Junior Research Officer (R&S) in the Commission's office for the period from 26-6-1978 to 25-9-1978, or until further orders, whichever is earlier, vice Smt. Raj Kumari Anand, Junior Research Officer (R&S) granted leave.

P. N. MUKHERJEE, Dy. Secy. for Secy.

New Delhi-110011, the 20th July 1978

No. A. 32014/1/78-Admn.I.—The President is pleased to allow Shri S. P. Mehra, permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission and at present officiating in the Selection Grade for Grade C Stenographer, who was appointed to officiate as Senior Personal Assistant upto 30-6-1978 on purely temporary and ad hoc basis vide orders of even No. dated 15-5-78, to continue to officiate as Senior P.A. (Grade B of CSSS) in the same cadre on a purely provisional temporary and ad hoc basis for a period of 2 months w.e.f. 1-7-78 to 31-8-78 or until further orders, whichever is earlier.

Shri Mehra should note that his appointment as Senior P.A. (Grade B of CSSS) is purely temporary and on ad hoc basis and will not confer any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade. Further the appointment is subject to the approval of Department of Personnel & Administrative Reforms.

The 21st July 1978

No. A. 32014/1/78-Admn.III(1).—The President is pleased to appoint Shri N. K. Dhingra, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate, on an ad hoc basis, in the Section Officers' Grade of the Service for a period of 47 days from 1-7-78 to 16-8-78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/78-Admn. III (2)—The President is pleased to appoint the following permanent Assistants of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to officiate as Section Officer on ad-hoc basis for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier:—

S. No. Name	Period for which promoted as Section Officer.
1 2	3
1. Shri K, L. Sh	arma . for a further period from 1-8-78 to 31-10-78.
2. Shri H. S. Bh	natia . for a further period from 1-8-78 to 31-10-78,
3. Shri I. J. Sha	for a further period from 1-8-78 to 31-10-78.
4. Shri B . R. Ba	isra . for a further period from 18-7-78 to 29-9-78

1	2	3
5. SI	hri R. K. Jasuja	for a further period from 16-7-78 to 28-8-78.
6. S	hri R. K. Mago	. for a further period from 9-7-78 to 31-8-78.
7. S	hri S. N. Sharma	for a further period from 8-7-78 to 28-8-78.
8. S	hrí G. Natarajan	 (i) for a further period from 8-7-78 to 12-7-78. (ii) from 17-7-78 to 31-8-78 (46 days).
9. S	hri Jai Nrain	. for a further period from 8-7-78 to 29-7-78.

No. A. 32014/1/78-Admn.III(3).—The President is pleased to appoint Shri S. R. Khanna, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate on an ad hoc basis in the Sertion Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 13-7-78 to 27-8-78 or until further orders, whichever is carlier.

The 25th July, 1978

No. A. 11016/1/76-Adm. III—The President is pleased to appoint the following permanent Section Officers of the C.C.S. cadre of Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer, for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier, in the/office of Union Public Service Commission.

S. No. Name	 	Period
1. Shri B. S. Jagopota		30-6-78 to 28-2-79
2. Shri B.S. Kapur .		1-7-78 to 28-2-79
3. Shri J. P. Goel .		1-7-78 to 28-2-79
4. Shri R. N. Khurana		16-7-78 to 28-2-79
5. Shri S. Srinivasan		16-7-78 to 28-2-79
6. Shri D. P. Roy .	 	18-7-78 to 28-2-79

2. The above officers shall draw Special Pay @ Rs. 75/- per month in terms of D.O.P. & A.R. O. M. No. 12/1/74-CS(I) dated 11-12-75.

The 31st July 1978

No. A. 12025(ii)/1/77-Admn.III.—Consequent on his nomination to the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizers (Department of Petroleum) for appointment as Section Officer, Shri G. Natarajan, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission and officiating as Section Officer on ad hoc basis vide Union Public Service Commission Notification No. A. 32014/1/78-Admn. III dated 21st July, 1978, has been relieved of his duties in the office of Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 31-7-78.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary (Admn.)
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 17th July 1978

No. A.32013/2/77-Admn.I(ii).—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri V. N. Vaidyanathan, Assistant Planning Officer in the Directorate General, A.I.R., and officiating as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on ad hoc basis with effect from the forenoon of 17-7-1978 to 16-10-1978 or until further orders, whichever is earlier, vide provisio to Regulation 4 read with Regulation 7 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulations, 1958, amended uptodate.

The 21st July 1978

No. A.12025/1/77-Admn, II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri Pradecp Mehta to the temporary post of Engineer in the office of Union Public Service Commission with effect from the forenoon of the 7th July, 1978 until further orders.

P. N. MUKHERJUL Under Secretary for Chairman Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS (DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 26th July 1978

No. A-19021/10/78-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri D. Mukherji, IPS (1971-T.N.) as Assistant Inspector General of Police, Central Bureau of Investigation on deputation basis with effect from the forenoon of 30-6-78 and until further orders.

No. A.19021/11/78-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri P. Ananthasayanam Reddy, IPS (1968-A.P.) as Supdt, of Police in the C.B.I. with effect from the afternoon of 12-7-78 on deputation basis and until further orders.

K. K PURI Deputy Director (Admn.) C.B.I.

New Delhi, the 28th July 1978

No. K-17/74-Ad.V.—On the expiry of his term of deputation in the C.B.I., the services of Shri K. K. Bajaj, Chief Technical Officer (Accounts and Income-tax), C.B.I. have been placed back at the disposal of Central Board of Direct Taxes with effect from the forenoon of 26th June, 1978.

The 31 July 1978

F. No. B-5/74-Ad.V.—On repatriation, the services of Shills, K. Gill, Dy. Supdt. of Police, an officer of the Gujarat State Police on deputation to CBI, Ahmedabad are placed back at the disposal of the State Govt, with effect from 1-7-78 (F.N.).

2. Notification No. B-5/74-Ad.V dated 14-7-78 is hereby cancelled.

The 1st August 1978

F. No. A-19036/9/78-Ad.V.—The Director, C.B.I. & I.G.P., SPE is pleased to appoint Shri S. J. Sargunar, a deputationist Inspector of Tamil Nadu State, to officiate as Dy. Supdt. of Police, C.B.I., S.P.E., Madras with effect from the forenoon of 14-7-78 and until further orders.

F. No. A-19036/14/78 Ad.V.—The Director, C.B.I. & I.G.P. S.P.E. hereby promotes Shri M. P. Singh, Inspector of Police, C.B.I. to officiate as Dy. Supdt. of Police in the C.B.I., S.P.E. with effect from the forenoon of 14-7-78 in a temporary capacity until further orders.

M. K. AGARWAL Administrative Officer (A) C.B.I.

New Delhi, the 28th July 1978

No. A-31013/3/75-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Badri Sharma, officiating Supdt, of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment from DANI POLICE, as Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment in a substantive capacity on permanent absorption with effect from 1-7-1978 (F.N.).

No. A-31013/3/75-Ad.I.—The President is pleased to appoint the following officiating Supdts. of Police on the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment, as Supdts. of Police, Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment in a substantive capacity with effect from 1-7-1978 (FN):—

Shri Raghuvendra Narain Sinha Shri P. S. Mahadevan Shri Ravendra Narain Sinha

> JARNAIL SINGH Administrative Officer(E) CBI

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110024, the 29th July 1978

No. E-38013(3)/78-Pers.—On transfer to Calcutta, Shri N. K. Khajuria, relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, DSP Durgapur with effect from the forenoon of 17th June 1978.

No. E-16013(1)/1/78-Pers.—On his appointment on deputation Shri K. L. Dewan IPS (Har-57) assumed the charge of the post of Dy. Inspector-General (Prov. and L&R) at CISF Hqis. with effect from the forenoon of 29th July 1978.

No. E-16014(1)/18/73-Pers.—Shri V. V. Sardana IPS (MT Cadre), Asstt. Inspector-General (Pers.), C.I.S.F. HQrs., New Delhi while proceeding on leave prior to his repatriation to State Cadre, relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 10th July 1978.

R. C. GOPAL Inspector-General/CISF

OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 31st July 1978

No. 5532-GE.I/S-28 dated 22-12-77.—Shri S. Manzur-e-Mustafa, IAAS retired from Govt. service with effect from 30-11-1977 (AN).

No. 1-GE.I/121-77 dated 2-1-78.—Comptroller & Auditor General of India is pleased to promote Shri Vijay Kumar, an officer in the Senior time scale of IAAS, to officiate in the junior administrative grade of the service (scale Rs. 1500—60—1800—100—2000) while holding the post of Deputy Secretary in the Ministry of Agriculture and Irrigation Department of Irrigation, New Delhi with effect from 20-12-1977 until further orders, under the second proviso to F.R. 30(1).

No. 861-GE.I/121-77 dated 27-2-78.—Comptroller & Auditor General of India is pleased to promote Shri P. K. Brahma, an officer in the senior time scale of IAAS, to officiate in the junior administrative grade of the service (scale of Rs. 1500—60—1800—100—2000) while holding the post of Doputy Secretary in the Ministry of Defence (Department of Defence), New Delhi with effect from 20th January, 1978 until further orders, under the second proviso of F.R. 30(1).

No. 929-GE.I/S-121/PF.Pt.II dated 4-3-78.—On attaining the age of superannuation Shri G. C. Shukladas, 1AAS, retired from Govt. service on 28th February, 1978 (AN).

No. 900-GE.I/C-24/PF.Pt.II dated 4-3-78.—On attaining the age of superannuation Shri E. V. Chandrasekhatan, IAAS, retired from Govt. service on 28th February, 1978 (AN).

No. 1536-GE.I/84-78 dated 13-4-78.—The Compttoller & Auditor General of India is pleased to appoint the following officers of IAAS to Accountant General level II Grade (2250—125/2—2500) in an officiating capacity while holding the posts mentioned against them with effect from the date indicated against each until further orders under second proviso to FR. 30(1).

 Shri S. G. Stephen, Joint Secretary, Ministry of Defence. (Department of Defence & Supplies), New Delhi—3-9-77. 2. Shri K. L. Jhingan, Finance Director, Uttar Pradesh, Jal Nigam, Lucknow—22-11-77.

No. 1981-GE.I/R-72/PF.Pt.II dated 9-5-78.—Shri V. N. Ram Rao, IAAS has retired from service with effect from 30th April, 1978 (AN).

No. 2788-GE.I/R-14/PF.Pt.V dated 29-6-78.—Consequent upon his permanent absorption in the Engineers India Ltd., New Delhi, in public interest, with effect from 1st November 1977, Shri M. Ramaswamy IAAS is deemed to have retired from Govt. Service with effect from the same date in terms of rule 37 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972.

No. 2910-GE.I/R-20/PF dated 4-7-78.—Shri G. Ramachandran, IAAS has retired from service with effect from 30th June, 1978 (AN).

M. M. B. ANNAVI Asstt. Comptr. & Auditor General (Personnel)

INDIA AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE A.G.C.R.

New Delhi-2, the 31st July 1978

No. Admn./O.-224/5/Promotion/77-79/797.—Consequent on their attaining the age of Superannuation, the following Accounts Officers of this office have retired from Govt. service, in the afternoon of 31st July, 1978.

Name:

1. Shri J. R. Sharma, (Permanent A.O.)

2. Shi Jiwanda Ram, (Permanent S.O. & Off. A.O.)

(Sd/-) ILLEGIBLE Sr. Dy. Accountant General (Admin)

OFFICE OF THI. ACCOUNTANT GENERAL MAHARASHTRA-I

Bombay-400 020, the 20th July 1978

No. Admn. I/Genl/IAD/31-Vol. III/C 1 (1)/4—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint the following members of the S.A.S. to officiate as Accounts Officers in this office with effect from the date mentioned against each of them until further orders.

1. Shrì J. Ramamurthy			4-7-1978 AN.
2. Shri V. A. Chaoji			23-6-1978 FN
3. Shri P. P. Wani .			19-6-1978 FN
4. Shri V. K. Joshi			16-6-1978 FN
5. Shri Y. Varada Rao			16-6 - 1978 AN
6. Shri Y. B. Dixit			26-6-1978 FN
7. Shri B. G. Taide	,	′	16-6-1978 FN

SMT. R. KRISHNAN KUTTY, Sr. Dy. Accountant General/Admn.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi the 25th July 1978

No. 40011(2)/78/AN-A-1) The undermentioned Accounts Officers were/will be transferred to the Pension Establishent with effect from the afternoon of the dite shown against even on their attaining the age of Superannuation.

SI. No. Name with Roster Number									Grade	Date from which transferred to Pension Establish- ment,	Organisation	
1 2									3	4	5	
S/Shri 1. L . L. Arora, (P/45)									Permanent Accounts Officer	30-3-78	Controller of Defence Accounts Western Com- mand, Meerut.	
2. K. Yegnaraman (P/68)	•	•	•	•	٠		٠		Do.	31-3-78	Joint Controller of Defence Accounts (Funds) Meerut.	
3. G. D. Goyal, (P/207)	•	•		•	•	,	•	•	Do.	30-4-78	Controller of Accounts (Other Ranks), North,	
4. O. P. Gupta, (P/223)	•	٠	•			•			Do.	30-4-78	Controller of Defence Accounts (Other Rank), North, Meerut	
5. V. Krishnamurthy (P/295)	٠		•	1					Dυ	31-3-78	Controller of Defence Accounts (Other Ranks), South, Madras.	
6. V. Radhakrishnan, (P/358))			•					Do.	30-4-78	Controller of Defence Accounts Southern Command Poona.	
7. R. L. Kalra, (P/361)	•	٠	•	•				•	Do.	31-3-78	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.	
8. H. K. Sharma (O/5) .	•						٠		Officiating Accounts Officer.	6-2-78	Controller of Defence Accounts Western Command, Meetut.	

								- <u></u>		- *
1 2								3	4	5
9. Ramji Lal Bhardwaj (O/133)	•	•	•	•				Officiating Accounts Officer	22-2-78	Controller of Descrice Accounts (Factories) Calcutta.
10. Atmaram Chatterjec (O/173)	•	•	-	•	•	•		Do	30-4-78	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
11. S. Venkataraman (O/209) .	•		•	•		•	•	Do.	31-3-78	Controller of Descence Accounts (Other Ranks) South, Madras.
12. Y. N. Chopra (O/272)	•		•	•	٠	•	٠	Do.	30-4-7 8	Controller of Defence Accounts Northern Command, Jammu Cantt.
13. Adınath Chatterjee (O/277)	•	•	•	•	-	٠	٠	Do,	28-2-78	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
14. B. M Gowaikar (O/283) .		•	•	٠	٠	•	•	Do,	31-5-78	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.
15. R. L. Sinnarkar (O/320) .	•	•	·	•	•	•	•	Do.	31-5-78	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.

Sl. No. 1	Name with Roster No.						Grade	Date of death	Struck of Strength of the Department	Organisation
S/Shri 1. U.S. A	Anand (P/294) .		•		•	•	Permanent Accounts Officer	20-2-78	(FN)	Controller of Defence Accounts (Factories Calcutta.
2. S/K. 1	Ray Chowdhury (P/355)			•	•	•	Do,	24-2-78	(FN)	Controller of Defence Accounts (Air Force Dehra Dun
3. S. C. 1	Datta (P/459) .	•	•	•	٠	٠	Do.	21-1-78	(FN)	Controller of Defend Accounts Wester Command, Meerut.
4. G. C.	Aggarwal (O/67)	•	•	•	•	•	Officiating Accounts Officer	3-4-78	4-4-78 (FN)	Controller of Defend Accounts Patna
5. S. K.	Ghosh (P/192/1977)		•	•	•		Permanent Accounts Officer	25-12-77	26-12-77 (FN)	Controller of Defendance (Factorie Calcutta.
6. G. L.	Chopra, (P/645/1977)	•	•	•	•	•	Do,	21-10-77	22-10-77 (FN)	Controller of Defendance Wester Command, Meerut.

^{3.} Shri H. L. Arora, Permanent Accounts Officer (P/45) on voluntary retirement under provisions of F. R. 56 (K) with effect from 30-3-78 (AN) has been granted 180 days terminal leave with effect from 31st March, 1978 to 26-9-1978 (AN) (both days inclusive)

R. VENKATARATNAM,

Dy. Controller General of Defence Accounts (Pers)

MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE AND ORDNANCE EQUIPMENT FACTORIES

Calcutta, the 24th July 1978

No. 178/A/M.—On attaining the age of superannuation the following medical officers retired from Govt. services w.c.f. the date shown against each name:—

- 1. Dr. C. L. Maitra, Pmt. A.M.O., OFM-1-1-78.
- 2. Dr. S. D. Chadha Pmt. A.M.O., Of Dun-30-4-78.

BRIG. P. N. TRIKHA

D.H.S.

for Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF INDUSTRY DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 27th July 1978

No. EST.I-2(551)/2448.—Shri M. S. Uke, Assistant Director Gr. II (P&D) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, has retired from service from the afternoon of 30th June 1978 on attaining the age of superannuation.

J. C. HANSDAK

Deputy Director (Admn.)

^{4.} Having been declared unfit to continue in service Shri H. K. Sharma, Officiating Accounts Officer (O/5) was retired from service and transferred to Pension Establishment with effect from 6-2-1978 (AN).

DEPARTMENT OF SUPPLY

DTE. GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(Admn, Section A-6)

New Delhi, the 25th July 1978

No. A-17011(120)/77-A6.—On the recommendation of the Union Public Service Commission the President has been pleased to appoint that Bolusani Sudha on the post of Assistant Director of Inspection (Met.) Grade III of Metallurgical Branch of Indian Inspection Service (Group 'A') w.e.f. 31-1-78 until further orders.

Shri Sudha assumed charge of the post of Asstt. Director of Inspection (Met.) in the office of DDI (Met.) Durgapur under the Director of Inspection (Met.) Burnpur from the forenoon of 31-1-78.

(Admn. Section A-1)

The 27th July 1978

No. A-1/1(810).—The President is pleased to appoint Shri P. N. Soni, Assistant Director (Grade I) (Grade III of Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate on ad-loc basis as Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate General

1 1 10 17 21

at New Delhi with effect from the forenoon of the 20th May, 1978 and until further orders.

SURYA PRAKASH

Deputy Director (Administration) for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BURFAU OF MINES

Nagpur, the 28th July 1978

No. A.19012(89) /77-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri S. C. Nebhani, Asstt. Research Officer (O.D.) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity w.e.f. the afternoon of the 11th July, 1978, until further orders.

The 29th July 1978

No. A.19012(102)/77-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri S. M. Shende, S.T.A. (O.D.) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity w.c.f. the forenoon of 15th July, 1978, until further orders.

S. BALAGOPAL Head of Office Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA

THE STATE OF STATE OF THE STATE

Dehra Dun-248001 the 24th July 1978

No. C-5395/707—I. The date of promotion of Shri M. M. Jain (Sl. 42) as notified vide this office Notification No. C-5837/707 dated the 5th July 1978 is amended to read 23rd March 1978 (FN) instead of 23rd April 1978 (FN).

II. The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each, purely on adhoc provisional basis:—

Si. No.	Name and Designation				Unit/Office	With effect from
1. Shri K.	N. Muthanna, Survey Asstt. Sel. Gd.				No. 36 Party (STI) Hydcrabad	Ist March 1978 (FN).
2. Shri Pre	m Chand Sharma, Draftman Div. I Se	l. Gd.			No. 6 D.O. (N.C) Dehra Dun	28th February 1978 (FN)
3. Shri K.	Ananthanarayan, Surveyor Sel. Gd.				No. 16 Party (STI) Hyderabad	Ist March 1978 (FN).
	C. Dob, Draftsman Div. I Sel. Gd.				No. 6 D. O. (NC) Dehra Dun	28th February 1978 (FN)
5. Shri K.	N. G. K. Pillai, Surveyor Sol. Gd.					Ist March 1978 (FN)
6. Shri M.	K. Chengappa Surveyor Sel. Gd.	,			No. 47 Party (STI) Hyderabad	23rd March 1978 (FN).
7. Shri S. 3	S. Pradhan Surveyor Sel. Gd.	,			No. 12 Party (NEC) Shillong	30th March 1978 (FN),
8. Shri B.S	Rajput, Surveyor Sel. Gd	•	•		No. 22 (Photo) Party (NEC), Dehra Dun.	10th March 1978 (FN)
9. Shri K.	K. Sharma, Surveyor Sel. Gd.	•	•		No. 22 (Photo) Party (NEC), Dehra Dun.	19th May, 1978 (FN)
10. Shri K.	S. Hooda, Surveyor Sel. Gd.	•	•		No. 22 (Photo) Party (NEC), Debra Dun	28th February, 1978 (FN).
11. Shri R.	L. Gangwal, Surveyor Sel. Gd.				No. 81 Party (NEC), Shillong.	3rd March 1978 (FN).
12. Shri Ma	look Singh, Surveyor Sel. Gd.				No. 9 Party (NEC), Shillong.	30th March 1978 (FN),
13. Shri T.	N. Sharma, Surveyor Sel. Gd				No. 47 Party (STI) Hyderabad	Ist March 1978 (FN)
14. Shri P.C	i.P. Panikkar, Surveyor Sel. Gd.				No. 53 Party (PMP) Hyderabad	Ist March 1978 (FN)
15. Shri L.S	S. Sharma, Surveyor, Sel. Gd.		٠	•	No. 80 (Photo) Party (NEC), Shillong.	30th March 1978 (FN).
16. Shri N.	M. Patel, Surveyor Sel. Gd.				No. 36 Party (STI) Hydorabad	Ist March 1978 (FN)
17. Shri S. I	K. D. Chowdhury, Survey Assit. Scl. (3d.			No. 29 Party (NEC) Shillong.	25th February 1978 (FN).
18. Shri Jag	dish Kumar, Surveyor Sel. Gd.				No. 59 Party (SCC), Hyderabad.	20th March 1978 (FN)
19. Shri A.C	3. Joshi, Surveyor Scl. Gd				No. 50 Party (PMP), Hyderabad	Ist March 1978 (FN)
20. Shri T.F	k, Kothiyal, Survey Asstt. Sel. Gd.				No. 6 D. O. (NC), Dehra Dun,	30th March 1978 (FN)
21, Shri G.	M. Roy, Survey Asstt, Sol. Gd	•	•	•	No. 80 (Photo) Party (NEC) Shillong.	3rd March 1978 (FN)
22. Shrl B.k	L. Sahni, Surveyor Sel. Gd	•	•	•	Survey Training Institute, Hydcrabad.	15th May 1978 (FN)

K. L. KHOSLA Major General Surveyor General of India (Appointing Authority)

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 28th July 1978

No. 4(28)/75-SI.—Consequent on his selection to the Indian Administrative Service, Shri K. Ramamoorthy, Officiating Programme Executive, External Services Division, All India Radio, New Delhi relinquished charge of his post in All India Radio w.e.f. 11-7-1978 (A.N.) and would be deemed to have resigned from the post of Programme Executive in All India Radio from that date.

A, K. BOST.

Deputy Director of Administration

for Director General

(CIVIL CONSTRUCTION WING)

New Delhi, the 16th June 1978

No. A-35018/2/78-CW.I.—The Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint Shri S. Ramachandran, Junior Engineer (Electrical) of the Central Public Works Department as Assistant Engineer (Electrical) on deputation in the Civil Construction Wing, All India Radio, Bombay in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of April 26, 1978 for a period of one year in the first instance.

2. The pay and allowances of Shri Ramachandran will be regulated in accordance with the Ministry of Finance O.M. No. 10/24/E.III/60 dated the 4th May, 1961 as amended from time to time.

The 19th June 1978

No. A-35017/1/75-CW.I.—The Director General, All India Radio, New Delni is pleased to appoint Shri C. N. Bhagat, Chief Draftsman of Army Headquarters, New Delhi as an Assistant Architect on deputation in the Civil Construction Wing of All India Radio, New Delhi in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 9th June, 1978 for a period of one year in the first instance.

2. The pay and allowances of Shri Bhagat will be regulated in accordance with the Ministry of Finance O.M. No. 10/24/E. III/60, dated the 4th May, 1961 as amended from time to time.

BACHAN SINGH Engineer Officer to Addl. CE(C) for Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 26th July 1978

No. A.12026/7/77(NT1)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri R. Palaniswamy to the post of Junior Bacteriologist at the National Tuberculosis Institute, Bangalore, with effect from the forenoon of 11th July, 1978 on an ad-hoc basis and until further orders.

No. A12026/15/77-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Vivek Chander Shaima to the post of Hindi Officer at the Safdarjang Hospital, New Delhi, with effect from the forenoon of the 22nd June, 1978, on an ad hoc basis and until further orders.

No. A.12026/15/77-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri D. Krishna Panicker to the post of Hindi Officer at the All India Institute of Physical Medicine & Rehabilitation, Bombay, with effect from the foremon of the 11th July, 1978, on an ad hoc basis, and until further orders.

S. L. KUTHIALA Deputy Director Administration (O&M)

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT OFFICE OF THE GENERAL MANAGER MADRAS TELEPHONES

Madras-600 001, the 26th July 1978

No. AST/AO-5/VIII- The General Manager, Madras Telephones, is pleased to appoint the undermentiered Junior Accounts Officers to officiate as Accounts Officers, in Accounts Finance Service—Group 'B' in local arrangement for period mentioned against each

Sl Name	Period					
No.	From	No.				
1. Sri S. R. Doraiswamy	13-12-77 FN	30-3-78 AN				
2. Sri R. Seetharaman	. 2-05-78 FN	1-7-78 FN				

No. AST/AL-5/IV--The undermentioned Junior I ngineers who are officiating as Assistant Engineers in local arrangement in Madras Telephone District, stand recented to their parent cadre with effect from the dates mentioned against each.

Sl. No. Name	Date of reversion to parent cadre
1. Sri K. G. Sundaresan	. 1-2-78 FN
2. Sri R. Sampath	. 20-2-78 FN
3. Sri B. S. Ramaswamy	10-3-78 AN
4. Sri B. S. Nagarajan	21-1-78 FN

No. ASI/DE-5/—The General Manager, Madras Telephone District, is pleased to appoint the underrectioned Assistant Engineers to officiate as Divisional Engineers in local arrangement in Madras Telephone District with effect from the date mentioned against each.

Sl. No. Name			Date of promotion to DE's Grade in local arrangement.
1. Shri R. Vaidyanathan .			8-2-78 FN
2. Shri P. Arthur Jesudoss			1-5-78 1 N
3. Shri T. N. Janardhanan			20-5-78 FN
4. Shri S. Sundaram .			23-5-78 FN
5. Shri K. Srinivasan .	•	•	5-6-78 FN

K. RAJAGOPALAN

Asstt. General Manager (Admn.) For General Manager

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 29th July 1978

No. A.19025/96/78-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri M V. S. Narayanamurthy has been appointed to officiate as Assistant Marketing

Office ** noup I) in this Directorate at Guntur with effect from the 12th July, 1978 (F.N.), until further orders.

B. L. MANIHAR
Director of Administration,
for Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES Bombay-400 001, the 29th July 1978

No. DPS/2/1(1)/77/Adm./19801.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated May 10, 1978, Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shir Wazirchand Chief Storekeeper of this Directorate to officiate as Assistant Stores Officer on an ad hoc basis in the same Directorate for a further period upto September 30, 1978 or until further orders whichever is earlier.

B. G. KULKARNI Assistant Personnel Officer

Bombay-400 001, the 29th July 1978

No. DPS/40/1/77-Adm./19866.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following temporary Assistant Accountants to officiale as Assistant Accounts Officers in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-960 in the same Directorate with effect from the forenoon of July 15, 1978 until further orders.

- 1. Shri A. Mascarenhas
- 2. Shri P. B. Mohammed.

K. P. JOSEPH Administrative Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 27th July 1978

No. AMD/1/8/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Dr. P. Narasımha Murty as Assistant Surgeon in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 17 July, 1978 until further orders.

S. RANGANATHAN Sr. Administrative & Accounts Officer.

DEPARTMENT OF SPACE CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560025, the July 1978

No. 10/3(39)/78-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to appoint Shii K Shanmugam, an Assistant Engineer of the Public Works Department, Tamil Nadu, on deputation as Engineer SB in Civil Engineering Division, Department of Space in an officiating capacity with effect from the forenoon of July 7, 1978 and until further orders.

The 20th July 1978

No 10/5(33)/77-CFD(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to appoint Shri MLP Thiagarajan, Supervisor as Engineer SB in the same Division in an officiating capacity with effect from 1st July 1976 and until Turther orders.

The 27th July 1978

No. 10/2(8)/78-CFD(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to appoint Shi PS Sundar Raj, an Assistant Engineer of the Public Works Department, Tamil Nodu, on deputation as Engineer SB in Civil Engineering Division, Department of Space, Sriharikota

in an officiating capacity with effect from the forenoon of July 7, 1978 and until further orders.

P. 1. U. NAMBIAR
Administrative Officer II
for Chief Engineer

INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION

SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380053, the 21st July 1978

No. SAC/EST/TESC/42/78.—The Director is pleased to appoint Shri Ashok Apsingikar as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation, Department of Space with effect from the forenoon of 13th February, 1978 until further orders.

The 24th July 1978

No. SAC/EST/TESC/46.—The Director is pleased to appoint Shri Niketankumar Vinodehandra Shah as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation, Department of Space with effect from the forenoon of 10th April, 1978 for a period up to 31st August, 1979.

S. G. NAIR Head, Personnel & General Admn.

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 26th July 1978

No. A.32014/3/78-E.I. The Director General of Observatories hereby appoints the undermentioned Professional Assistants as Assistant Meteorologists in an officiating capacity with effect from the dates indicated against their names and until further orders:—

S. No. Name		Date from which appointed as Assistant Meteorologi	Office of posting				
(1)	(2)	(3)	(4)				
1. Shri	B.C. Sen .	5-6-78	Meteorological Gauhati, Director, Meteorologic Centre, Calc	under Regional			
2. Shri	A. K. Hansda	31-5-78	Meteorological Mohanbari Director, Meteorologic Centre, Calcu				

New Delhi-3, the 27th July 1978

No. F(1)04214.—On attaining the age of superannuation Shii M. C. Chacko, Officiating Assistant Meteorologist, Meteorological Centre, Trivandrum under the Director, Regional Meteorological Centre, Madras, Indian Meteorological Department, retired from the Govt. service with effect from the afternoon of 30th June, 1978.

No E(1)04262.—On attaining the age of superannuation Shri B. B. Roy, Officiating Assistant Meteorologist Meteorological Centre, Gauhati under the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, India Meteorological Department, retired from the Govt. service with effect from the afternoon of 31st May, 1978.

CORRIGENDUM

No. A32014/3/78-E.I.—In the notification of even number dated 3rd June, 1978, the entry in column 3 against S. N. 3 may be read as 19-4-1978 instead of 18-4-78.

The 1st August 1978

No. E(1)06413.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri A. K. Sen, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Climatology), Pune as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 3rd July, 1978 and until further orders.

Shri Sen is posted to the Office of the Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Pune.

G. R. GUPTA
Meteorologist
for Director General of Observatorics

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 31st July 1978

No. A.31016/2/78-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri K. P. Chakarborty in a substantive capacity in the grade of Administrative Officer in the Civil Aviation Department with effect from 20-7-78.

S. L. KHANDPUR
Asstt. Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

No. 4/78—The tollowing Inspectors of Central Excise (S.G.) are appointed to officiate until further orders as Superintendent. Group 'B' in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EE-35-880-40-1000-EB-40-1200. They have assumed charge as Superintendents in the places and on the date noted against each:

Sl. Name of the officer No.		Place of posting	Date of assump- tion of charge
S/Shri			
1. V. P. Namasiyayam		Hqrs. Office, Madurai	12-5-78
2. M. N. Srinivasan .	٠	Customs Division Madurai	12-5-78
3. K. Gopalakrishnan		Hgrs. Office, Madura	i 16-6-78
4. S. Mohammed Nisar		Trichy Airport	16-5-78
5. Syed Yusuff Hussain	•	Dalmiapuram MOR, Trichy	10-7-78
6. M.R. Alagirisamy		Sivakasi MOR. I	5-6-78
7. S. Vincent .		Customs Pre- ventive, Tuticorin	17-6-78
8. P.A. Monie .		Customs Preventive, Thiruthurai Poondi of Nagapattinam Divn.	10-7-78
9. A.G. Joseph		Sivakasi MOR. II	10-7-78

No. 5/78—Shr V. Natarajan, Office Superintendent of Central Excise Collectorate, Madras is appointed to officiate until further orders as Administrative Officer (Group 'B') in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-860-40-1200. He assumed charge as Administrative Officer on the forenoon of 27-4-78 in Nagapattinam Customs Divisional Office.

M. S. SUBRAMANAYAM Collector

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 29th July 1978

No. A-19012/629/76-Adm.V.—In continuation of Notification No. A-19012/629/76-Adm. V dated the 31st Decem-

ber, 1977, Chairman Central Water Commission, hereby extends the ad-hoc appointment of Shri S. R. Sharma to the post of Extra Assistant Director (Publication in the Central Water Commission in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary basis for a further period from 14-6-1978 to 29-8-1978 or till the post of Assistant Director (Publication) is filled on regular basis, whichever is earlier.

J. K. SAHA Under Secretary, Central Water Commission

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 27th July 1978

No. 33/1/77-ECIX (pt. IV). The Director General of Works, CPWD is pleased to appoint Kumari Binita Deb Chaudhiny a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Assistant Architect (C.G.S. Group B) in the CPWD on a pay of Rs. 650/- P.M. in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200 (plus usual allowances) with effect from 29-4-78 (FN) on the usual terms and conditions.

2. Kumar' Chaudhury is placed on probation for a period of two years with effect from 29-4-78 (FN).

KRISHNA KANT Dy. Director of Administration

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 28th July 1978

No. 78/RE/161/1.—It is hereby notified for the general information of all users of Railway lines and premises that A.C. Over-head traction wires will be energised on 2.2 Kv on or after 15-6-78 in the following sections in stages where the works are in progress:—

Chirala to Vijayawada:---

Structure Nos. KM. 341/31/32 to 429/37-38 AND

KM. 583/23-24 to 581/1 of Vijayawada Yard,

On and from the same date, the overhead traction line shall be treated as live at all time and no unauthorised persons shall approach or work in the proximity of it.

> P. N. MOHILE Secy., Railway Board.

CHITTARANJAN LOCOMOTIVE WORKS Chittaranjan, the 29th July 1978

No. GMA/GS/8(A/cs).—Sri B. M. Das, Offg. Senior Accounts Officer (FX)/CLW is confirmed as Asstt. Accounts Officer in Cl. II service in the cadre of the Accounts Department of this Administration with effect from 26-4-78 (F.N.).

K. RAMAN General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DI PTT. OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Supreme Chit Fund & Trade Pvt. Ltd. (In Liqn.)

New Delhi-110001, the 25th July 1978

No. Liqn./3378/13412.—Notice is hereby given pursuant to sub-rection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s Supreme Chit Fund & Trade Pvt Ltd.

1 1

(In Liqh) has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

P. S. MATHUR

Asstt. Registrar of Companies, Delhi & Haryana.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Raja and Ebenzer Private Ltd.

Madras-6, the 25th July 1978

No. DN/5761/560(3)/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expitation of three months from the date hereof the name of M/s Raja and Ebenzer Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN Asstt. Registrar of Companies

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Indian Commerce and Industries Private Limited

Calcutta, the 29th July 1978

No. 8814/560(5).—Notice in hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that

the name of the Indian Commerce and Industries Private limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Chatterjee & Chakravarti (Paper) Limited.

Calcutta, the 29th July 1978

No. 9588/560(5).—Noxice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Chatterjee & Chakravarti (Paper) Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of P. N. M. Construction Private Limited,

Calcutta, the 29th July 1978

No. 22022/566(5).—Notice in hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the P. N. M. Construction Private limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

S. C. NATH

Asstt. Registrar of Companies, West Bengal.

FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOM) -TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, Shillong

Shillong, the 17th June 1978

Ref. No. A-187/SHI/78-79/2006-08.--Whereas, J, FGBI-RT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Patta No. 129, Holding No. 44 situated at Quinton Road, Shillong

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shillong on 18-11-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Bandana Roy Choudhury W/o. Lata Banadhur Roy Choudhury Quinton Road, Shillong, Present Address— C/o Shri Shivendu Bhattacharjee New Colony, Opp. High School, Shillong.
 (Transferor)
- (2) Sti Modon Gopal Poddar S/o Late N. C. Poddar, Police Bazar, Shillong.

(Transferce)

(3) Prafulla Purkayastha, Quinton Road, Shillong (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by may other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2795 Sq. Ft. along with 4 (four) houses situated at Quinton Road, Shillong, Meghalava,

EGBERT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date : 17-6-1978

(1) Dr. Luis Dos Santos Alvares and Wife Maria Ana Clara Ceicilia Carolina de Santana Godinho Alvares, resident of Margao.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwar-4, the 16th June 1978

Notice No. 216/78.79/Acq -Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

173 / 6, 173 / 10 and 174 / 1 situated at Guirim Wado,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Salcete, District of Goa, Under Document No. 1508/77-78 on 29-11-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the pr perty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:-

(1)(1) Shri Jagannath Dattaram Narvenkar,

(2) (1) Shri Jaganath Dattaram Narvenkar, (3) Shri Guroddas Dharma Borkar, R/o Margao (Goa).

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property situated at Guirim Wado, consists of 8 Houses and one Church and Coconut plantation, admeasuring area is 19,500 Sq. Metres, Bearing S. Nos. 173/6, 173/10 and 174/1.

> D. C RAJAGOPALAN, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Dharwar.

Date: 16-6-1978

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th May 1978

Ref. No. GSP/16/78-79.—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at G. T. Road and Turagath Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurdaspur in Nov., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Ved Vyas and Lal Chand s/o Sh. Hem Raj R/o Dina Nagar.

(Transferor)

- (2) Sh. Dev Raj S/o Sh. Yudishter and Smt. Kanta Kumari w/o Sh. Raj Kumar of Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property

 (Person whom the undersigned knows
 to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 K 10M as mentioned in the regd, deed No. 4629 of Nov., 1977 of Registering Authority, Gurdaspur.

S. K. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (3 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th June 1978

Ref. No. 1374/24/78-79.—Whereas, I. S. K. GOYAL, I.R.S. being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating

H. No. B-XXI-149 situated at Mohallah Schmian Batala (and more fully described in the Schedul annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Batala in November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mmoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sail Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
12—206 GI/78

 Smt. Kamla Rani wd/o Dr. Gujjar Mal, Sekhri, Mohallah, Sekhrian, Batala

(Transferor)

(2) Sh. Buldev Krishan, Om Parkash and Lakshmi Narayan ss/o Sh. Siri Krishan r/o Batala.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

II. No. BXXi-149, Mohallah Sekhrian Batala as mentioned in the regd. deed No. 4298 of Nov. 1977 of Registering Authority, Batala.

S. K. GOYAL IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 29-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th July 1978

No. 38 situated at Majitha Road Amritsar, Gopal Nagar IRS. IAC. Acq. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 38 situated at Majitha Road Amritsar, Gopal Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at City Amritsar November, 1977 for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more thate fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

ransfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 o) 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Durga Devi w/o Shri Sulakhan Singh, Amritsar 76-C, Lowrence Road, Amritsar . (Transferee)

(2) Shri Gulshan Kumar, Pardeep Kumar, Inderjit SS/O Sh. Piara Lal, R/o Bazar Mori Ganj, Amritsar. (Transferor).

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

38-Majitha Road, Gopal Nagar, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 2501 of Nov. 1977 of Registering Authority, Amritsar City.

S. K. GOYAL, IRS., Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 11-7-78

(Transferor)

FORM ITNS-

(2) Shi Daljit Singh, Harjit Singh, Gurjit Singh ss/o Shri Pritam Singh r/o 154-Kt. Moti Ram, Amiitsar.

(1) Shri Pala Ram s/o Shri Ram Bhaj r/o Inside Hathi

Gate, Amritsar.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

(4) Any person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Amritsai, the 11th July 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. ASR/26/78-79.--Whereas, I, S. K. GOYAL, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

> (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

H. No. 2414, 2424/12, situated at 34/511-1 on black place No.

> EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

36/511, Kalyan Singh Road, Amiitsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Amritsar City, on November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the regd. dcd No. 2557 of Nov., 1977 of Registring Authority. Amritsar City.

(27 of 1957).

S. K. GOYAL, IRS., Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, AMRITSAR

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act', to the following persons namely:-

Date: 11-7-78

(1) Shri Dara Rashid Khambata, 4, Bund Garden Road, Poona-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHAWKAR BHAWAN PLOT NO. 31, GANESH KHIND ROAD, POONA-411005

Poona, the 19th June 1978

Ref. No. CA5/Wai/Feb/78/360/78-79.—Whereas, I, Smt. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'),

have reason to believe that the immovable property.

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F. No. 470 T.P. Scheme No. 111 situated at Panchagani, Tal. Wai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Wai on 10-2-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

(2) (1) Shri Meherjad K. Akhatai Khavari,

(2) Smt. Tarabai Gangaram Kamble,(3) Shri Satish Nanalal Dharia,

(4) Shri Abdulla Abbashhai Uniwala.

At Panchgani, Tal. Wai.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold land & building situated at Final plot No. 470, T. P. Scheme No. III, Village Panchgani, Tal. Wai. Area: OH-59 G.

(Property as described in the sale deed registered under No. 110 dated 10-2-1978 in the office of the Sub-Registrar, (Wai).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 19-6-1978

FORM ITNS ---

(1) (1) Shri Dara Rashid Khambata, 4, Bund Garden, Poona-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHAWKAR BHAWAN PLOT NO. 31, GANESH KHIND ROAD, POONA-411005

Poona, the 19th June 1978

Ref. No. CA5/Wai/Feb'78/361/78-79.—Whereas, I, Smt. P. LALWANI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

F.P. No. 473, T.P.S. Scheme III situated at Panchgani, Tal-Wai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Wai on 10-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(2) (1) Shri Amin R. Mehershahi,

(2) Shri Gangaram Pandurang Kamble,

(3) Smt. Ashalata Nanalal Dharia,(4) Smt. Amina Abdulla Uniwalla,

All at Panchgaon, Tal. Wai.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold land and building at Final plot No. 473, T. P. Scheme No. III, Panchgani, Tal. Wai, Dist. Satara.

Area: HO-60 acres.

(Property as described in the sale deed registered under No. 111 dated 10-2-1978 in the office of the Sub-Registrar, Wai).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 19-6-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDING, M. G. ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-682016

Cochin, the 22nd June 1978

Ref. No. L.C.93/78-79.—Whereas, I, P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Ernakulam Village

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 21-11-1977

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) R. Narayana Iyer.(2) Smt. Chellammal.

(Transferors)

(2) (1) Mathew M. Thomas

(2) Thomas John.

(3) Thomas George (4) Thomas Muthoott

(5) George Alexander.

(Transferces)

(3) Associated Engineering Corporation (P) Ltd.
(Persons in occupation of the property)

(4) Cochin Corporation.

(Persons to whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and buildings bearing C. C. Nos. XXXVIII/971-972 and 1003 of Ernakulam Village vide Schedule to document No. 2991/1977.

P. O. GEORGE,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 22-6-1978.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDING, M. G. ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-682016

Cochin, the 22nd June 1978

Ref. No. L.C.200/78-79.-Whereas, I, P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

as per chedule situated at Panniankara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chalapuram on 9-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fatr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such appartent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mittate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1)(1) A. M. Pakker Koya
 - (2) A. M. Ahmed Koya(3) Λ. M. Mamu Koya

 - (4) A. M. Moideen Koya.

(Transferor)

(2) V. Pari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4.59 acres of Coconut gurden in Sy. Nos. 65/3, 62/1, 60/4 56/1A, 2 in Panniankara amsom desom in Calicut.

> P. O. GEORGE, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ernakulam

Date: 22-6-1978

(1) Smt. Kunjulakshmi Amma, W/o Sri A. V. Menon.

(Transferor)

- (2) (1) Poovath Ibrahim,
 - (2) V. Kunjabdulla (3) Kuttipurathkandy—Abdul Rahiman and
 - (4) Dr. K. K. Kader.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDING, M. G. ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-682016

Cochin, the 11th July 1978

Ref. No. L.C.209/78-79.—Whereas, I, P. O. GEORGE, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Sy. No.

as per schedule situated at Kasaba Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kozhikode on 14-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesnid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3/4th right over 17 cents of land in R. Sy. No. 19.3.64/1 and two buildings as per schedule to document No. 613/77 of SRO, Kozhikode,

P. O. GEORGF.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Frnakulam

Date: 11-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDING, M. G. ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-682016

Cochin, the 12th July 1978

Ref. No. L.C.205/78-79.—Whereas, I, P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Thalamunda Amsom

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Edappal 15-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth- tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

13-206 GI/78

(1) I. Krishan Namboodiri and 11 others

(Transferor)

(2) II. Abdulkhader.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2.24 acres of land with buildings in Sy. No. 265/4 in Thalamunda Amsom vide document No. 2938/77 dated 15-11-1977.

P. O. GEORGE,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date ': 12-7-1978

(1) Azad Ahmad Khan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) (1) Raj Bahadur Mehta
 - (2) Vijay Krishan Mehta
 - (3) Ashok Mehta
 - (4) Smt. Chitra Mehta
 - (5) Smt. Radha Mehta
 - (6) Smt. Neera Mehta

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 13th July 1978

Ref No. 40-V/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
As per schedule situated at

Plot No. 3 situated at Nawel Kishore Road, Lucknow (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Lucknow on 15-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act; in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. 3 measuring 8,715 sqr. fts. situate at Nawel Kishore Road, Lucknow.

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL
ROAD, PATNA

Patna, the 13th June 1978

Ref. No. III-270/Acq/78-79/234.—Whereas, I, M. N. TIWARY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Town Plan Plot No. 1244 & 1231 within the Municipal Ward No. VIII situated at Deoghar, District Santhal Parganas in Bihar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 17-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kishni Devi Sureka, 172 J. N. Mukherjee Road, Salkia, Howrah. (Transferor)
- (2) Thakur Das Sureka, Charity Trust Fund, 172, J. N. Mukherjee Road, Salkai, Howrah.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this socies in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (1) 17 Kathas & 4 Dhurs of land with two pucca buildings and other structures thereon falling in Town Plan Plot No. 1244, Holding No. 148 and
- (2) 1 Bigha 1 Katha & 14 Dhurs land together with brick built structures in Town Plan Plot No. 1231—Both properties situated in Ward—VIII of Deoghar Municipality.

M. N. TIWARY.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 13-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 20th April 1978

Ref. No. IAC/ACQ/66/78-79 --Whereas, I, H. C. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing '

House No. 62, Ward No. 65, Cir. No. 23, Total area 1203 Sq. Mtrs. Kamptee Road, Nagpur, situated at Nagpur, and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 2-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri L. C. D. R. Enile Joshi, 247, St. Antony Road, Chembur, Bombay-71.

(Transferor)

(2) Fr. Assuncao D'souza, Chairman, Pilor Niketan Society, Near Bharat Talkies, Kamptee Road, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 62, Ward No. 65, Cir. No. 23, Total area 1203 Sqr. Mtis., Kumptee Road, Nagpur.

H. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date ! 20-4-1978 Scal .

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 22nd April 1978

Ref. No. IAC/ACQ/67-78-79.—Whereas, I, H. C. SHRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 14, Ward No. 13, Municipal plot No. 643-A/232 Dharmpeth Layout North Ambazari Road, Nagpur situated at Nagpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 16-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

P. R. Vijayalakshmi,
 North Ambazari Road,
 Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri P. V. Swaminathan, Vijay Niwas, Ramdaspeth, Nagpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noffee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 14, Ward No. 13, Municipal plot No. 643-A 232, Dharmpeth Layout, North Ambazari Road, Nagpur

H. C. SHRTVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date: 22-4-1978

(1) Mrs. Shakuntala Rani w/o Shri Omprakasa Gupta, Ward No. 23, Nagpur.

both r/o Gandhibagh,

may be made in writing to the undersigned-

whichever period expires later;

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 19th June 1978

No. IAC/ACO/71/78-79.—Whereas, I, H. C. SHRINIVASA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/. and bearing No.

Half Portion of Plot No. 285 & double storyed House thereon in Ward No. 23, Satnaminagar, Nagpur situated at Nagpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nagpur on 17-11-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propery and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partie; has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Nagpur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

2. Shri Prakashchand Mangalchand Ranka,

(2) 1. Shii Khushalchand Mangalchand Ranka,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of Plot No. 285 & double storyed House thereon in Ward No. 23, Satnaminagar, Nagpur.

H. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Neggur

Date: 19-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

١

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 19th June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/72/78-79.—Whereas, I, H. C. SHRINIVASA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Half Portion of Plot No. 285 & double storyed House thereon in Ward No. 23 Nagpur situated at Nagpur,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on November 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Mrs. Shakuntala Rani w/o Shri Omprakash Gupta, Ward No. 23, Nagpur.

(Transferor)

 Mis. Nilam Devi w/o Shri Gulabchand Ranka,
 Sri Kasturchand Mangalchand Ranka, both r/o Gandhibagh,
 Nagpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of Plot No. 285 & double storyed House thereon in Ward No. 23, Nagpur.

H. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rauge, Nagpur

Date: 19-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 20th May 1978

Ref. No. 14/NOV/77.—Whereas, I, A. T. GOVINDAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land 8.19 acres with building in T.S. Nos. 71, 72, 73/1, 77/2, 1877 and 1878/2 Natham Road, Dindigul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub Registrar's office. Nagalnaicken Patti (Doc. No. 1306/77) on November 1977

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

(1) Madura Coats Limited, New Jall Road, Madurai-625010.

(Transferor)

(2) Meenatchi Estate, 11/A Kesava Iyer Street, Park Town, Madras-600003.

(Transferee)

(3) Owner.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8.19 acres with building thereon in T.S. Nos. 71 (3,22 acres) 72 (0.13 acre) 73/1 (1.30 acres); 77/2 (0.05 acre); 1877 (0.36 acre); 1878/2 (3.13 acres), Natham Road, Dindigul.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date: 20-5-1978

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 14th June 1978

Ref. No. 25/NOV./77.—Whereas, I, A. T. GOVINDAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

34, 35 and 36 situated at Rattan Bazaar, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I, Madras North (Doc. No. 3236/77) on 15-11-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

14—206 GI/78

 S. M. A. Syed Mohamed Buhari, S/o late S. M. A. Md. Meera Sahib, South Street, Keelakarai, Ramnad Dist.

(Transferor)

 (2) Mrs. Sithi Hamza Beevi W/o Sultan Maraikar; and
 2. Mr. Esmail
 S/o Noor Sahib,
 6/9 and 10, Middle Street,
 Keelakarai, Ramnad District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thics notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and buildings at Door Nos. 34, 35 and 36, Rattan Bazaar, Madras-1.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date: 14-6-1978

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th May 1978

Ref. No. Acq/1373-A/M.Nagar/77-78/560.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 3-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed, to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inocome-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Om Prakash adopted son of Meerical Vaish r/o 24-A, Nai Mandi, Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) S/Shri Jagbir Singh, Mahender Singh, Raj Kumar, and Rajveer Singh sons of Randhir Singh, Shri Kalu Ram S/o Khajan Singh, S/Shri Harveer Singh and Ram Kumar Sons of Kaluram, All residents of Village Harsauli, P.O. Khas, Parg. Baghra, Teh. and Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Ahata measuring 1859 sq. yds. situated at South Bhopa Road, Teh. & Distt. Muzaffarnagar transferred for an apparent consideration of Rs. 66,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 4-5-1978

Soul :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Ι,

 Shri Tilak Raj Kapoor, Moh. Lala Lajpat Rai, Durgiana Abadi, Amritsar.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Rakesh Chander Mehra, 18-B Race Course Road, Amritsar.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30th May 1978

Ref. No. Acq/1561-A/DDN/77-78/1045.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 14-11-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land and building known as Cannaught Castle Hotel, Mussorie, transferred for an apparent consideration of Rs. 1,51,00/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 30-5-1978.

 Shri Om Prakash, Adopted son of Meerimal, 24-B, Nai Mandi, Muzaffarnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Gayatri Devl, W/o Shri Gyani Ram, Nai Mandi, Muzaffarnagar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd June 1978

Ref. No. ACQ/1433-A/M.NGR/77-78/1106.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule anaexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Muzuffarnagar on 7-11-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5350 sq. yds. situated at Village Kukra, Distt. Muzassarnagar, transferred for an apparent consideration of Rs. 80,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 3-6-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th June 1978

Ref. No. Acq/1463- Λ /M.Nagar/77-78/1567.—Whereas, I, R. P. BHARG Λ V Λ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 14-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sūbsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Surendrapal Singh s/o Prakash, R/o Village Datiana, P.O. Khas, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) Smt. Sarla Devi W/o Surendrapal Singh, Smt. Suresh Bala W/o Krishan Pal Singh, R/o Village Datiana, P.O. Khas, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6 bighas and 7 Biswas situated at Village Datiana, Distt. Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration of Rs. 47,625/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 6-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st July 1978

Ref. No. Acq/1541-A/M.Nagar/77-78/2007.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at ΛS PER SCHEDULE (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Muzaffarnagai on 30-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Satya Bhargava W/o Dr. Suraj Bhan Bhargava, R/o 271, Civil Lines Northern Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) S/Shri Ravindra Kumar, Anil Kumar, Pravin Kumar Bipin Kumar and Atul Kumar (Minor) Under Guardianship of Smt. Sarla Devi, Mother All sons of Kailash Chand R/o Baghra, Present: 36, Gher Kaleram, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot of land measuring 695.80 sq. yds. situated at Kalapar Near Main G.T. Road, Distt. Muzaffarmagar, transferred for an apparent consideration of Rs. 69,140/-.

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 1-7-1978

(1) Sardar Nirlap Singh s/o S. Gulab Singh R/o A-6, Jawahar Quarters, Meerut City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Satveer Singh Dhillan & Sons, S/o Ch. Neer Singh, R/o Chipi Tank, Meerut.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st July 1978

Ref. No. Acq/1653-A/Mecrut/77-78/2102.—Whereas, I. L. N. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No.
AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer.at
Meerut on 19-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot of land measuring 701 sq. yds. situated at Civil Lines, Meerut City, transferred for an apparent consideration of Rs. 77,000/-.

L. N. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 21-7-1978

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 29th May 1978

Rcf. No. SI 447/TR-186/C-171/Cal-1/77-78.—Whereas, I, P. P. SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3A situated at Ripon Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 26-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Sri Hiralal Roychowdhury, D 59/1B, Mahamoorgunj, Sheopurwa, Varanasi.

(Transferor)

(2) Smt. Vasanti Mahidhar, 93, Simla Street, Calcutta.

(Transferee)

(3) 1. M/s. Deen Bros., 2. Mohammadullah

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided half share in one-storeyed building with outhouses containing an area of 9 Cottah 11 Chhitack more or less being premises No. 3A, Ripon Street, Calcutta transferred under Deed No. §-5345 of 1977 and registered with the Registral of Assurances, Calcutta.

P. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 29-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 29th May 1978

Ref. No. Sl.448/TR-187/C-172/Cal-1/77-78.—Whereas, I, P. P. SINGH

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3A situated at Ripon Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

5, Govt. Place North, Calcutta on 26-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Aor or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this, notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-15-206 GI /78

(1) Sri Hiralal Roychowdhury, D 59/1B, Mahamoorguni, Sheopurwa, Varanasi.

(Transferor)

(2) Smt. Mulji Mahidhar, 93, Simla Street, Calcutta.

(Transferee)

(3) 1. M/s Deen Bros., 2. Mohammadullah (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided half share in one-storeyed building with outhouses containing an area of 9 Cottah 11 Chhitack more or less being premises No. 3A, Ripon Street, Calcutta transferred under Deed No. I-5346 of 1977 and registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

> P. P. SINGH, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 29-5-1978

J-ORM ITNS---

(1) Piyarelal Agarwalla & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Brijlal Agarwalla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 27th June 1978

Ref. No. AC-19/Acq.R-IV.Cal/78-79 —Whereas, I, P. P. SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Holding No. 98, Ward of V, Siliguri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siliguri on 18-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1000 sft. (physically undivided 1/3rd share of land measuring 4.17 cottahs) together with undivided 1/3rd share of two storeyed building situated at holding No. 98, Ward V of Siliguri Municipality, Siliguri, Darjeeling more particularly as per deed No. 6417 dated 18-11-1977.

P. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition RangeTV,
54 Refl Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Now, therefore, in persuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 7th July 1978

Ref. No. AC-20/Acq/R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, P. P. SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 175/W situated at

Maniktola Main Road, Calcutta-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah on 19-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Sri Malli Nath Roy

2. Sri Somnath Roy 3. Sm. Sailaja Roy

4. Sm. Sipra Gupta

5. Sm. Nandita Roy and 6. Sm. Enakshi Roy

(Transferor)

(2) 1. Sri Satya Das Lahiri and 2. Sri Amiya Nath Lahiri

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 11K. 8Ch. 30Sft. together with building thereon situated at 175/W Maniktola Main Road, P.S. Phulbagun, Calcutta-54.

P. P. SINGH. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 7-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th July 1978

Ref. No. 408/Acq.R-III/78-79/Cal,—Whereas, 1, KISHORE SEN being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding RS. 25,000/- and bearing No.

2, Mandeville Gardens, Calcutta situated at Mandeville Gardens, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-11-1977

for an apparent consideration which is less than the ran market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability, of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Saloni Ownership Flats Schemes (P) Ltd., Office at 6, Harrington Street, Calcutta-16.

(Transferor)

(2) Sm. Madhulekha Sen, 13, Ekdalia Place, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that entire flat No. A on the 2nd floor in the building named "Jay Jayanti" situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta.

KISHORE SEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 10-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Saloni Ownership Flats Schemes (P) Ltd., Office at 6, Harrington Street, Calcutta-16.

(Transferor)

51

(2) Sm. Madhulekha Sen, 13, Ekdalia Place, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th July 1978

Ref. No. 409/Acq.R-JHI/78-79/Cal.—Whereas, I, KISHORE SEN

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedings Rs. 25,000/- and bearing

No. 2, situated at Mandeville Gardens, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 30-11-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat No. C on the 2nd floor of the building named "Jay Jayanti" situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta.

KISHORE SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Raft Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 10-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 20th July 1978

Ref. No. $AC-21/\Lambda cq.R-JV/Cal/78-79$,—Whereas, I, P. P. SINGH

being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2 situated at Belur Road, Dist. Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed here(o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-11-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri Gouri Shankar Mohta.

(Transferor)

(2) M/s. Chiranjilal Gouri Shankar & Co.

(Transferce)

(3) Brij Kishore Sahay & Hari Kishore Sahay.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2 bighas 3 cottahs 9 chittaks together with building, structures, erections, godowns etc. situated at premises No. 3 (Old) now 2, Belur Road, P.S. Bally, Dist. Howrah more particularly as per deed No. 5079 dated 5-11-1977.

P. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 20-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd August 1978

Ref. No. Sl.455/TR-208/C-191/Cal-1/77-78.—Whereas, I, V. S. JUNFIA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

13, situated at Bankim Chatterjee Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 23-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Sisir Chandra Dey & Ors., 40-F, Bhupendra Bose Avenue, Calcutta.

(Transferor)

 1. Sri Sudhangshu Sekhar Dey
 2. Sri Subhas Chandra Dey
 31/1/B, Mahatma Gandhi Road, Calcutta.

(Transferee)

(3) 1 M/s Kalikata Pustakaiaya
2. M/s. Dey Book Stores
3. J. N. Chakraborty

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of premises No. 13, Bankim Chatterjee Street, Calcutta being three storied building on land measuring 6K—9Ch—37sq. ft. more or less and registered with Registrar of Assurances, Calcutta under Deed No. I-5904 of 1977.

I. V. S. JUNFJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-116.

Date: 2-8-1978

FORM TINS-

NOTICE UNDER SICTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF-I, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd August 1978

Ref. No. Sl.454/TR-209/C-191/Cal-1/77-78 —Whereas, J, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13, situated at Bankim Chatteriee Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regstration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt Place North, Calcutta on 23-12-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

transfer with the object of :--

(a) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Taru Bala Dey,
 Rabindia Nath Thakur Road,
 Dakshinswar.

(Transferor)

(2) 1. St. Sudhangshu Sekhat Dey
 2 St. Subhas Chandta Dey
 31/1/B, Mahatma Gandhi Road,
 Calcutta.

(Transferee)

(3) 1. Ms Kalikata Pustakalaya2. M/s. Dey Book Stores3. J. N. Chakiaborty

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of premises No. 13, Bankim Chatterjee Street, Calcutta being three storied building on land measuring 6K—9Ch—37Sqft. more or less and registered with Registrar of Assurances, Calcutta under Deed No. I-5903 of 1977.

I. V. S. JUNEJA
Comptent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 2-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE; ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380009, the 16th June 1978

Ref. No. P.R. No. 589 Acg. 23-1004/6-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Tikka No. A--19/2, Sur. No. 27/2, situated at Fatchpura Main Road, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 9-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely: -

16-206 GI/78

- (1) Shri Manubhai Dahyabhai Patel and another, Tundav, Tal, Savli, Jilla Baroda.
 - (Transferor)
- (2) The Vinay Kelwani Trust; Fatchpura, Main Road, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

A three stored building standing on land admeasuring 1607 sq. ft. bearing Tikka No. A-19/2, sur. No. 27/2 situated at Fatchpura Main Road, Baroda and as fully described in saledeed No. 299 dated 9-11-77 and registered by Sub-Registrar, Baroda,

> S. C.PARIKH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-W AHMEDABAD

Date: 16th June, 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380009, the 16th June 1978

Ref. No. P.R. No. 590 Acq.23-1030/198/77-78.Whereas, 1, S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sur. No. 44, Ward No. 13, Athwa, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 3-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shantilal Rangildas Khandwala, Khandwala-ni-Sheri, Vadi Falia, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Chandravadan Ishwarlal Parekh and others, "Ishwar Smruti", Dana Pith, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 877 sq. yds. bearing Athwa Nondh No. 44, Ward No. 13, situated at Athwa, Surat and as fully described in sale-ded No. 2921 dated 3-11-17 and registered by Sub-Registrar, Surat.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 16th June, 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 13th July 1978

Ref. No. V-39/Acq.—Whereas, I, A. S. BISFN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 25,000/-and Part of house bearing No.

578 Mohalle -Sahukara, situated at Barcilly

(and more fully described in the Schodule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 30-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent, consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

(1) Shri Sahu Jagdish Kumar Agarwal

(Transferor)

(2) Shri Vishnu Kumar

(Transferee)

(3) Transferor (as per 37-G).
(Person in occupation of the property)

(4) Kishan Lal Varshney & others
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official-Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 578 Mohalla—Sahukara, Bareilly measuring Aarazi 660 sq. yards and all that description of the property which is mentioned in Form 37-G No. 5195 and Sale-Deed duly registered at the office of the Sub-Registrar Bareilly on 30-11-77.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 13-7-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1067.—Whereas, I, R. K. BALI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore

4792

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 24 November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ...

(1) Vijaykumar s/o Shri Pandurang Baviskar, through Aam Mukhtyar Shri Pandurang Radho Baviskar, r/o 28/1, North Raj Mohalla, Indore.

(Transferor)

[PART III--SEC. 1

(2) Parasmal s/o Shri Kanhaiyalal Mehta r/o 20/3, North Raj Mohalla, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

Part of Municipal House No. 13, North Raj Mohalla, Indore.

R. K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rage, Bhopal

Date: 7-7-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME.TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1068,—Whereas, I, R. K. BALJ,

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 5-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tarnsferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Sow. Sumatibai w/o Shri Govindrao Deshmukh, r/o 2, Kabutar Khana, Indore.

(Transferor)

(2) Sow. Rajkumari w/o Shri Mangal—Kumarji, r/o 46, Lodhipura, No. 1, Indore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Municipal House No. 2, Kabutar Khana, Indore.

R. K. BALI,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Rage, Bhopal

Date: 7-7-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1069.---Whoicas, I, R. K. BALI,

being the Competent Authority,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property situated at Sheopur

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sheopur on 17-11-1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bhagwandas s/o Shri Jagannath Agarwal, through Power of Attoreny Shri Rameshchandra s/o Shri Bhagwandas Agarwal, r/o Sanyogitagani, Indore.

(Transferor)

Shti Chothmal;
 Purshottamdas;
 Shri Balktishna, all sons of Shri Lakhmichand Saraf, all r/o City Sheopur, Kala, Distt. Morena.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl, land area 7.14 Bigha with diverted land area 1.19 Bigha, with house and well thereon, situated at Kasba Sheopur, Distt. Morena.

R. K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rage, Bhopal

Date: 7-7-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd August 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1081/78-79.—Whereas, I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 14-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Ashvinkumar s/o Rasiklal & Mukesh Kumar s/o Rasiklal, both r/o House No. 44, Bada Sarata, Indore

(Transferor)

 Sow. Ushadevi w/o Shri Kailashchandarji Jam, r/o Junapitha Main Road, Indore.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 19, situated at Mirapath, Indore.

R. K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rage, Bhopal

Date: 3-8-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ramlal s/o Gangaram Bhatia, r/o 9/1 North Raj Mohalla, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Rambhabai w/o Vardichand Jain, r/o Gram Chhayan Teh. Badnawar, Distt. Dhar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd August 1978

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/1082/78-79.—Whereas, I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/~ and bearing

Plot situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Indore on 14-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transfer to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcanid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 8/4; Street No. 8, Mahesh Nagar, Indore.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rage, Bhopat

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 3-8-1978.

(1) Smt. Akila Begum w/o Mohd. Ayubkhan 110/1, Juna Risala, Indorc.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hotaldas s/o Harsumal Jhamnani, 55, Badwali Chowki, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd August 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1083/78-79.—Whereas, I. R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 20-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
17—206 GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land bearing Municipal No. 55, Badwali Chowki, Indore.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rage, Bhopal

Date: 3-8-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Raj Limcoxide Factory, 91, Industrial Estate, Indore.

(Transferor)

(2) M/s Sunceta Laboratories Ltd., 89 & 90, Industrial Estate, Indore,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAIL M.P.

Bhopal, the 3rd August 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1084/78-79.—Whereas, I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Structure situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 27-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Structures on Plot No. 91, Industrial Estate, Indore.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rage, Bhopal

Date: 3-8-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd August 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1085/78-79,—Whereas, I, R. K. BALI,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Aliraipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alirajpur on 1-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the tansferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Kishanlal s/o Hiralalji Maheshwari, Gram Dudhia, Taluka Limkheda, District Panchmahal, Gujarat.

(Transferor)

(2) S/Shri Radheyshyam & Prahladdas, both sons of Shri Mishrilalji Bedia, R/o Alirajpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 96, Mahatama Gandhi Marg, Ward No. 10, Alirajpur (M.P.).

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rage, Bhopal

Date: 3-8-1978.

(1) Shri Gendalal s/o Narayanji Kota Walen Caste Brahmin, r/o Station Road, Ujjain,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

M/s. Durgaparasad Mohanlal, Station Road, Ujjain,
 Shri Durgaparasad;
 Shri Ramnarayan, both sons of Murlidharji & 4. Shri Mohanlal s/o Ramnarayanji,
 r/o Station Road, Ujjain.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd August 1978

Ref No. IAC/ACQ/BPL/1086/78-79.—Whereas, I, R. K. BAIL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House situated at Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ujjain on 1-12-1977 for an apparent

comideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. 1: 166, New No. 33, Subhash Marg, Station Road, Ujjain.

R. K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rage, Bhopal

Date: 3-8-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX_ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd August 1978

Ref. No. IAC/ Λ CQ/BPL/78-79,—Whereas, J R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 1-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Kanhaiyalal Jessaram, Jaora Compound, Indore.

 (Transferor)
- Smt. Indrawati w/o Jeewen Prakash, 2. Jalnadevi w/o Omprakash, R/o Ravindranath Tagore Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 121, New Mandi, Indore.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 3-8-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd August 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79.—Whereas, I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agrl. Land situated at Vill. Sewania Gond, Teh, Hazur Dist. Bhopal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 7-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely .-

(1) Shri Kanhaiyalal s/o Piabhu Dayal, r/o village Sewania Gond (near Bhadbhada), Teh. Hazur, Dist. Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Dilip P. Goculdas s/o Pratapsingh Goculdas, r/o 12 French Bridge, Chowpatty, Bombay 400007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 10.07 Acre, bearing Khasra Nos. 60 and 61/1, in Village Sewania, Gond, Teh. Hazur, District Bhopal.

R. K. BALI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Rage, Bhopal

Date: 3-8-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd August 1978

Ref. No. IAC/ACO/BPL/1089/78-79.—Whereas, I R. K. BALI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot situated at Bhopal

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on 14-12-1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Damyanti Bhatnagar w/o Dr. Bhagwan Swarup Bhatnagar, Civil Lines, Raipur.

(Transferor)

(2) Smt. Subhadra Agnihotri w/o Shri Ramkishore Agnihotri, Retd. Officer, State Bank of India. Seoni Malwa, Hoshangabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-3/67, Capital Project, Bhopal Circle No. 40/ 1-5-74, Jhone 9, Division Bhopal.

R. K. BALI,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 3-8-1978.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK
Rohtak, the 31st July 1978

Ref. No. KNL/54/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the Competent Authority under Secion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land measuring 1298 sq. yds. situated at Railway Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Acs, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in November 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (i) Shri Rameshwar Dass s/o Sh. Ganda Ram,
- (ii) S/Shri Nand Kishore, Rakesh Kumar Rajan Kumar ss/o Smt. Shakuntla Devi.
 - (iii) Saneh Lata, Rekha daughter of Shrl Rameshwar Dass, R/o Karnal.

(Transferor)

(2) Shri Mam Chand Gupta s/o Shri Jai Bhagwan c/o Gupta Photo Studio Sarafa Bazar, Karnal.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1298 sq. yards situated at Railway Road. Karnal.

(Property as mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4698 dated 15-11-1977 with the Sub-Registrar, Karnal).

RAVINDER KUMAR PATHANIA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, Rohtak

Date: 31-7-1978.

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 31st July 1978

Ref. No. KNL/55/77-78.—Whereas, RAVINDER KUMAR PATHANIA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter

Telegred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

Plot of land measuring 1347 sq. yds. situated at Railway Road, Karnal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in November. 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) (1) Sh. Rameshwar Dass s/o Sh. Genda Ram,
 - (2) Sh. Nand Kishore, Rakesh Kumar Rajan ss/o Smt. Shakuntla Devi.
 - (3) Saneh Lata, Rekha Daughters of Shri Rameshwar Dass, R/o Kernal.

(Transferor)

(2) Smt Vidya Watı w/o Shri Bhagwan Dass, R/o A-479, Sadar Bazar, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

FORM ITNS———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 27th July 1978

Ref. No. IAC/(Acq)/Raj./426.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
—situated at Langer ke Balaji, JPR
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 24-11-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(1) M/s. Radhavallabh S/o Babulal Tibewerewala self & GPA Shri Satyanarain Jhabermal & others partners Rajasthan Weaving mills, 201 Kalba Devi Road, Bombay-2.

(2) Ram Sharan Agrwal S/o Sh. Jagdish Narain Agarwal through guardian Sh. Jagdishnarain Sindhi camp, Station Road, Jaipur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX.ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 27th July 1978

Ref. No. IAC(Acq.)/Raj./427.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

- situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 24-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Radhavallabh S/o Babulal Tibewerewala, self & GPA Sh. Satyanaram Jhabermal & others partners Rajasthan Weaving Mills, 201 Kalba Devi Road, Bombay-2.

(Transferors)

(2) Shri Girraj Prasad S/o Dwarka Dass Plot No. D-49, Jyoti Marg, Bapu Nagai, Jaipur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land on the east side of big gate building situate at Rasta Langer ke Balaji Ka and morefully described in the conveyance deed registered by S.R. Jaipur vide his No. 2207 dated 24-11-1977.

M. P. VASISHTHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 27th July, 1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Taipur, the 27th July 1978

Ref. No. IAC/(Acq)/Raj./428.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 31-12-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following, persons, namely:

(1) M/s. Radhavallabh S/o Babulal Tibewerewala selt & GPA Shri Satyanaram Jhabermal & others partners Rajasthan Weaving mills, 201 Kalba Devi Road, Bombay-2.

(Transferor)

(2) Shi M/s. Laxminarain Radheshyam Kabra through its partners Laxminarain, Radhyeshyam, Sriram & Gajanand, Chhoti Chopper, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Big gate building Rasta Langer ke Balaji Ka and morefully described in the conveyance deed registered by S.R., Jaipur vide his No. 2538 dated 31-12-77.

M. P. VASISHTHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 27th July, 1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 27th July 1978

Ref. No. IAC(Acq.)/Raj./429.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at No. 128-Ind. Area, JPR

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 3-12-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Shah Engineering Pvt, Ltd; Jhotwara Industries Area Jhotwara, Jaipur.
- (2) M/s. Incon (India) Ltd; No. 128, Industries Area, Jhotwara, Jaipur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Situate at plot No. 128, Jhotwara Industries Area Jaipur and morefully described in the conveyance deed registered S. R., property by Jaipur vide his No. 2273 dated 3-12-77.

M. P. VASISHTHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 27th July, 1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th June 1978

Ref. No. AR-II/2525-3/Nov 77.---Whereas, I, G. A. JAMES.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of Malad City S. No. 641 Tika No. 79 Chalta Nos. 641/1 to 641/11 situated at Malad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Annapurnabai Himatlal Mehta

(Transferor)

(2) M/s. Top Built Cooperative Housing Society Ltd. (Transferee)

Person in occupation of the property.

(3) 1. Shri Revashankar D. Mehta 2. Smt. Shardaben R. Desai 3. Shri Hemraj H. Karani 4. Smt. Vasumatiben H. Patel 5. Shri Kalyanji Ponshi Shah 6. Shri Bhavarlal S. Bafna. Shri Navinchandra K. Shah 8. Shri Jaysinh C. Ved 9. Shri Bhalchandra A. Trivedi 10. Shri Kantilal R. Ghedia 11. Shri Rharat D. Parekh 12. Shri Ajitsinh M. Ramaiya 13. Shri Harilal T. Vadera 14. Shri Bhogilal A, Shah 15. Smt. Bhanumati R. Suchak.

Person whom the undersigned known to be interested in the property.

(4) Shri Rewashankar D. Mehta 2. Smt. Sharadaben Ramanlal Desai 3. Shri Hansraj Hemraj Karani 4. Smt. Vasumati Harishchandra Patel 5. Shri Kalyanji Punshi Shah 6. Shri Navinchandra Keshavlal Shah 7. Shri Bhanvarlal Sheshmal Bafna 8. Shri Jaisinh Charandas Ved 9. Shri Bhalchandra Amritlal Trivedi -0. Shri Kantilal Ramji 11. Shri Bharat Dwarkadas Parikh 12. Shri Madhusudan H. Mehta 13. Shri Devendra H. Mehta 14. Shri Bhagilal Ambalal Shah 15. Smt. Bhanumati R. Suchak.

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece ord parcel of land forming part of land known by the name of "Marwadi" and "Nawghar" situate at Malad, Port Tukdi, Bandra, Taluka Salsette, in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban containing by admeasurement 870 sq. yds. equivalent to 72 sq. mtrs. forming part of Malad City Survey No. 641 and Tika No. 79 and Chalta Nos. 641/1 to 641/11 with the building standing thereon known as "Anand Niwas" and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Corporation of Greater Bombay under P Ward No. 5493-5499/73/2-3 Kasturba Cross Lane and G.R.W. No. P-5497 and bounded as follows: that is to say on or towards the North by a passage, on or towards the South by Malad City Survey No. 642 and 643, on or towards the West by City Survey No. 641 (part) and on or towards the East by a Road.

G. A. JAMES,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Bombay

Date: 30-6-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 12th July 1978

C. R. No. 62/14387/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

Vacant Building corner site bearing No. 48/41 situated at Rajamahal vilas Extension, 8th Main Road, Bangalore (Corpolation Division No. 45).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Gandhinagar, Bangalore Doc. No. 2389/77-78 on 21-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Sri K. S. Sridharan, S/o, Sri K. N. Seshadri Ivengar, No. 27, H. O. Samaja Road, Basavangudi, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Sarala Rani, W/o Mr. B. Dass, No. 11, Basappa Road, Shanthinagar, Bangalore-27.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2389/77-78 Dated 21-11-77] Vacant building corner site bearing No. 48/41, Rajamahal vilas Extension, 8th Main Road, Bangalore.

Boundries:
East: Site No. 41
West: Road,
North: Site No. 47 and
South: Road.

J. S. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-7-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Comdr. N. R. Rao, S/o. Sri H. Naravana Rão, 314, Sampige Road, Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferor)

(2) Vijay C. Kapoor, s/o. late Sri Harnamdas Kapoor, 17/A, Ulsoor Road, Bangalore-8.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 12th July 1978

C. R. No. 62/14299/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Vacant corner building site bearing No. 192 situated at Mysore Sub-Area Officers' Housing Colony, 6th Main Road, 3rd Cross Binnamangala Layout, Bangalore-38

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar, Bangalore Doc. No. 2292/77-78 on 12-12-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2292/77-78 Dated 12-12-77]

Vacant corner building site bearing No. 192, Binnamangala Layout, Mysore-Sub-Area Officers housing colony, 6th Main Road, 3rd cross, Bangalore-38.

Boundries: West: Site No. 193 East: 3rd cross Road, North: Site No. 180 South: 6th Main Road.

J. S. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-7-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI-110001

New Delhi, the 1st August 1978

Rcf. No. IAC.Acq.I|SR-III/195/Nov./77-78.—Whereas I, I. S. GILL.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C-42, situated at Kailash Appartments. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 3.11.1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-setion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ved Prakash S/o L. Bishan Chand, R/o X-25, Hauz Khas Enclave, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satishwar Dayal Galgotia, S/o Shri Bireshwar Dayal Galgotia, R/o A/15A, Hauz Khas Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A residential plot No. 42 on 4th floor in residential Multi storyed building known as Block-C in Kailash Apartments opposite, Lady Sri Ram College New Delhi,

J. S. GILL,

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 1-8-1978

Soul:

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI-110001

New Delhi, the 31st July 1978

Ref. No. IAC.Acq.I/SR-III/200/Nov. I(18)/77-78/1894.—Whereas, J. J. S. GlLL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

C-IV/91 situated at Daya Nand Colony (Lajpat Nagar), N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 5-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Amrit Lal Kochar S/o Sh. Daulat Ram, R/o L-26, Kalkaji, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Pawan Kumar Jain E/o Sh. Rattan Lal Jain, C-IV/91, (Daya Nand Colony), New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. C-IV/91, measuring 100 sq. yds, situated at Daya Nand Colony, New Delhi.

J. S. GILL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 31-7-1978.

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI-110001

New Delhi, the 31st July 1978

Ref. No. 1AC Acq. 1/5R-II1/201/Nov. 1/(19)/77-78/1894.—Whereas, I, J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

E-II/38, situated at Lajpat Nagar, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 5-11-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Basant Lai Hariasra S/o late Sh. Harbux Rai R/o 24, Central Vista Hotel, Dr. Rajindera Prasad Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Ravi Kumar Setia S/o Sh. Murari Lal Setia, J-4, Jangpura, N. Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property bearing No. E-II/38 (Eastern Portion) Measuring 100 sq. yards situated at Lajpat Nagar, New Delhi and found as under:

East: Property No. E-II/37

West: Property No. E-11/38 Lajpat Nagar.
(Western portion)

North: Service Lane South: Main Road

J. S. GILL,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 31-7-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAF ALI ROAD, New Delhi-110001

New Delhi-110001, the 5th August 1978

Ref. No. IAC/Acq-III/Nov/798/77-78/2005.—Whereas I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

(As per Schedule) situated at Village Chhattarpur, Teh. Mehrauli, New Delhi-30

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 23-11-78

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Karan Singh S/o Smt. Kamaljit Kaur through his General Attorney Smt. Kamaljit Kaur, R√o A-603, Curzon Road Apartments, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Dev Pratap Singh S/o Sh. I. P. Singh R/o D-48, Hauz Khas, New Delhy.

(Transferce

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 19 Bighas and 16 Biswas bearing Khasra Nos:

1 Bigha 1 Biswa 1 Bigha 2 Biswas 1800/1 1800/2 (Min) (Min) l Bigha 2 Biswas l Bigha 11 Biswas 1800/3 (Min) 1802/1 (Min) 1 Bigha 18 Biswas 4 Bighas 16 Biswas 1802/2 (Min) 1803/1 (Min) 4 Bighas 16 Biswas 3 Bighas 8 Biswas 1808 (Min) 1809/2 (Min) 19 Bigha 16 Biswa

situated at Village Chattarpur DI.F. Faim Area, Tehsil: Mehrauli, New Delhi-30,

D P GOYAL.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date: 5th August 1978